THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 151 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण शु.2 2080 शुक्रवार, 18 अगस्त 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

राम मंदिर आंदोलन में गोली खाने वालों को मिलेगा सम्मान

अयोध्या, 17 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर का निर्माण कार्य जोरशोर से चल रहा है। जनवरी में इसका उद्घाटन होना है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट भगवान राम के मंदिर के लोकार्पण के साथ-साथ उन लोगों को भी सम्मान देने की योजना बना रहा है, जिन्होंने राम मंदिर आंदोलन में अपने प्राण गंवाए थे। इन वीर शहीदों को सम्मान देने के लिए ट्रस्ट की बैठकों में कई माध्यमों पर चर्चा हुई है। इन लोगों के नाम पर मूर्तिया, स्मारक और सड़कों-भवनों के नाम रखने जैसे विकल्पों पर विचार किया गया है। अंततः अयोध्या में बनने वाले प्रस्तावित राम म्यूजियम में ऐसे सभी शहीदों को स्थान देकर उन्हें सम्मान देने की योजना पर अंतिम सहमति बन सकती है।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सूत्रों ने बताया कि ट्रस्ट की बैठकों में इस बात पर गंभीरतापूर्वक विचार किया गया है कि राम मंदिर आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति देने वाले राम भक्तों को भी उचित सम्मान दिया जाना चाहिए। कुछ सदस्यों ने इन राम भक्तों की मूर्तियां स्थान-स्थान पर लगवाने का प्रस्ताव किया तो कुछ ने इनके नाम पर अयोध्या की सड़कों-चौराहों के नामकरण का प्रस्ताव दिया है। इस प्रस्ताव को स्वीकार करने में सबसे बड़ी बाधा यह रही कि राम मंदिर आंदोलन में अपने प्राण गंवाने वाले राम भक्तों की संख्या की ठीक-ठीक जानकारी नहीं है। लगभग पांच सौ वर्ष लंबे चले राम मंदिर आंदोलन में हजारों लोगों के मारे जाने का दावा किया जाता है। 1990 के दशक में चले आंदोलन से पूर्व के आंदोलनों में अपने प्राण गंवाने वाले राम भक्तों के विषय में ठीक-ठीक सूचना पाना भी कठिन हो सकता है। इनकी संख्या भी बहुत अधिक हो सकती है और इस कारण सबकी मूर्तियां बनवाना संभव नहीं हो सकता है। यही कारण है कि अपने प्राण गंवाने वाले ऐसे सभी राम भक्तों के लिए अलग-अलग मूर्तियां बनवाने के विचार को उपयुक्त नहीं पाया गया।

इस पर सहमति : सबसे अधिक सहमति इस बात पर बन रही है कि जितने भी राम भक्तों के आंदोलन में मारे जाने की बिल्कुल ठीक-ठीक सूचना है, उन्हें एक म्यूजियम में स्थान दिया जा सकता है। लाइट एंड साउंड शो और चलचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से इन राम भक्तों की आंदोलन में भूमिका को याद किया जा सकता है और इसके माध्यम से उन्हें सम्मान दिया जा सकता है।

ठीक इसी तरह का प्रयोग गुजरात में महात्मा गांधी की जीवनी को लोगों तक पहुंचाने के लिए और काशी में भगवान शिव की महिमा को लोगों तक पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। बहुत संभावना है कि इसी तर्ज पर राम मंदिर आंदोलन में अपनी जान गंवाने वाले राम भक्तों को याद किया जाए और उनके कार्यों को सम्मान दिया जाए।

चंद्रयान-3 का लैंडर दोपहर 1:15 बजे प्रोपल्शन से अलग हुआ

अब लैंडर की रफ्तार धीमी की जाएगी, 23 अगस्त को चांद पर लैंड करेगा

बेंगलुरू, 17 अगस्त (एजेंसियां)। इसरो ने आज यानी 17 अगस्त को दोपहर 1:15 बजे चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर और रोवर से अलग कर दिया। अब प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा में रहकर धरती से आने वाले रेडिएशन्स का अध्ययन करेगा जबकि लैंडर-रोवर 23 अगस्त को शाम 5:47 बजे चंद्रमा की सतह पर उतरेंगे। यहां वो 14 दिन तक पानी की खोज सहित अन्य प्रयोग करेंगे।

सेपरेशन के बाद विक्रम लैंडर ने प्रोपल्शन मॉड्यूल से कहा, 'थैंक्स फॉर द राइड मेट'। इसरो ने बताया कि लैंडर और प्रोपल्शन मॉड्यूल के अलग होने के बाद अब शुक्रवार शाम करीब 4 बजे लैंडर को डीबूस्टिंग के जरिए थोड़ी निचली कक्षा में लाया जाएगा। इससे पहले 16 अगस्त को सुबह करीब 8:30 बजे यान के थ्रस्टर कुछ देर के लिए फायर किए गए थे। इसके बाद चंद्रयान 153 किमी X 163 किमी की कक्षा में आ गया था। यानी चंद्रयान की चंद्रमा से सबसे कम दूरी 153 किमी और सबसे ज्यादा दूरी 163 किलोमीटर हो गई थी। प्रोपल्शन मॉड्यूल से अलग होने के बाद अब लैंडर को डीबूस्ट किया जाएगा। यानी उसकी रफ्तार धीमी की जाएगी। यहां से चंद्रमा की न्यूनतम दूरी 30 किमी रह जाएगी। सबसे कम दूरी से ही 23 अगस्त को चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग की कोशिश की जाएगी।

लैंडर को 30 किमी की ऊंचाई से चंद्रमा की सतह पर लैंड कराने तक की यह प्रक्रिया बहुत महत्वपूर्ण होगी। उसे परिक्रमा करते हुए 90 डिग्री कोण पर चंद्रमा की तरफ चलना शुरू करना होगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने वॉरशिप आईएनएस विंध्यगिरी लॉन्च किया

कोलकाता, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 17 अगस्त को पश्चिम बंगाल के दौरे पर पहुंचीं। उन्होंने कोलकाता में जंगी जहाज (वॉरशिप) आईएनएस विंध्यगिरी लॉन्च किया।

नीलगिरी क्लास का ये फ्रिगेट एक स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल युद्धपोत है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोजेक्ट 17ए के जहाजों को इंडियन नेवी वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने इन-हाउस डिजाइन किया है। इसमें ब्रह्मोस मिसाइल भी तैनात की गई है। इस युद्धपोत में दो हेलिकॉप्टर भी तैनात हो सकते हैं।

आईएनएस विंध्यगिरी की खासियत

यह वॉरशिप एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर्स और ऑटो मेलारा नौसैनिक गन से भी लैस हैं, जो दुश्मन के जहाज या हेलिकॉप्टर पर हमला कर उसे तबाह कर सकती हैं। इसके अलावा, विंध्यगिरी बराक-8 मिसाइल लॉन्च करने में सक्षम है। यह बेहतर स्टेल्थ फीचर्स, एडवांस्ड हथियार, सेंसर, प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम, लेटेस्ट रडार सिस्टम और एंटी सबमरीन वेपन सिस्टम से लैस है। आईएनएस विंध्यगिरी का डिस्प्लेसमेंट 6670 टन है। यह करीब 488.10 फीट लंबा है। इसका बीम 58.7 फीट है। इसमें दो डीजल इंजन लगे हैं। इसके अलावा, 2 जनरल इलेक्ट्रिक के इंजन लगे हैं। यानी यह इलेक्ट्रिक-डीजल युद्धपोत है। >14

मोदी सरकार ने खोला खजाना

यूपी समेत 9 राज्य में बढ़ेगा रेल नेटवर्क

32,500 करोड़ रुपये की 7 रेल परियोजनाओं को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार देश को एक बड़ा तोहफा देने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक मोदी सरकार बहुचर्चित वंदे भारत ट्रेन के दो नए वर्जन वंदे स्लीपर और वंदे मेट्रो लाने की तैयारी कर रही है। आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने भारतीय रेलवे की सात मल्टी ट्रैकिंग परियोजनाओं की मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं पर करीब 32,500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव मीडिया से बात करते हुए कहा कि पूरी तरह से 100 प्रतिशत केंद्र की ओर से वित्तपोषित यह परियोजनाएं मौजूदा लाइन क्षमता को बढ़ाने, भीड़भाड़ को कम करने में मदद करेंगी।

बता दें कि इस परियोजना को यूपी, बिहार, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, झारखण्ड और पश्चिम बंगाल, के 35 जिलों में पूर्ण किया जाएगा। इससे राज्य में लगभग 7.06 करोड़ मानव दिवस का रोजगार प्रदान होगा। परियोजनाओं में गोरखपुर-कैंट-वाल्मीकि नगर के बीच 89.264 किमी का दोहरीकरण, सोन नगर-अंडाल मल्टी ट्रैकिंग प्रोजेक्ट, नेरगुंडी-बारंग और खुर्दा रोड-विजयनगरम के बीच तीसरी लाइन और मुदखेड-मेडचल और महबूबनगर-धोन के बीच मौजूदा लाइन का दोहरीकरण, >14

महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा : पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई गोलीबारी

बरामद किए गए विस्फोटक-माओवादी साहित्य

गढ़चिरौली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले और पड़ोसी छत्तीसगढ़ में पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान दोनों राज्यों की सीमा पर पुलिस और नक्सलियों के बीच गोलीबारी हुई। बाद में घटनास्थल से विस्फोटक, माओवादी साहित्य और अन्य सामग्री बरामद की।

गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने बताया कि घटना बुधवार की है। गढ़चिरौली पुलिस को 15 अगस्त की रात को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में भोपालपट्टनम के उत्तर में दोनों राज्यों की सीमा पर सैंड्रा एलओएस (स्थानीय संगठन दस्ते) के एक नक्सली शिविर के बारे में खुफिया जानकारी मिली।

एक संयुक्त टीम का गठन :

उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही तुरंत बीजापुर के एसपी को इसकी जानकारी दी गई। तलाशी अभियान के लिए अहेरी के अतिरिक्त एसपी सतीश देशमुख की अध्यक्षता में नौ सी-60 पार्टियों के साथ एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। इसमें लगभग 200 कमांडो और बीजापुर के डिप्टी एसपी और 70 जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) कमांडो शामिल थे।

क्या है सी-60 :

बता दें, सी-60 गढ़चिरौली पुलिस की एक विशेष लड़ाकू इकाई है, जबकि डीआरजी छत्तीसगढ़ में माओवादी गतिविधियों से निपटने के लिए बनाई गई एक इकाई है।

यह सामान बरामद :

अधिकारी ने बताया कि संयुक्त टीम इलाके की तलाशी ले रही थी, तब नक्सलियों ने पुलिस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसपर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी समाप्त होने के बाद, इलाके में तलाशी ली गई। इस दौरान डेटोनेटर, जिलेटिन की छड़ें, बड़ी मात्रा में नक्सली साहित्य, एक मोबाइल फोन, चार पिट्ठू बैग, तिरपाल चादरें और अन्य सामान जब्त किए गए।

कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया

हमने लोकतंत्र-संविधान बचाकर रखा तभी मोदी प्रधानमंत्री बने : खड़गे

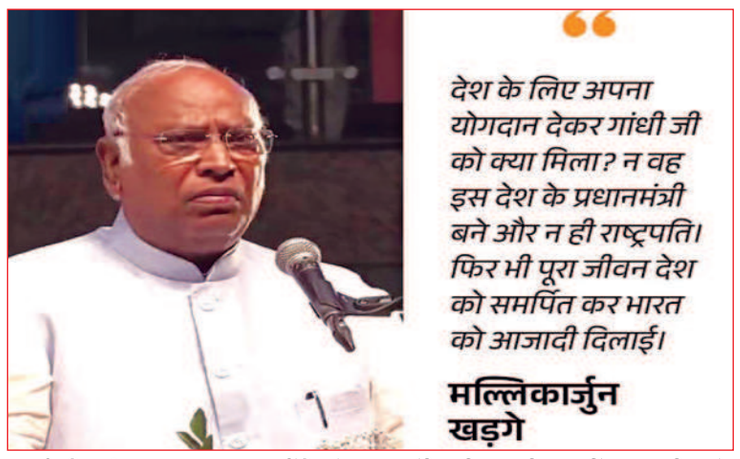

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पीएम संसद में विपक्ष की महिला सांसदों के लिए सूपनखा और 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड जैसी शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन हमने कभी नहीं पूछा कि आप जो 10 करोड़ का कोट पहनते हैं वो कहां से लाकर पहनते हैं। उसकी इनकम टैक्स की रसीद है क्या?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन ने कहा, पीएम मोदी पूछते हैं कि कांग्रेस ने पिछले 70 सालों में क्या किया। हमने (कांग्रेस ने) इतने सालों तक लोकतंत्र और संविधान को बचाकर रखा, तभी आज आप (मोदी) प्रधानमंत्री बन पाए हैं। इनके राज में अगर कोई कुछ बोलता है तो उसे जेल में डाल देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में महिला कांग्रेस ब्लॉक के अध्यक्षों और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

इंदिरा और राजीव गांधी के बलिदान का जिक्र किया :

इंदिरा जी और राजीव जी ने देश को एकजुट रखने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। कांग्रेस पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं ने देश के लिए अपनी जान दी। भाजपा के पास कौन सा ऐसा नेता है? हम इस देश के लिए अपना योगदान दे रहे हैं, हम अपने लिए यहां नहीं आए हैं। राजनीति एक सेवा है। गांधी जी को क्या मिला? न वह इस देश के प्रधानमंत्री बने और न ही राष्ट्रपति, लेकिन अपना पूरा जीवन देश को समर्पित कर दिया, भारत को आजादी दिलाई। मणिपुर का जिक्र करते हुए खड़गे ने कहा कि मणिपुर अभी भी बारूद के ढेर पर बैठा है, लेकिन ये सरकार उस पर ध्यान नहीं दे रही है। राहुल गांधी उस वक्त सांसद भी नहीं थे, फिर भी वे मणिपुर गए, लेकिन पीएम नहीं गए। वहां लोग मर रहे हैं, लेकिन वे चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। हमने पीएम मोदी से सदन में मणिपुर पर चर्चा की मांग की, लेकिन पीएम नहीं आ रहे थे। वे तब आए जब हमने अविश्वास प्रस्ताव रखा।

ऐसे लोग देश की क्या हिफाजत करेंगे? देश के लिए क्या बलिदान देंगे? अगर राहुल गांधी जी मणिपुर जा सकते हैं, तो पीएम मोदी क्यों नहीं? मणिपुर में लोग मारे जा रहे हैं, लेकिन पीएम मोदी चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। भाजपा जोड़ने का नहीं बल्कि तोड़ने का काम करती है। 15 अगस्त को मोदी जी ने कहा कि वह 2024 में भी लाल किले पर तिरंगा फहराएंगे। मुझे लगता है कि वह तिरंगा तो जरूर फहराएंगे, लेकिन लाल किले पर नहीं, अपने घर पर फहराएंगे।

उमर अब्दुल्ला को सुप्रीम कोर्ट से अनुच्छेद 370 की पुनर्बहाली की उम्मीद

श्रीनगर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और क्षेत्रीय नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि हालांकि न्यायिक प्रक्रिया लंबी है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ अनुच्छेद 370 मुद्दे पर सुनवाई करेगी और इसे पुनर्स्थापित करेगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए लड़ने के लिए एनसी ने कुछ अन्य राजनीतिक दलों की तरह वकीलों को भी शामिल किया है क्योंकि एनसी की दलील है कि इसे निरस्त करना असंवैधानिक था। मीडिया से बात करते हुए उमर ने कहा, हम लड़ रहे हैं और हमें न्याय मिलने की उम्मीद है।

मणिपुर हिंसा की जांच सीबीआई के 53 अफसर करेंगे

टीम में 29 महिलाएं, इन्हें देशभर के अलग-अलग ऑफिस से बुलाया गया

इंफाल, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर हिंसा के मामलों की जांच के लिए सीबीआई ने 53 अफसरों की लिस्ट तैयार की है। इनमें 29 महिलाएं शामिल हैं। इन अफसरों को देशभर के सीबीआई ऑफिस से इकट्ठा किया गया है। ऐसे हिंसा के मामलों में पुलिस के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट्स को निगरानी अधिकारी नहीं बनाया जा सकता है, इसलिए सीबीआई ने तीन डीआईजी और एक पुलिस सुपरिंटेंडेंट को जांच की निगरानी करने के लिए भेजा है।

डीआईजी अधिकारियों के नाम हैं- लवली कटियार, निर्मला देवी और मोहित गुप्ता। जॉइंट डायरेक्टर घनश्याम उपाध्याय इस पूरी जांच प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। पुलिस सुपरिंटेंडेंट राजवीर उन्हें रिपोर्ट करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, यह अपनी तरह का पहला मोबिलाइजेशन है, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में महिला अधिकारियों को एक साथ सर्विस में तैनात किया गया है। दो अतिरिक्त महिला पुलिस सुपरिंटेंडेंट्स और छह महिला डिप्टी सुपरिंटेंडेंट्स भी इस टीम का हिस्सा हैं। इसके अलावा 16 इंस्पेक्टर और 10 सब-इंस्टपेक्टर्स भी इस टीम का हिस्सा रहेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, ज्यादातर जब किसी राज्य में हिंसा से जुड़े कई मामलों को जांच के लिए सीबीआई को सौंपा जाता है, तो एजेंसी जनशक्ति मुहैया करवाने के लिए उसी राज्य पर आश्रित रहती है। लेकिन मणिपुर के मामलों की जांच में सीबीआई लोकल अधिकारियों को शामिल नहीं करना चाहती है, ताकि जांच में पक्षपात के आरोप न लगें।

सूत्रों का कहना है कि सीबीआई जिन मामलों की जांच कर रही है, उनमें से कई मामलों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निरोधक) अधिनियम 1989 का प्रावधान शामिल हो सकता है, जिसकी जांच डिप्टी सुपरिंटेंडेंट रैंक का अधिकारी करेगा।

मणिपुर हिंसा के 17 मामलों की जांच सीबीआई करेगी :

सीबीआई को मणिपुर हिंसा से 17 मामले जांच के लिए सौंपे गए हैं। सीबीआई ने अब तक 8 मामले दर्ज किए हैं, जिनमें मणिपुर में महिलाओं के कथित यौन उत्पीड़न से संबंधित दो मामले भी शामिल हैं।

अधिकारियों का कहना है कि सीबीआई के पास और केस भी आ सकते हैं। इसमें खासकर महिलाओं के साथ हुए उत्पीड़न, कुकी महिला के वायरल वीडियो के मामले शामिल होंगे। इसके अलावा 9 अगस्त को मैतेई महिला से गैंगरेप का मामला सामने आया था। इसकी जांच भी सीबीआई को दी जा सकती है।

मुकुल वासनिक गुजरात और सुरजेवाला मध्य प्रदेश के प्रभारी महासचिव

अजय राय को दी यह जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को संगठनात्मक बदलाव करते हुए रणदीप सुरजेवाला को मध्य प्रदेश का प्रभारी महासचिव और पूर्व विधायक अजय राय को पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई का प्रमुख नियुक्त किया। साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रघु शर्मा की जगह मुकुल वासनिक को गुजरात का प्रभारी महासचिव नियुक्त किया है। कर्नाटक के प्रभारी सुरजेवाला को जय प्रकाश अग्रवाल की जगह मध्य प्रदेश का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

पार्टी महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि पार्टी निवर्तमान पीसीसी अध्यक्ष बृजलाल खाबरी, पूर्व सांसद और सभी जोनल अध्यक्षों के योगदान की सराहना करती है। सुरजेवाला को हाल ही में मध्य प्रदेश में पार्टी का वरिष्ठ चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था। यहां इस साल के अंत में चुनाव होना है।

नूंह हिंसा का आरोपी बिट्टू को भेजा जेल

पुलिस ने रिमांड पर 8 तलवारें बरामद की, जान को खतरा देख नीमका भेजा

नूंह, 17 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा के केस में फरीदाबाद से गिरफ्तार किए गए राजकुमार उर्फ बिट्टू बजरंगी का एक दिन का पुलिस रिमांड गुरुवार को पूरा हो गया। पुलिस दोपहर को उसे फिर से नूंह की कोर्ट में लेकर पहुंची है। कोर्ट ने दोनों पक्षों के वकीलों की बहस के बाद उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में फरीदाबाद की नीमका जेल भेज दिया। रिमांड के दौरान उससे 8 तलवारें बरामद हुई हैं। फिलहाल पुलिस अन्य खुलासे के बारे में खुल कर नहीं बता रही है।

बता दें कि बिट्टू बजरंगी को 15 अगस्त को पुलिस ने फरीदाबाद से गिरफ्तार किया था। बुधवार दोपहर नूंह कोर्ट में पेश किया। जिसके बाद कोर्ट ने आरोपी को एक दिन पुलिस रिमांड पर भेजा। आरोपी राजकुमार उर्फ बिट्टू बजरंगी के खिलाफ नूंह की एएसपी उषा कुंडू की शिकायत पर मुकदमा दर्ज हुआ।

सदर थाना नूंह में विभिन्न धाराएं 148, 149, 332, 353, 186, 395, 397, 506 आईपीसी व आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज केस के तहत बिट्टू बजरंगी व अन्य 15-20 लोगों द्वारा महिला पुलिस अधिकारी नूंह के सामने तलवार आदि हथियारों से प्रदर्शन कर नारेबाजी की गई। साथ ही पुलिस द्वारा समझाने के बावजूद उग्र होकर सरकारी कार्य में बाधा डाली गई। ऐसे अन्य कई आरोप बिट्टू बजरंगी पर लगे है। बिट्टू बजरंगी को गुरुवार को पुलिस ने अतिरिक्त जिला सेशन जज अंजलि जैन की कोर्ट में पेश किया। इस दौरान पुलिस ने उसका दोबारा से कोई रिमांड नहीं मांगा गया। कोर्ट में पुलिस ने बताया कि रिमांड के दौरान उससे 8 तलवारें बरामद हुई हैं।

बिट्टू बजरंगी के वकील सोमदत्त शर्मा कोर्ट में कहा कि नूंह जेल में बिट्टू बजरंगी की जान को खतरा है। कोर्ट से मांग की गई कि बिट्टू बजरंगी को नूंह जेल के बजाय फरीदाबाद की नीमका जेल में भेजा जाए। जज ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी बिट्टू बजरंगी को नीमका जेल भेजने के आदेश कर दिए।

इंदौर के चंदन नगर क्षेत्र में शहर कांग्रेस अध्यक्ष की शराब दुकान के बाहर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

इंदौर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर के चंदन नगर क्षेत्र में शहर कांग्रेस अध्यक्ष की शराब दुकान के बाहर एक कार सवार युवक की हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। मृतक का नाम अतुल जैन सामने आया है जो कार में सवार था। हालांकि यह पहली घटना नहीं है बल्कि एक ही हफ्ते में यह एक दूसरी घटना है। वहीं मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि वाइन शाप से एक्टिवा सवार दो युवक शराब लेकर निकले थे जिसने रोड क्रास करने को लेकर विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ा की एक्टिवा सवार दोनो युवकों ने अतुल पर चाकू से हमला कर दिया था। इस हमले में अतुल की मौत हो गई है। मामले में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। ये एक ही सप्ताह में दूसरी ऐसी वारदात है।

'सब पहले हिंदू थे, कन्वर्ट होकर मुसलमान बने'

कश्मीर की धरती पर गुलाम नबी आजाद का बड़ा बयान

हिंदू कैसे बने मुसलमान- आजाद ने बताई दास्तान

बता दें कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे आजाद के बयान का ये वीडियो 9 अगस्त का है। वीडियो में आजाद कहते हैं, "हमने हिंदू-मुसलमान मिल के राज्य को ब्राह्मण, दलित, कश्मीरी को जब मिल के सबने इस घर को बनाना है। ये हमारा घर है, यहां कोई बाहर से नहीं आया। यही इसी मिट्टी की पैदावार, इसी मिट्टी में खत्म होना है। मैं पार्लियामेंट में हूं न, बहुत सारी चीजें जो यहां आपको नहीं पहुंचती। हमारे इसी किसी मेयर ने बताया कि भाई कोई बाहर से आए हैं कोई अंदर से आए हैं। मैंने कहा देखो अंदर-बाहर से कोई नहीं आया है। हमारे हिंदुस्तान में इस्लाम सिर्फ। वैसे ही पूरा। इस्लाम तो आया ही है 15 सौ साल पहले। हिंदू धर्म बहुत पुराना है, तो बाहर से आए होंगे 10-20 वो जब मुगलों के वक्त में उनकी फौज में थे बाकि तो सब हिंदू से ही कन्वर्ट हुए हैं मुसलमान में, हिंदुस्तान में और उसकी मिसाल हमारे कश्मीर में है।"

डोडा, 17 अगस्त (एजेंसियां)। (जम्मू कश्मीर) पूर्व कांग्रेसी नेता और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के चीफ गुलाम नबी आजाद का हिंदू धर्म को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। जम्मू कश्मीर के डोडा में एक पब्लिक मीटिंग के दौरान गुलाम नबी आज़ाद ने कहा कि कश्मीर के सभी लोग हिंदू धर्म से कन्वर्ट होकर मुस्लिम बने हैं। आजाद ने कहा कि बाहर से चंद लोग ही आए होंगे, बाकी सब हिंदू ही हैं। खासकर कश्मीर के मामले पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कश्मीर में तो आज से 600 साल पहले कोई मुसलमान नहीं था। यहां केवल कश्मीरी पंडित थे, सब कन्वर्ट होकर मुसलमान बन गए। गुलाम नबी आज़ाद ने कहा कि हम बाहर से नहीं आए हैं, हम इसी मिट्टी की पैदावार हैं हमें इसी मिट्टी में खत्म होना है। बता दें कि आजाद ने ये बयान 9 अगस्त को डोडा में दिया था। इससे पहले जेएनयू की छात्रसंघ नेता शहला राशिद का एक बयान सामने आया था, जिसमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर में हुए डेवलपमेंट को लेकर मोदी सरकार की तारीफ की थी।

'क्यों करना हिंदू-मुसलमान?'

आगे उन्होंने कहा, "कश्मीर में कौन था 600 साल पहले मुसलमान। सब कश्मीरी पंडित थे, सब इस्लाम बन गए तो मैंने कहा सब इसी धर्म में पैदा हुए। हमारे हिंदू भाई मरते हैं, वो जलते हैं, जलाते हैं।

उसके बाद उनको दरिया में डालते हैं तो हमारे गांव में पानी हमारे पी जाते हैं उसको। बाद में कौन देखता है कि इसमें कहां लाश जली आगे जाकर लोग पीते हैं। हमारे खेतों में जाते हैं, तो आखिर वो हमारे पेट में है। हमारा मुसलमान तो सबसे ज्यादा जगह पकड़ता है, जमीन। हां वो बहुत जमीन पकड़ता है तो वो भी इसी

जमीन में जाता है। उसका मांस भी, उसकी हड्डियां भी इसी भारत माता की धरती का हिस्सा बन जाती है तो कहां हिंदू, कहां मुसलमान। हिंदू भी गया इसी में और मुसलमान भी इसी में गया। उससे ऊपर अल्लाह अनाज लगाया वो हम सबने खाया। तो ये सब सियासी झगड़े हैं। मैं हमेशा कहता हूं, मजहब का सहारा, मजहब तो ठीक है अपने लिए लेकिन राजनीति में जो मजहब का सहारा लेता है वो कमजोर होता है। जिसको अपने आप पर विश्वास होगा, भरोसा होगा वो मजहब का सहारा नहीं लेगा।"

पिछले साल बनाई थी नई पार्टी

बता दें कि गुलाम नबी आजाद कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में गिने जाते थे। वह लंबे समय तक कांग्रेस में बड़े ओहदों पर रहे। केंद्र सरकार में मंत्री की भी जिम्मेदारी संभाली। गुलाम नबी जम्मू-कश्मीर के सीएम और राज्यसभा सांसद भी रहे। गुलाम नबी के राज्यसभा से रिटायर होते वक्त उनकी तारीफ करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी भावुक तक हो गए थे। पिछले साल अगस्त में उन्होंने कांग्रेस छोड़ अपनी डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी बना ली थी।

जादवपुर विश्वविद्यालय के छात्र की मौत पर बोले सुवेंदु अधिकारी

बहुराज्यीय हो गया है मामला, सीबीआई-एनआईए के लिए उपयुक्त

कोलकाता, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि जादवपुर विश्वविद्यालय में एक छात्र की मौत से संबंधित मामला अब बहु-राज्य बन गया है और केंद्रीय जांच ब्यूरो और राष्ट्रीय जांच एजेंसी के लिए उपयुक्त है। उन्होंने आगे कहा कि कश्मीर के एक लड़के को गिरफ्तार किया गया और उसके आवासीय प्रमाणपत्र की स्थिति के बारे में पूछा गया। जादवपुर विश्वविद्यालय के एक छात्र की मौत पर पश्चिम बंगाल विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा, आज कश्मीर से एक लड़के को गिरफ्तार किया गया। उसे आवासीय प्रमाण पत्र किसने जारी किया? उन्हें ओबीसी ए प्रमाणपत्र कैसे मिला?। मामला अब बहु-राज्य बन गया है इसलिए यह सीबीआई और एनआईए के लिए उपयुक्त मामला है।

बता दें कि कोलकाता स्थित जादवपुर विश्वविद्यालय के प्रथम वर्ष के एक छात्र की मुख्य छात्रावास के दूसरे माले की बालकनी से कथित तौर पर गिरकर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक छात्र बंगाली (ऑनर्स) विषय में स्नातक की पढ़ाई कर रहा था। वह बुधवार रात करीब 11 बजकर 45 मिनट पर ए2 छात्रावास की इमारत से कथित तौर पर गिर गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, उसे (छात्र) काफी चोटें आईं और उपचार के लिए केपीसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। सुबह चार बजकर 30 मिनट पर उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि युवक नादिया जिले में हंसखाली के बगुला का रहने वाला था। पुलिस ने बताया कि प्रथम वर्ष की कक्षाएं दो दिन पहले ही शुरू हुई थीं।

मोदी सरकार ने जंगलों को किया बर्बाद : जयराम

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र पर निशाना साधते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि 'मानित' जंगलों को खत्म करने की जल्दबाजी में नरेंद्र मोदी सरकार ने वास्तव में जंगलों को बर्बाद कर दिया। कांग्रेस नेता ने एक ट्वीट में कहा, संसद द्वारा पिछले सप्ताह वन संरक्षण अधिनियम, 1980 में खतरनाक संशोधन पारित करने के बाद ओडिशा सरकार ने तुरंत आदेश पारित कर दिया कि 'मानित' वनों को अब वन नहीं माना जाएगा। राज्यसभा सांसद ने कहा, अब केंद्रीय मंत्रालय का कहना है कि राज्य का आदेश वापस ले लिया गया है। भ्रम की स्थिति है। 'मानित' वनों को खत्म करने की जल्दबाजी में, मोदी सरकार ने वास्तव में वनों को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने ओडिशा सरकार द्वारा डीम्ड फॉरेस्ट आदेश को वापस लेने की एक समाचार रिपोर्ट भी संलग्न की। कांग्रेस ने संसद में वन संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 का विरोध किया है। 2 अगस्त को एक बयान में, रमेश ने कहा था कि संशोधनों के सार को संसद में दबा दिया गया है, जो मोदी सरकार की मानसिकता को दर्शाता है, और पर्यावरण, वन व पर्यावरण पर उसकी वैश्विक बातचीत और घरेलू प्रयासों के बीच मौजूद अंतर को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि विधेयक के जल्द ही कानून बनने तक की यात्रा, एक केस स्टडी है कि कैसे विधायी प्रक्रिया को पूरी तरह से नष्ट किया जा सकता है।

पीएम मोदी के आर्थिक सलाहकार ने की संविधान बदलने की बात तो भड़का विपक्ष

कहा- बीजेपी-आरएसएस की घृणित सोच आई सामने

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन विवेक देबरॉय के संविधान को लेकर लिखे एक लेख पर राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है. जेडीयू और आरजेडी ने लेख को लेकर बीजेपी पर हमला बोला है. जेडीयू के राष्ट्रीय सचिव राजीव रंजन ने कहा, बिबेक देबरॉय ने जो कहा है उसने बीजेपी, आरएसएस के घृणित सोच को फिर सामने ला दिया है. वहीं, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा, ये बिबेक देबरॉय की ज़ुबान से बुलवाया गया है. ठहरे हुए पानी में कंकड़ डालो और अगर लहर पैदा हो रही तो और डालो और फिर कहो कि अरे ये मांग उठने लगी है.

'ईडी तय करती है कौन किस पार्टी में जाएगा'

संजय राउत ने शरद पवार के आरोपों को बताया गंभीर

मुंबई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और सभी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है। वहीं, उन्होंने शरद पवार के एक बयान की भी बात की। उन्होंने कहा कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने हाल ही में कहा कि ईडी तय करती है कि कौन नेता किस पार्टी में जाएगा। इतना ही नहीं, यह भी ईडी ही तय करता है कौन मंत्री बनेगा। राउत ने कहा कि यह पवार साहब का बहुत गंभीर बयान है।

भतीजे ने चाचा को नहीं बनाया

वहीं, एक दिन पहले संजय राउत ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि अजित इतने बड़े नेता नहीं है कि शरद पवार को ऑफर दे सकें। उन्होंने कहा था कि अजित पवार को शरद पवार साहब ने बनाया है। न कि भतीजे ने अपने चाचा को बनाया। उन्होंने कहा कि 60 वर्ष से भी ज्यादा समय पवार साहब ने संसदीय राजनीति में बिताए हैं। साथ ही चार बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे हैं। उनका जो कद है वह बहुत बड़ा है। राउत ने आगे कहा था कि अजित पवार का इतना बड़ा कद नहीं है कि वह शरद पवार को कोई ऑफर दे सकें।

नाम बदलने पर तंज

वहीं, दूसरी ओर राउत ने सोमवार यानी 14 अगस्त को नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल) का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल) सोसायटी करने पर तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि आप इमारत का नाम बदल सकते हैं, लेकिन आप इतिहास में वर्णित पंडित नेहरू का नाम नहीं बदल सकते।

5 लोगों को खाने से हुआ ऐसा फंगल इन्फेक्शन एक की मौत, 4 ट्रामा सेंटर में भर्ती

मुंबई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के अंधेरी से एक हैरान करने वाली खबर आ रही है। यहां एमआईडीसी इलाक़े में 5 लोगों को खाना खाने की वजह से ऐसा फंगल इंफेक्शन हो गया कि इस हादसे में एक शख़्स की जानतक चली गई, वहीं बाकी के चार लोगों का इलाज ट्रामा केयर अस्पताल में चल रहा है। जानकारी मिली है कि ये पांचों लोग ब्रह्मदेव यादव चाल, जीजामाता रोड एमआईडीसी में रहते थे। बताया जा रहा है कि मृतक शख़्स का नाम रामबाबु फुलकंर यादव है जिसकी उम्र 32 साल थी। वहीं जिनका इलाज चल रहा है उनके नाम - किशन श्याम यादव, श्रवण गणेश यादव, गोविंद गोपण यादव और दीपक गणेश यादव है। 16 अगस्त के दिन जब फुलो यादव नाम के उनके परिचय के शख़्स ने जब देखा कि ये लोग दरवाज़ा नहीं खोल रहे हैं, तब उसने किसी तरह से दरवाज़ा खोला। जैसे ही फुलो घर के अंदर घुसा तो वहां का नजारा देखकर सन्न रह गया।

प्राकृतिक आपदा ने मचाई तबाही

71 की गई जान, कांगड़ा में बाढ़ प्रभावित इलाकों से 780 को बचाया

शिमला, 17 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा ने तबाही मचा कर रख दी है। मंडी, शिमला, कुल्लू, जिला सिरमौर और अन्य प्रभावित क्षेत्रों में 1,220 सड़कें बंद हैं। इससे बुधवार को भी दो हजार से ज्यादा रूट प्रभावित रहे। पेयजल स्रोतों में गाद आने से लोगों के घरों में पानी नहीं जा रहा है। मंडी की सबसे ज्यादा 541 समेत 1,235 पानी की स्कीमें ठप हैं। उधर, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में बाढ़ के हालत बने हैं। वायु सेना ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में 780 से ज्यादा लोगों को बचाया है। भारतीय वायु सेना के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि पश्चिमी वायु कमान के हेलिकॉप्टरों ने पिछले 48 घंटों में 50 से ज्यादा उड़ानें भरीं हैं। इस दौरान हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों में 780 से अधिक नागरिकों को बचाया गया। कांगड़ा जिले के फ़तेहपुर उप-मंडल में चल रहे राहत और बचाव कार्यों पर कांगड़ा के उपायुक्त निपुण जिंदल ने बताया कि 15 अगस्त को कुल 800 फंसे हुए नागरिकों को बचाया गया था। एनडीआरएफ, भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना का बचाव अभियान जारी है। अब तक बचाए गए लोगों के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं। उनके लिए राहत शिविर भी स्थापित किए गए हैं। इससे पहले, बुधवार को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कांगड़ा जिले के इंदौरा और फतेहपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया था।

उन्होंने पोंग जलाशय की बाढ़ग्रस्त निचली धारा में चल रहे निकासी प्रयासों और अन्य राहत कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने डमटाल और शेखपुरा में राहत शिविरों में लोगों से बातचीत करते हुए उनका कुशलक्षेम पूछा और उन्हें सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। सीएम ने राज्य के ऊपरी इलाकों में भारी बारिश और बाढ़ से हुई जान-माल की हानि पर भी चिंता व्यक्त की। सुक्खू ने कहा कि सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ है।

स्पोर्ट्स जूते पहनने के लिए कैदी ने बनवाया मजिस्ट्रेट का फर्जी ऑर्डर

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली की तिहाड़ जेल से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। तिहाड़ जेल में बंद एक कैदी ने स्पोर्ट्स शूज पहनने के लिए साकेत कोर्ट के मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट का फर्जी ऑर्डर बनवा लिया। साकेत कोर्ट में पेशी के दौरान कैदी गैंगस्टर नीरज उर्फ कुप्पा के पुलिस कस्टडी में स्पोर्ट्स शूज पहनने का पता चला। दक्षिणी दिल्ली के साकेत थाने में कैदी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। साकेत थाने में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, कैदी नीरज उर्फ कुप्पा तिहाड़ जेल की हाई रिस्क जेल नंबर-15 में बंद है। उसे 9 अगस्त को साकेत कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया। साकेत कोर्ट की लॉकअप में तलाशी के दौरान नीरज ने फीते वाले स्पोर्ट्स शूज पहने हुए थे। तिहाड़ जेल के मैनुअल के अनुसार, कैदी को स्पोर्ट्स शूज पहनने की अनुमति नहीं है। जब कैदी से जूते पहनने के बारे में पूछा गया, तो उसने कहा कि उसने जूते पहनने के लिए कोर्ट की अनुमति ले रखी है। उसने साकेत कोर्ट के मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट का ऑर्डर दिखाया, जिसमें कोर्ट की मुहर भी लगी हुई थी।

अलका लांबा पर कार्रवाई कर सकती है कांग्रेस

दिल्ली की सातों सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने के दिए थे संकेत

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में पार्टी को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस के नेता उस समय आपस में उलझकर रह गए जब दिल्ली इकाई की नेता अलका लांबा ने पार्टी की लोकसभा चुनाव को लेकर गुप्त रणनीति का खुलासा कर दिया। अलका के इस गैर जिम्मेदाराना बयान को लेकर खबर यह है कि पार्टी आलाकमान अब उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी मिली है। हालांकि, इसकी अधिकारिक पुष्टि कांग्रेस के किसी बड़े नेता ने नहीं की है।

क्या कहा था अलका लांबा ने

दरअसल, बुधवार को लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर दिल्ली की रणनीति तय करने को लेकर बुधवार को तीन घंटे तक उच्च स्तरीय बैठक हुई थी। इस बैठक को लेकर कांग्रेस नेता अलका लांबा ने कहा था कि बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अनिल चौधरी दिल्ली कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया व अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए थे। दिल्ली कांग्रेस संगठन को मजबू करने और आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी करने पर बात हुई थी।

चर्चा यह हुई थी कि लोकसभा चुनाव के 7 महीने हैं और दिल्ली में लोकसभा की 7 सीटें हैं। सभी सीटों पर हर नेता को आज से अभी से तैयारी करने की जरूरत है। संगठन की तरफ से जिसको जो भी जिम्मेदारी दी जा रही है, उसे हम निभाएंगे। मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाना होगा। कांग्रेस सभी सातों सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

कांग्रेस की हुई किरकिरी

अलका लांबा का ये बयान आने के बाद सियासी घमासान मच गया। आम आदमी पार्टी ने भी तत्काल प्रतिक्रिया में कह दिया कि जब अकेले चुनाव लड़ने की बात है तो फिर विपक्षी गठबंधन इंडिया का क्या मतलब। सहयोगी दलों का प्रतिक्रियाएं आने के बाद कांग्रेस के नेता सकते में आ गए। इसकी वजह है कि कांग्रेस की बैठक में जो बातें हुई थी, वो पार्टी का आंतरिक मामला था, जिसे अलका लांबा द्वारा पब्लिक डोमेन में लाने की वजह से पार्टी की किरकिरी हुई। यही वजह है कि अब अलका लांबा के खिलाफ पार्टी की ओर से कार्रवाई करने के संकेत मिले हैं। हालांकि, कांग्रेस की ओर से किसी नेता ने अभी आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

नहीं रुक रही वंदे भारत ट्रेन पर पत्थरबाजी

अब केरल में हुआ पथराव, 3 दिन में तीसरी घटना

तिरुवनंतपुरम, 17 अगस्त (एजेंसियां)। केरल से एक बार फिर ट्रेन पर पथराव की घटना सामने आई है। भारतीय रेलवे की सेमी-हाई स्पीड कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर बुधवार 16 अगस्त को कुछ अज्ञात बदमाशों ने पथराव किया। जिसके बाद ट्रेन की एक खिड़की का शीशा टूट गया। इससे पहले राज्य के उत्तरी कन्नूर जिले में दो ट्रेनों पर पथराव किया गया था। कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर हमला करने की वजह से सी-8 कोच की एक खिड़की टूट गई है। जिसके चलते राज्य रेल यात्रा पर सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, घटना शाम 4 से 4:30 बजे के बीच वटकारा के पास हुई। उन्होंने कहा, घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन शीशा बाहर से टूट गया।

25 अप्रैल को केरल को मिली थी पहली वंदे भारत ट्रेन

रविवार (13 अगस्त) को जब ट्रेनें जिले के कन्नूर दक्षिण और वलापट्टनम के बीच एक क्षेत्र में पहुंचीं तो मंगलुरु-चेन्नई सुपर फास्ट एक्सप्रेस और नेत्रावती एक्सप्रेस पर पत्थर फेंके गए। अधिकारियों ने कहा था कि दोनों ट्रेनों के एसी कोचों की खिड़की का शीशा टूटा पाया गया। केरल को इस साल 25 अप्रैल को तिरुवनंतपुरम से कासरगोड को जोड़ने वाली पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन मिली। ट्रेन गुरुवार को छोड़कर छह दिन चलती है। यह 14 रेलवे स्टेशनों पर रुकते हुए 586 किमी लंबी यात्रा आठ घंटे और पांच मिनट में तय करती है।

ठाकुरपुकुर में स्कूली वाहन पलटने से कई छात्र घायल

कोलकाता, 17 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण कोलकाता के ठाकुरपुकुर इलाके में बुधवार सुबह स्कूली वाहन पलटने से कई छात्र घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना जेम्स लॉन्ग सरानी पर दासपारा के निकट सुबह करीब साढ़े छह बजे हुई जब वाहन सड़क पर पड़े एक 'पत्थर' से टकरा गया। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने पलटे हुए वाहन से छात्रों को निकाला। कई छात्रों को मामूली चोट आई। छात्र अपने माता पिता के साथ घर चले गए, जो दुर्घटना के बारे में सुनकर घटनास्थल पहुंचे थे। पुलिस ने बताया कि वाहन के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। स्थानीय लोगों ने कहा कि इलाके में सड़क निर्माण का कार्य हो रहा है और वाहन संभवतः वहां पड़े किसी बड़े पत्थर से टकराकर पलट गया।

रॉबर्ट वाड्रा का विदेश भागने का कोई इरादा नहीं, ईडी ने उठाए सवाल तो वकील ने दी दलील

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा की जमानत याचिका का विरोध किया। उन्होंने कहा, उन पर लगे आरोपों को ध्यान में रखते हुए जमानत नहीं दी जानी चाहिए। जवाब में वाड्रा के वकील ने कहा, 'मेरा मुवक्किल हर शर्त का पालन कर रहा है और उसका देश छोड़कर जाने का भी कोई इरादा नहीं है, वह यहीं रहेंगे।' ईडी के वकील ने कहा कि वह एक अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करेंगे जिसमें यह वह अदालत को बताएंगे कि आखिर किन जगहों पर वाड्रा ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है। उन्होंने इस विषय पर अदालत से कुछ समय मांगा है।

जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं वाड्रा-ईडी

न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन ने ईडी को अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया। मामले में अगली सुनवाई सितंबर में होगी। इससे पहले ईडी ने उच्च न्यायालय से कहा था कि वह वाड्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ करना चाहती है। एजेंसी ने आरोप लगाया था कि मामले में पैसे के लेन-देन की कड़ी सीधे तौर पर उनसे जुड़ी हुई है। उसने यह भी कहा था कि वाड्रा जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

राबर्ट वाड्रा पर क्या आरोप हैं?

प्रियंका गांधी के पति राबर्ट वाड्रा पर लंदन में 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर पर करीब 19 लाख पाउंड (17 करोड़ रुपये से अधिक) की एक संपत्ति की खरीद में मनी लॉन्ड्रिंग करने का आरोप है। इस मामले की जांच धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। वाड्रा के वकील ने ईडी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि उनके मुवक्किल ने जांच में सहयोग किया और जब भी बुलाया गया, वह जांच एजेंसी के सामने पेश हुए।

किन शर्तों पर मिली थी जमानत

राबर्ट वाड्रा को अदालत ने सशर्त याचिका दी थी। जिस पर उनके वकील ने कहा था कि उनके सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने का कोई जोखिम नहीं है क्योंकि एजेंसी ने मामले से संबंधित सभी दस्तावेज पहले ही जब्त कर लिये हैं। निचली अदालत ने वाड्रा को अग्रिम जमानत देते हुए उनको बिना पूर्व-अनुमति के देश से बाहर नहीं जाने और अधिकारी द्वारा बुलाए जाने पर जांच में शामिल होने का निर्देश दिया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 18 अगस्त, 2023 3

सुविचार

जब परमात्मा मेरे पिता, गुरु, मार्ग-दर्शक आदि हैं तो इस दुनिया में मुझे किसका डर है?

सभी क्षेत्र में विकास कर तेलंगाना देश में उदाहरण बना : हरीश राव

मंत्री ने इब्राहिमपट्टणम निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यो की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के वित्त और चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री तन्निरु हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना ने सभी क्षेत्रों में विकास किया है और देश के अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण स्थापित किया है।

गुरुवार को वित्त एवं स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव ने स्थानीय विधायक मंचिरेड्डी किशन रेड्डी के साथ रंगारेड्डी जिले के इब्राहिमपटनम निर्वाचन क्षेत्र में 68.21 करोड़ की लागत से किए गए विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इस अवसर पर अब्दुल्लापुर मेट में 2.5 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित तहसीलदार कार्यालय भवन का उद्घाटन किया। लश्करगुड़ा में 5 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पुल की आधारशिला रखी गई। थोरूर और कम्मागुड़ा गांवों के बीच लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए 8 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मिशन भगीरथ जल टैंक का उद्घाटन किया गया। इंजापुर में 3.15 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया और 16 करोड़ रुपये की लागत से तुर्कयांजल से नादेरगुल तक बनने वाली दोहरी सड़क के कार्य का शिलान्यास किया गया। बाद में बेंगलुरु क्रॉस रोड स्थित कल्लेम जंगारेड्डी समारोह हॉल में आयोजित एक बैठक में मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, तेलंगाना ने हर क्षेत्र में विकास किया है और देश के अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण बन गया है। तेलंगाना राज्य सरकार ने महिलाओं को उच्च प्राथमिकता दी है और कहा है कि मुख्यमंत्री केसीआर गर्भवती महिलाओं को केसीआर पोषण किट प्रदान कर रहे हैं ताकि एनीमिया के बिना पैदा होने वाले उनके बच्चे स्वस्थ रहें। उन्होंने कहा कि महिलाओं को कल्याण लक्ष्मी, शादी मुबारक, आरोग्य लक्ष्मी और गृह लक्ष्मी योजनाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को बिना किसी परेशानी के खेती करने में मदद के लिए राज्य के किसानों के लिए 24 घंटे मुफ्त बिजली, सिंचाई, रैतू बंधु रैतू बीमा जैसी योजनाएं शुरू की जा रही हैं। तेलंगाना राज्य देश के अन्य राज्यों को चावल आपूर्ति करने वाले राज्य के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना कर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। रंगारेड्डी जिला मेडिकल कॉलेज महेश्वरम इब्राहिमपटनम निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष अनीता हरनाथ रेड्डी, जिला कलेक्टर हरीश, इब्राहिमपटनम आरडीओ अनंत रेड्डी, रामोजी फिल्म सिटी एमडी किरण, जिला पुस्तकालय संघ के अध्यक्ष सत्तू वेंकटरमण रेड्डी, जिला ग्रामीण विकास विभाग अधिकारी प्रभाकर, स्थानीय जन प्रतिनिधि और महिला संघों के सदस्य उपस्थित थे।

महिला की पिटाई के आरोप में हेड कांस्टेबल और महिला कांस्टेबल निलंबित

मामले की जांच के बाद राचकोंडा पुलिस ऑयुक्त ने की कड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्त, डीएस चौहान ने बुधवार तड़के पुलिस हिरासत में एक महिला से मारपीट करने के आरोप में एक हेड कांस्टेबल और एक महिला कांस्टेबल को निलंबित कर दिया। एक महिला के रिश्तेदारों द्वारा एलबी नगर पुलिस के खिलाफ आरोप लगाए जाने के बाद चौहान ने जांच के आदेश दिए थे, जिसमें कहा गया था कि महिला वी लक्ष्मी को पुलिस ने उठाया था और पुलिस स्टेशन में उसके साथ मारपीट की थी। हेड कांस्टेबल शिव शंकर और महिला कांस्टेबल सुमनलता के खिलाफ निलंबन आदेश जारी किए गए। मीरपेट की रहने वाली महिला के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि वह दो अन्य महिलाओं के साथ एलबी नगर में अपने रिश्तेदारों से मिलने गई थी।

परिवार ने आरोप लगाया कि मंगलवार रात करीब 11 बजे घर लौटते समय पुलिस ने लक्ष्मी को उठा लिया और थाने ले गई, जहां पुलिसकर्मियों ने उसकी पिटाई की। इस बीच डीसीपी एलबी नगर, बी साई श्री ने कहा कि एलबी नगर पुलिस ने बुधवार तड़के एलबी नगर चौराहे से तीन महिलाओं को उठाया था क्योंकि वे कथित तौर पर अशांति पैदा कर रही थीं। उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया और बाद में उन्हें अदालत में पेश किया गया। चौहान द्वारा जांच के आदेश देने के बाद साई श्री ने महिला से बात की और उसका बयान दर्ज किया। रिपोर्ट के आधार पर, रचाकोंडा पुलिस आयुक्त ने हेड कांस्टेबल और महिला कांस्टेबल को निलंबित करने के आदेश जारी किए।

केसीआर ने सरदार सरवई पपन्ना को याद किया

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने कहा कि लोकप्रिय स्वतंत्रता सेनानी सरदार सरवई पपन्ना गौड़ तेलंगाना के स्वाभिमान और बहादुरी के प्रतीक के रूप में खड़े थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी वर्गों के लोगों की राजनीतिक और सामाजिक समानता के लिए पपन्ना गौड़ का प्रयास इतिहास में दर्ज हो गया है। 18 अगस्त को सरवई पपन्ना की जयंती के अवसर पर, केसीआर ने स्वतंत्रता सेनानी द्वारा निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका को याद करते हुए कहा कि यह उल्लेखनीय है कि पपन्ना गौड़ ने लोकतांत्रिक भावना में जाति और धर्म के बावजूद सभी समुदायों के लिए समान राजनीतिक अवसरों के लिए लड़ाई लड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विश्व भर में लोकप्रियता हासिल करने वाले पपन्ना गौड़ की स्मृति में हर साल आधिकारिक तौर पर जन्म और मृत्यु वर्षगाँठ का आयोजन कर रही है। केसीआर ने कहा कि सरकार सरकार में सभी वर्गों के लिए राजनीतिक अवसर पैदा करके और दलित और बीसी समुदायों के हजारों नेताओं को तैयार करके पपन्ना गौड़ की आकांक्षाओं को पूरा कर रही है।

मैनेज ने 'जय जवान किसान' कार्यक्रम शुरू किया

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद ने महानिदेशालय पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय के सहयोग से भारतीय रक्षा सेवाओं से सेवानिवृत्त सैनिकों के लिए भारत में पहली बार जय जवान किसान कार्यक्रम शुरू किया है। यह कार्यक्रम 14 अगस्त-1 दिसंबर 2023 के दौरान आयोजित 4 महीने की अवधि का कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य सेवानिवृत्त सेना, नौसेना और वायुसेना के अधिकारियों को सफल कृषि उद्यमियों में बदलना है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से सेना, नौसेना और वायुसेना के 40 पूर्व सैनिक भाग ले रहे हैं। मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रशेखर ने सम्मानित अतिथियों के साथ जय जवान किसान कार्यक्रम का उद्घाटन किया। वी. हरि बाबू, एचडीएफसी के उपाध्यक्ष, बालानंद, एसबीआई के उप महाप्रबंधक, श्रीनिवासुलु, एसबीआई के मुख्य प्रबंधक, राजशकर रेड्डी, एचडीएफसी के उपाध्यक्ष डॉ. पी. चंद्रशेखर ने अपने उद्घाटन भाषण में बताया कि हर साल लगभग 60,000 अधिकारी रक्षा सेवाओं से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिनके पास अनुशासन, ऊर्जा, संसाधन और जड़ें गांवों में हैं। जय जवान किसान कार्यक्रम का लक्ष्य सेवानिवृत्त सैनिकों को दो चरणों में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करना है, पहला, प्रशिक्षण मॉड्यूल में कृषि के बारे में मौलिक ज्ञान प्राप्त करना शामिल है, और दूसरा, कृषि-उद्यमिता और कृषि व्यवसाय के सार में महारत हासिल करना और आवश्यक कौशल को निखारना शामिल है। प्रभावी परियोजना रिपोर्ट तैयार करना।

उन्होंने कृषि अवसंरचना कोष, सरकार की मौजूदा योजनाओं और कार्यक्रमों जैसे अवसरों के बारे में भी बताया। प्रशिक्षण के बाद सैनिकों को अपने कृषि-व्यवसाय का विस्तार करने के लिए भारत का। उन्होंने कृषि-पर्यटन, प्रत्यक्ष विपणन, कस्टम हायरिंग सेंटर, सौर खेती, कृषि में ड्रोन के उपयोग, एफपीओ को बढ़ावा देने के साथ-साथ कृषि में अन्य व्यावसायिक अवसरों की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कामना की कि कृषि उद्यमियों के रूप में सेवानिवृत्त सैनिकों की दूसरी पारी उनके लिए एक रोमांचक करियर खोलेगी और किसानों को सेवाएं प्रदान करने में व्यावसायिकता और अनुशासन लाएगी।

वरिष्ठ पत्रकार सीएचवीएम कृष्ण राव का निधन

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ पत्रकार और प्रख्यात राजनीतिक विश्लेषक सीएचवीएम कृष्णा राव का गुरुवार को यहां निधन हो गया। वह 64 वर्ष के थे। कृष्णा राव का 47 साल का उल्लेखनीय करियर पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके अटूट समर्पण का प्रमाण है। उनके परिवार में पत्नी, बेटा और बेटी हैं।

राज्यपाल, सीएम समेत कई हस्तियों ने कृष्णा राव के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौदरराजन ने वरिष्ठ पत्रकार सीएच वी.एम. कृष्णा राव के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने दो तेलुगु राज्यों में तेलुगु और अंग्रेजी पत्रकारिता के क्षेत्र में एक अमिट छाप छोड़ी। राज्यपाल ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। एक शोक संदेश में, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सीएच वीएम कृष्ण राव के निधन पर शोक व्यक्त किया। केसीआर ने चार दशकों से अधिक समय तक ईमानदारी से पत्रकार के रूप में कार्य करने वाले कृष्णा राव के निधन को पत्रकारिता क्षेत्र के लिए एक बड़ी क्षति बताते हुए शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की है। इसी क्रम में आंध्र प्रदेश के आंध्र प्रदेश राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने गुरुवार को हैदराबाद में प्रख्यात पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक सीएचवीएम कृष्ण राव के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने सीएचवीएम कृष्ण राव के निधन पर दुख व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। तेलंगाना सूचना एवं नागरिक संबंध विभाग के विशेष आयुक्त के. अशोक रेड्डी ने सीएचवीएम कृष्ण राव की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। आयुक्त ने कहा कि कृष्णा राव ने नैतिक मूल्यों के साथ राजनीतिक विश्लेषण करने में अपना नाम कमाया है। उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में एक अनुभवी बुद्धिजीवी के निधन पर शोक व्यक्त किया।

जीवनदान के तहत एक दिहाड़ी मजदूर ने 6 अंग दान दिये

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जनगांव के जफरगढ़ निवासी 42 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर गट्टू राजेंदर बाबू के परिवार के सदस्यों ने जीवनदान अंग दान पहल के तहत मृतक के अंगों को दान कर दिया है।

डॉक्टरों की उपस्थित टीम ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया था। सर्जनों ने ब्रेन डेड पीड़ित के छह अंगों को पुनः प्राप्त किया और उन्हें जीवनदान अंग दान दिशानिर्देशों के आधार पर जरूरतमंद रोगियों को आवंटित किया। 11 अगस्त को जफरगढ़ में चक्कर आने के कारण राजेंद्र बाबू अपनी गाड़ी से गिर गये थे। परिवार के सदस्य राजेंद्र बाबू को एक स्थानीय सरकारी अस्पताल ले गए और बाद में उन्हें यशोदा अस्पताल, सोमाजीगुडा में स्थानांतरित कर दिया। अस्पताल के गहन और गंभीर देखभाल विशेषज्ञों ने 4 दिनों तक आईसीयू देखभाल प्रदान की लेकिन राजेंद्र बाबू के स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ। 15 अगस्त को डॉक्टरों ने राजेंद्र बाबू को ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

पांच गांजा तस्कर 44 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गांजा कारोबार में शामिल पांच सदस्यीय गिरोह को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार किया. पुलिस ने 44 किलोग्राम गांजा, दो कारें, आठ मोबाइल फोन और 12 लाख रुपये नकद जब्त किये। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति वानकुडोथ वीरन्ना (33), अजमेरा वीरन्ना (21), सुरनेनी मनोज (20), मेरुगु मधु (39), प्रशांत नाइक (27) और मोहम्मद जहांगीर (40) हैं। तेलंगाना राज्य एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो के निदेशक सीवी आनंद ने कहा कि गिरोह आंध्र प्रदेश से गांजा खरीद रहा था और महाराष्ट्र के भिड जिले में निखिल नामक व्यक्ति को आपूर्ति कर रहा था। हर ऑपरेशन के लिए वीरन्ना एक नया सिम कार्ड इस्तेमाल करता था। उन्होंने गांजा को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए हाई-एंड कारों का इस्तेमाल किया और टोल गेटों पर खुद को एक पुलिस अधिकारी के रूप में पेश किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक प्रशांत नाइक ग्रेहाउंड्स पुलिस में काम करता है।

राज्य में आगामी दिनों के लिए भारी बारिश व तूफान की चेतावनी

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के निवासियों को संभावित भारी बारिश और तूफान के लिए तैयार रहने की सलाह दी जाती है, क्योंकि हैदराबाद मौसम विज्ञान केंद्र ने आगामी दिनों के लिए मौसम की चेतावनी जारी की है।

एक हालिया मौसम विश्लेषण से संकेत मिलता है कि उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी पर परिसंचरण, जो बुधवार को बना रहा, अब उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और उसके आसपास के क्षेत्रों में स्थानांतरित हो गया है।

यह मौसम प्रणाली, जो समुद्र तल से 4.5 और 7.6 किमी के बीच स्थित है, ने ऊपर की ओर उठने वाली गर्त को दक्षिण की ओर झुका दिया है। विशेष रूप से, ऐसे संकेत हैं कि उसी क्षेत्र में अगले 12 घंटों के भीतर कम दबाव का क्षेत्र विकसित हो सकता है, आईएमडी विज्ञप्ति में कहा गया है। इसमें आगे कहा गया है कि गुरुवार को निचले स्तर की हवाएं वर्तमान में पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशाओं से तेलंगाना राज्य की ओर चल रही हैं। यह पैटर्न नमी से भरी हवा के संभावित परिवहन का सुझाव देता है, जो अक्सर बढ़ती वर्षा में योगदान देता है। हैदराबाद मौसम विज्ञान केंद्र का अनुमान है कि राज्य में अगले तीन दिनों तक कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

मौसम की चेतावनी :

शुक्रवार को पूरे राज्य में भारी बारिश होने का अनुमान है, विशेष रूप से शनिवार को और क्षेत्र के कई अन्य जिलों में भारी वर्षा होने की संभावना है। भारी बारिश होने वाले जिलों में आदिलाबाद, कुमुराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, महबुबाबाद, वारंगल, हनमाकोंडा और कामारेड्डी शामिल हैं।

तकनीकी खराबी के कारण विशाखपट्टणम सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस रवाना नहीं हुई

दमरे ने यात्रियों को समायोजित करने के लिए त्वरित कार्रवाई की

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस में तकनीकी खराबी के कारण एक असाधारण स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसके कारण परिचालन संबंधी आवश्यकताएं पैदा हुईं और नियमित ट्रेन सेवा चलाने में असमर्थता हुई।

दक्षिण मध्य रेलवे तुरंत हरकत में आया और 17 अगस्त को अल्प समय अवधि के भीतर वंदे भारत रेक को पारंपरिक रेक से बदलने के लिए त्वरित कदम उठाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रेल यात्रियों की यात्रा की मांग पूरी हो। रेलवे प्रशासन द्वारा वंदे भारत एक्सप्रेस द्वारा अपना आरक्षण कराने वाले सभी यात्रियों को समायोजित करने के लिए पारंपरिक एसी कोचों के साथ निर्धारित ट्रेन सेवा चलाने का निर्णय लिया गया था। जिन यात्रियों ने ट्रेन नं. 20834 (सिकंदराबाद से विशाखापत्तनम) वंदे भारत एक्सप्रेस को टेक्स्ट संदेशों के माध्यम से ट्रेन के स्वरूप में बदलाव के बारे में तुरंत सूचित किया गया। इन यात्रियों को या तो सामान्य किराए के साथ विशेष ट्रेन में चढ़ने (जिससे किराए में अंतर का रिफंड मिलता है) या अपने टिकट रद्द करने (जिससे 100 फीसदी रिफंड मिलता है) का विकल्प दिया गया था। लगभग सभी यात्रियों ने स्पेशल ट्रेन से यात्रा करने का विकल्प चुना, केवल 24 यात्रियों ने अपने टिकट रद्द करने का विकल्प चुना। एसी स्पेशल ट्रेन वंदे भारत ट्रेन के नियमित निर्धारित समय पर दोपहर तीन बजे शुरू हुई, जिसमें वंदे भारत एक्सप्रेस के समान स्टॉपेज थे। यात्रियों की सुविधा के लिए रुकने वाले स्टेशनों पर विशेष हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई।

यात्रियों की जानकारी के लिए नियमित घोषणाएं की गईं। यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए स्टेशनों पर अतिरिक्त कर्मचारी तैनात किए गए। ट्रेन में यात्रियों की सहायता के लिए अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ के साथ-साथ सुरक्षा स्टाफ भी तैनात किया गया था। सभी यात्रियों को वंदे भारत ट्रेन सेवाओं के समान खानपान व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। यात्रियों की आवश्यकताओं का ध्यान रखने के लिए पर्याप्त खानपान कर्मियों को तैनात किया गया था। इसके अलावा, विशेष ट्रेन में समग्र व्यवस्था की निगरानी के लिए एक अधिकारी को तैनात किया गया था।

अधिक मास पर उत्तर भारती नागरिक संघ के अध्यक्ष एनके सिंह उवं परिवार द्वारा डॉन बॉस्को प्रेम सेवा सेडान, हयातनगर में अनाथ बच्चों को रात्रि भोज की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर एनके सिंह, नंद किशोर सिंह, अमरजीत सिंह, पवन, निखिल, शानवाज़ और अन्य उपस्थित रहे।

डॉ. मधुशेखर बद्दम आईआईपीएचएफडब्लू अध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने गुरुवार को डॉ मधुशेखर बद्दाम को भारतीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (आईआईपीएचएफडब्लू) की गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने के आदेश जारी किए। सचिव स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण एसएएम रिजवी द्वारा जारी शासनादेश में कहा गया है कि नवनियुक्त अध्यक्ष का कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए होगा। नियुक्ति के बाद, डॉ मधुशेखर ने सड़क और भवन (आर एंड बी) मंत्री, वेमुला प्रशांत रेड्डी से मुलाकात की। मंत्री ने डॉ. मधुशेखर को बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

आईआईपीएचडब्लू की गवर्निंग काउंसिल में उपाध्यक्ष के एक पद और नौ सदस्यों सहित 10 और सदस्य होते हैं। उपाध्यक्ष के पद पर सचिव, स्वास्थ्य, तेलंगाना, एसएएम रिज़वी होंगे। 1992 में स्थापित, आईआईपीएचडब्ल्यू डॉक्टरों, स्टाफ नर्सों, एएनएम और अन्य सहित स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए एक शीर्ष प्रशिक्षण संस्थान है। अनुसंधान संस्थान तेलंगाना में चिकित्सा के क्षेत्र में विभिन्न अध्ययन करने में भी सक्रिय रूप से शामिल है।

सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ

भवानी कॉलोनी स्थित श्री उमा राम लिंगेश्वर स्वामी मंदिर प्रति मंगलवार व शनिवार को सामूहिक श्री हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया जाता है। 8 इस कार्यक्रम की अधिक जानकारी के लिए कार्यक्रम आयोजक श्रीधर रेड्डी जी से संपर्क करें कार्यक्रम समय सायं 7:00 से 8:00 तक करे। श्री साई बाबा मंदिर भवानी कॉलोनी प्रेमवती राजेंद्रनगर, हैदराबाद

मुख्य अतिथि

गोपाल-मंजू बल्दवा

कार्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें गणेश जोशी (8465902900)

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाइल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

युवती की अश्लील तस्वीरें वायरल, भोजपुरी सिंगर निशा पांडे के खिलाफ एफआईआर दर्ज

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)। 'यूपी में अखिलेश जी का झंडा जब लहराएगा' जैसे दर्जनों भोजपुरी गाना गाने वाली सिंगर निशा पांडे के खिलाफ युवती की अश्लील फोटो वायरल करने का आरोप लगा है। सुशांत गोल्फ सिटी थाने में एक युवती ने मुकदमा लिखवाया है कि, भोजपुरी सिंगर निशा पांडे अपने कुछ साथियों की मदद से उन्हें बदनाम करने के लिए उनकी अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर रही हैं। पुलिस के मुताबिक, एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इस मामले करवाई है। इसके मुताबिक, पीड़िता अपने परिवार के साथ रहती है। बीते कुछ माह से भोजपुरी गायिका निशा पांडे अपने साथियों अनुराग सिंह, रीना द्विवेदी के साथ मिल कर सोशल मीडिया से उनकी कुछ तस्वीरें लीं। फिर उन्हें एडिट कर अश्लील बना दिया। इसके बाद यह तस्वीरें उनके परिजनों के पास भेज रहे हैं। इतना ही नहीं इन अश्लील तस्वीरों को सोशल मीडिया पर भी पोस्ट कर दिया गया।

भतीजे आकाश का बढ़ाया कद और अलग रणनीति

क्या है मायावती की नई राजनीति

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी की 4 बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती को सड़क पर संघर्ष करने वाली नेता के तौर पर नहीं जाना जाता। उनका एक काडर है और ठोस वोट बैंक भी रहा है। इसके अलावा सामाजिक समीकरणों को साधते हुए वह सत्ता की राह तय करती रही हैं। रैलियां, पद यात्रा या धरना प्रदर्शन जैसे आयोजन बसपा मुश्किल ही करती है, लेकिन अब रणनीति कुछ बदली दिख रही है। मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद का एक और प्रमोशन करते हुए उन्हें चुनावी राज्यों की कमान सौंप दी है। इसके अलावा 14 दिनों की यात्रा भी उनके नेतृत्व में निकालने का फैसला लिया है। 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय संकल्प यात्रा' 14 दिनों तक राजस्थान में निकाली जाएगी। राजस्थान के विधानसभा चुनाव के लिहाज से यह अहम है। 2018 में बसपा के आधा दर्जन विधायक राज्य में जीते थे, लेकिन उन्हें कांग्रेस ने तोड़ लिया था। इस पर मायावती ने नाराजगी जाहिर की थी। अब पदयात्रा और आकाश आनंद के बढ़े हुए कद से साफ है कि मायावती की रणनीति थोड़ी बदली है। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए भी यह संकेत है कि बसपा अब पहले से अलग तरीके से मैदान में उतरेगी। आकाश आनंद को मायावती के राजनीतिक वारिस के तौर पर भी देखा जाता है। वह बीते एक साल से राजस्थान के मामलों को देख रहे हैं। उन्होंने आंबेडकर की जयंती पर भी 13 किलोमीटर लंबी एक पदयात्रा अलवर जिले में निकाली थी।

100 विधानसभाओं में जाने की है तैयारी

फिलहाल बसपा के राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर काम कर रहे आकाश आनंद अगले कुछ सप्ताह में राजस्थान में 100 विधानसभाओं में जाएंगे। 3000 किलोमीटर तक की यात्राएं करेंगे। इनमें वे 6 सीटें भी शामिल होंगी, जहां से 2018 में पार्टी को जीत मिली थी। इसके अलावा 9 सीटों पर बसपा दूसरे नंबर पर रही थी। 14 दिनों तक चलने वाली यात्रा की शुरुआत धोलपुर से होगी और जयपुर में इसका समापन होगा। कुल 33 जिलों से यह यात्रा गुजरेगी। आकाश के बढ़े हुए रोल को इससे समझा जा सकता है कि 9 अगस्त को वह भोपाल भी गए थे।

राज्यों की यूनिट्स और मायावती के बीच लिंक बने आकाश

बसपा की स्टेट यूनिट्स और मायावती के बीच आकाश आनंद एक लिंक के तौर पर काम कर रहे हैं। पार्टी के एक नेता ने कहा, 'बहनजी संगठन के मामलों को देखती हैं। वह दिल्ली और लखनऊ से रणनीति तय करती हैं। चुनावों के दौरान वह यात्रा भी करती हैं। उसेस पहले आकाश कैंपेन को लीड करेंगे और चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। उनके नेतृत्व में पार्टी सड़कों पर भी उतर रही है।' बता दें कि बसपा आखिरी बार 2016 में सड़कों पर उतरी थी, जब दयाशंकर सिंह ने मायावती को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी।

जनता की शिकायतों के प्रति

संवेदनशील रहें अधिकारी, हो त्वरित निस्तारणः मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया है। एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई। बृहस्पतिवार को अपने राजकीय आवास पर 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आम जन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। एक सरकारी बयान के मुताबिक, 'जनता दर्शन' में राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 220 लोगों की उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने सबको आश्वस्त किया कि सबकी समस्या का निस्तारण कराना उनकी प्रतिबद्धता है। उन्होंने सभी लोगों के प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हिदायत भी दी कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।

किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा न जाए। उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष 'जनता दर्शन' में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी खर्च की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

बिहार : कांग्रेस एमएलए प्रतिमा दास का बड़ा बयान बोलीं

भक्त चरण दास फर्जी दलित, वह दलितों की हत्या करना चाहते हैं

पटना, 17 अगस्त (एजेंसियां)। इस वक्त बिहार के राजनीतिक गलियारे से बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल कांग्रेस विधायक प्रतिमा दास ने अपनी ही पार्टी कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए बड़ा बयान दिया है। प्रतिमा दास ने कहा है कि कांग्रेस बिहार प्रभारी भक्त चरण दास पिछड़ों के साथ भेदभाव करते हैं। प्रतिमा दास ने भक्त चरण दास को फर्जी दलित बताते हुए उनपर गंभीर आरोप लगा है। कांग्रेस विधायक प्रतिमा दास ने कहा कि जो लोग भक्त चरण दास को खाना बनाकर खिलाते है और आगे पीछे करते हैं, वह उन्हीं को पार्टी की गतिविधि और जानकारी देते हैं। इस बात को हम आला कमान तक रखेंगे। आलाकमान से हमारी अपील होगी की वो दोनों को बुलाकर दोनों का पक्ष सुने और जो गलत है, उसके विरुद्ध कारवाई करें। कांग्रेस विधायक ने कहा कि भक्त चरण दास दलितों की हत्या करना चाहते है। दरअसल विधायकों की बैठक में नहीं बुलाए जाने पर प्रतिमा दास का दर्द छलका है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को मिली जमानत

पीएम मोदी के दिवंगत पिता के लिए की थी टिप्पणी

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)। संवाददाता सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोपी कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को जमानत मिल गई है। सीजेएम ह्रषीकेश पांडेय ने आरोपी को 25-25 हजार की दो जमानतों और एक मुचलका दाखिल करने पर रिहा करने का आदेश दिया। इससे पहले वकील सुधांशु शेखर त्रिपाठी और प्रवीण कुमार यादव ने पवन खेड़ा की आत्मसमर्पण की अर्जी दी। कोर्ट ने आरोपी को हिरासत में लेने का आदेश दिया। जमानत अर्जी देकर बताया गया कि आरोपी निर्दोष है और मामले में झूठा फंसाया गया है। वहीं, आरोपी ने आश्वासन भी दिया कि जमानत का दुरुपयोग नहीं करेगा। इस पर कोर्ट ने रिहा करने का फरमान सुनाया। मालूम हो कि भाजपा के महानगर अध्यक्ष और एमएलसी मुकेश शर्मा ने हजरतगंज थाने में 20 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि दिल्ली में पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें पीएम मोदी पर व्यंग्य करते हुए उनके नाम में दामोदर दास की जगह गौतम लगाकर उनके दिवंगत पिता को अपमानित किया। आरोपी ने मजाक उड़ाते हुए कहा कि भले ही नाम में दामोदर दास है, लेकिन कार्य गौतमदास के समान है। आगे आरोप लगाया गया कि प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता को गौतम अदाणी से जोड़कर उपहास उड़ाया और जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाया। पुलिस ने विवेचना के बाद आठ अप्रैल को चार्जशीट लगा दी थी।

दारोगा के हत्यारे कब होंगे गिरफ्तार? 48 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ हैं खाली

समस्तीपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर जिला के उजियारपुर थाना क्षेत्र के शहबाजपुर गांव में सोमवार की रात मवेशी चोरों के द्वारा मोहनपुर ओपी थानाध्यक्ष नंद किशोर यादव के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 36 घंटे बीत जाने के बावजूद पुलिस अभी जांच पड़ताल में ही जुटी हुई है। बुधवार को एसपी विनय तिवारी ने दल-बल के साथ शहबाजपुर गांव पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। एसपी ने दस दिनों के अंदर घटना में शामिल हत्यारों की गिरफ्तारी का दावा भी किया।

'सैफई नहीं पहुंचा दिया तो असली मां-बाप की औलाद नहीं

ओपी राजभर का अखिलेश यादव पर बड़ा बयान

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 5 सितंबर को मऊ जिले के घोसी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए वोटिंग होगी। जिसे लेकर उत्तर प्रदेश में सपा और बीजेपी के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है। ऐसे में हाल ही में समाजवादी पार्टी से गठबंधन तोड़कर फिर से एनडीए में शामिल हुए सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर लगातार सपा पर निशाना साधते नजर आ रहे हैं। अब उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव को लेकर बड़ा दावा कर दिया है। सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर जहां यूपी मंत्रीमंडल में अपनी जगह बनाने के लिए एक बार फिर से एनडीए में शामिल हुए हैं। वहीं उन्हें मंत्री पद देने से पहले बीजेपी ने घोसी उपचुनाव में उनका टेस्ट ले रही है। ऐसे में घोसी उपचुनाव में बीजेपी प्रत्याशी दारा सिंह चौहान की जीत पक्की करने के लिए ओपी राजभर अपनी ताकत झोंकते नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में वह एक जनसभा को संबोधित करते हुए बड़ा दावा करते नजर आए।

अखिलेश को लेकर बड़ा दावा

समाजवादी पार्टी पर हमला करते हुए ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सपा के नेता उनके बीजेपी में शामिल होने से इस वक्त काफी परेशान हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि 'जिस तरह से सपा ने धोखा दिया है, उसका ब्याज सहित वह उन्हें लौटाकर अगर सैफई नहीं पहुंचाया तो अपने असली मां-बाप का बेटा नहीं।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सपा को घमंड था कि ओपी राजभर को खत्म कर देंगे, लेकिन अब खत्म होने की बारी सपा की है।

पक्ष में बैठने का जुगाड़ करे सपा

राजभर ने सपा पर हमला करते हुए बोला कि अब सिर्फ इनके पास विपक्ष में बैठने का जुगाड़ बनाने के लिए कोई काम नहीं बचा है। वहीं इन्हें चुनाव जीतने का ख्वाब छोड़ देना चाहिए। ओम प्रकाश राजभर ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'यह चुनाव ओम प्रकाश राजभर की साख का चुनाव है। इस चुनाव को दारा सिंह चौहान नहीं ओम प्रकाश राजभर लड़ रहा है।'

सड़क किनारे बैठकर कुत्ते का मांस खा रहा था शख्स, करतूत देख भीड़ भी रह गई सन्न

बरेली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली से एक ऐसा मामला सामने आया है जो आपको हैरान कर देगा। दिमाग को हिला देगा। यहां एक शख्स सड़क किनारे बैठकर कुत्ते का मांस खा रहा था। उसकी इस करतूत को देखकर भीड़ भी सन्न रह गई। कोई वीडियो तो कोई फ़ोटो लेने लगा। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को हिरासत में ले लिया। फिलहाल पुलिस ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने उसे मानसिक बीमार बताकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया गया है कि उसे मानसिक अस्पताल भेजा जाएगा। किला थाना क्षेत्र में दूल्हे खां मजार के पास गुजर रहे कुछ लोगों ने सड़क किनारे एक व्यक्ति को मरे कुत्ते का मांस खाते हुए देखा। इसकी जानकारी होने पर थोड़ी ही देर में मौके पर काफी भीड़ लग गई। कोई वीडियो तो कोई फ़ोटो लेने में लग गया।

बक्सर की बेटी ने प्रदेश का नाम किया रोशन

चंद्रयान-3 के सफलता के बाद इसरो ने किया सम्मानित

बक्सर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के बक्सर जिला की बेटी प्रगति ओझा को इसरो द्वारा प्रथम अभिभाषण पर सम्मानित किया गया है। प्रगति सीनियर हिंदी ट्रांसलेटर के पद पर गुजरात के अहमदाबाद में नियुक्त है और चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण पर अपना अभिभाषण दिया था। जिसको लेकर यह सम्मान मिला है। प्रगति की इस उपलब्धि पर परिवार में जहां हर्ष का माहौल है तो वहीं, जिले के लोग सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर लगातार बधाइयां दे रहे है। प्रगति मूल रूप से बक्सर जिला के डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र के ओझा बरांव गांव निवासी किसान ओमप्रकाश ओझा और ममता ओझा की पुत्री है। प्रगति दो भाई और एक बहन है। प्रगति के बड़े भाई शिक्षक पंकज ओझा ने बताया कि उन्हें अपनी बहन पर गर्व है। जिसने खुद की काबिलियत पर चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण पर शुद्ध उच्चारण के साथ अभिभाषण दिया है। जिसके लिए उसे इसरो द्वारा सम्मानित किया गया है। पंकज ओझा ने बताया कि प्रगति की उपलब्धि पर घर में खुशी का माहौल है और मोहल्ले में मिठाई भी बांटी गई है। उन्होंने बताया कि प्रगति की प्रारंभिक शिक्षा पैतृक गांव के बाद बक्सर से पूरी हुई है। प्रगति ने मैट्रिक तक की पढ़ाई बिहार पब्लिक स्कूल सीबीएसई बोर्ड से की है। इसके बाद इंटरमीडिएट एमवी कॉलेज से की है। वहीं, स्नातक काशी हिंदू विश्वविद्यालय से की है। स्नातक के बाद बनारस में हीं रहकर उसने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू की। इस बीच प्रथम प्रयास में ही एसएससी(स्टॉफ सेलेक्शन कमीशन) की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सीनियर हिंदी ट्रांसलेटर के पद पर चयनित हुई। वहां इसके बाद उसने जब बतौर भाषा अनुवाद अधिकारी योगदान दिया तो भाषा कौशल और काबिलियत के दम पर चंद्रयान-3 के लांचिंग के दौरान अभिभाषण के ऑडिशन में चयनित हुई।

इसरो से मिले सम्मान से प्रगति का बढ़ा हौसला

प्रगति ने बताया कि तैयारी के दौरान वह प्रतिदिन 5 घंटे तक सेल्फ स्टडी किया करती थी। इसके अलावा अभी भी जॉब करते हुए सिविल सर्विसेज की तैयारियों में जुटी हुई है। प्रगति का सपना है कि वह प्रशासनिक अधिकारी बन कर समाज की सेवा करें। इसरो द्वारा मिलने वाले सम्मान पर प्रगति ने खुशी जाहिर करते हुए इसका श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दी।

वहीं, अपने सन्देश में प्रगति ने कहा कि बेटियों को भी सामाजिक भागीदारी समझकर उसे निभाने की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता है। मनुष्य को सही दिशा में निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। प्रगति ने बताया कि इसरो में दिए अभिभाषण की सफलता पर हौसला बढ़ा है। ऐसे में वह अगली बार 26 जनवरी को राजधानी दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय कार्यक्रम में अभिभाषण प्रस्तुति के लिए तैयारियों में लग गई है।

बिहार में बीजेपी विधायक की आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल, रश्मि वर्मा बोलीं- बदनाम करने की साजिश

बेतिया, 17 अगस्त (एजेंसियां)। नरकटियागंज से बीजेपी की विधायक रश्मि वर्मा की कुछ आपत्तिनजक तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। बीते बुधवार (16 अगस्त) को तस्वीर वायरल होने का मामला सामने आया है। फोटो वायरल होने के बाद जिले में अलग-अलग तरह की चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि महिला विधायक के साथ जो शख्स दिख रहा है वो रश्मि वर्मा के साथ में ही रहता है।

वायरल तस्वीरों पर रश्मि वर्मा ने जनता से की अपील

फोटो वायरल होने के बाद जब विधायक रश्मि वर्मा को पता चला तो उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से कहा कि यह फोटो एडिट किया गया है। उन्हें बदनाम करने की साजिश है। यह फोटो पूरी तरह एडिट की गई है। बीजेपी विधायक रश्मि वर्मा ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भ्रामक एवं झूठी फोटो एडिट कर सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें ब्लैकमेल कर और उनके चरित्र पर लांछन लगाकर बदनाम करने की एक साजिश चल रही है। विधायक के साथ तस्वीर में दिख रहे शख्स का नाम संजय सारंगपुरी है। कहा जा रहा कि यह रश्मि वर्मा के साथ काम करता है। वहीं महिला विधायक ने कहा कि जिसके साथ तस्वीर एडिट की गई है उसमें दिखने वाला शख्स दो साल पहले तक उनके साथ काम करता था। अब वह उनके साथ काम नहीं कर रहा है। उससे उनका विवाद चल रहा है। उससे कोई लेना देना नहीं है।

एफआईआर और मानहानि का केस करेंगी विधायक

विधायक रश्मि वर्मा ने कहा कि आप सभी इस प्रकार की फोटो पर ध्यान नहीं दें। अपने मोबाइल से इस फोटो को डिलीट करें। जो भी लोग इस प्रकार की फोटो वायरल कर रहे हैं मुझे सूचित करें। जिन लोग ने इस तरह की तस्वीर वायरल की है उनके खिलाफ एफआईआर और मानहानि का केस करने जा रही हूं। विधायक रश्मि वर्मा ने कहा कि उनके साथ सोशल मीडिया के सहारे इस प्रकार का दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है ताकि आम जनता में उनके प्रति नफरत का बीज बोया जा सके और इसका फायदा आने वाले चुनाव में उनके विरोधियों को मिल सके। कहा कि जनता जनार्दन मेरे भगवान हैं। मैं जनता के सहारे हूं।

'भारत में पाक श्रीलंका से बदतर हाल

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बेरोजगारी पर केंद्र को घेरा

पटना, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा की नीतियों पर कांग्रेस के हमले लगातार जारी हैं। बुधवार को बिहार कांग्रेस अध्यक्ष डॉ। अखिलेश प्रसाद सिंह ने भाजपा पर आक्रामक तेवर दिखाते हुए कहा कि पीएम मोदी के शासनकाल में भारत की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। डॉ। सिंह बुधवार को सदाकत आश्रम में युवा कांग्रेस के मेरा पहला वोट फॉर इंडिया अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर उपस्थित नेताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बेरोजगारी के मसले पर हम पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका से भी पीछे हो गए हैं। वर्ल्ड स्टैटिक्स के आंकड़ों का हवाला देकर डॉ। अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि भारत की बेरोजगारी दर 7.8 प्रतिशत है। जबकि पाकिस्तान की 6.5 और बांग्लादेश की 4.7 प्रतिशत है। श्रीलंका की भी बेरोजगारी दर 4.8 फीसदी है। उन्होंने युवा कांग्रेस का आह्वान करते हुए कहा कांग्रेस की नीतियों को युवाओं के बीच में प्रचारित करें और मोदी शासन की खामियां भी गिनाएं। इससे पहले मेरा पहला वोट फॉर इंडिया अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान का नेतृत्व युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब कर रहे हैं। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अलावरू के साथ ही गरीब दास और डॉ। अखिलेश प्रसाद ने अभियान के लिए तैयार किए गए रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कृष्णा अलावरू ने हर बूथ पर पांच युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता को निगरानी सौंपी साथ ही यूथ जोड़ो बूथ जोड़ो कार्यक्रम की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के बिहार प्रभारी बरिन्दर सिंह ढिल्लो, गुंजन पटेल, कुमार रोहित, अबु तनवीर, मंजीत आनन्द साहू, आशुतोष त्रिपाठी, पूनम यादव, अमित कुमार के अलावा दूसरे वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी उपस्थित रहे।

यूपी: तिरंगे जैसे कपड़े पर कराया अतिथियों को नाश्ता, तस्वीरें वायरल, 4 के खिलाफ केस दर्ज

प्रयागराज, 17 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के प्रयागराज से हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में टेबल पर तिरंगे जैसा कपड़ा बिछा हुआ है। कपड़े पर ढेर सारा नाश्ता रखा हुआ है। टेबल के चारों और कई लोग बैठे हुए हैं और तस्वीरें रहे हैं। फोटो प्रयागराज के सरकारी स्कूल का है और तस्वीर स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त की है। मामला सामने आने के बाद पुलिस थाने में चार लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। दरअसल, मामला 15 अगस्त का है। प्रयागराज के होलागढ़ में सरकारी स्कूल मौजूद है। यहां पर 15 अगस्त के मौके पर कार्यक्रम के बाद स्कूल में मौजूद लोगों के लिए नाश्ता की व्यवस्था की गई थी। नाश्ता कराने के लिए टेबल लगाई थी। टेबल पर कपड़ा बिछाने के बाद उस पर नाश्ते की कई सारी प्लेट सजाई गई थीं, जिसमें मिठाई, फल, नमकीन और पानी को बोतल थीं। मगर, टेबल पर बिछा हुआ कपड़ा तिरंगा रंग का था। उसी पर सारा नाश्ता रखा हुआ था। स्कूल में मौजूद लोगों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी। तिरंगा जैसे कपड़े पर रखे नाश्ते के देखकर लोग भड़क गए। इसके बाद होलागढ़ के दहियावा व्यापार मंडल ने इस मामले में पुलिस को सूचना दी। साथ ही चार लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट भी दर्ज करा दी। दहियावा व्यापार मंडल के लोगों ने लिखित शिकायती आवेदन देकर आरोप लगाया है कि देश के तिरंगे का अपनान किया गया है। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मामले पर थाना प्रभारी संदीप यादव का कहना है कि मामला होलागढ़ के सरकारी स्कूल का है। ध्वजारोहण के बाद नाश्ता जिस कपड़े पर रखा गया था वह तिरंगे जैसा है।

केस दर्ज, जांच जारी - पुलिस

शिकायत पर चार लोग कुलदीप केसरवानी, संजय केसरवानी, नन्हे, तयाब और अज्ञात के खिलाफ राष्ट्रीय सम्मान का रोकथाम अधिनियम की धारा 2 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मप्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बीजेपी उम्मीदवारों पर मंथन

भोपाल, 17 अगस्त (एजेंसियां)। अपने उम्मीदवारों का ऐलान जल्द कर सकती है. दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में तकरीबन 3 दर्जन से ज्यादा उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगी है. सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली में बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में बी और सी कैटेगरी की सीटों पर विस्तृत चर्चा हुई, ऐसी तकरीबन से 40 से ज्यादा सीटों पर उम्मीदवारों के पैनल पर भी चर्चा की गई, ये वो सीटें हैं जिन्हें बीजेपी या तो पिछले चुनावों में हार गई थी या फिर कभी जीती ही नहीं है.

पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई. इस बैठक में मध्य प्रदेश की उन सीटों पर चर्चा की गई, जिन्हें बीजेपी 2018 के विधानसभा चुनाव में भारी अंतर से हार गई थी या फिर जिन सीटों को बीजेपी कभी जीत ही नहीं पाई है. सूत्रों की मानें तो आदिवासी बहुल झाबुआ और धार जिले की तीन सीटों पर उम्मीदवारों के नाम लगभग तय कर लिए गए हैं. इसके अलावा तकरीबन 40 ऐसी सीटों पर बीजेपी ने उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगा दी है, जो बी या सी कैटेगरी में आती है.

इन सीटों को रखा गया होल्ड पर

केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक से पहले मध्य प्रदेश के कोर ग्रुप की नेताओं के साथ एक बैठक गृह मंत्री अमित शाह के साथ भी हुई, इस बैठक में ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ बीजेपी में आए विधायकों वाली सीटों को फिलहाल चर्चा में शामिल नहीं किया गया. ज्योतिरादित्य सिंधिया के आग्रह पर ऐसी सीटों को फिलहाल होल्ड कर दिया गया है. इन पर चर्चा बाद में की जाएगी. तीन साल पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस से बगावत करके अपने 18 विधायकों के साथ बीजेपी का रुख कर लिया था.

चुनाव के एलान से पहले ही तैयारियों में जुटी बीजेपी

बीजेपी के चुनावी इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब चुनावों के एलान के पहले बीजेपी उम्मीदवारों के चयन में जुट गई है. साल 2018 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी को मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था. माना जा रहा है कि इसी के चलते बीजेपी इस बार चुनावों की तारीखों का एलान होने से पहले ही चुनावी तैयारियों और उम्मीदवारों की चयन में जुट गई.

एकतरफा प्यार में आशिक बना हैवान, मां के सामने ही कर दी 12 साल की बच्ची की हत्या 10 बार चाकू से गोदा

मुंबई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के कल्याण इलाके में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक तरफा प्यार में सनकी आशिक ने 12 साल की एक बच्ची की चाकूओं से गोद कर हत्या कर दी। आप जानकर सन्न रह जाएंगे कि हत्यारे ने बच्ची को उसकी मां के सामने ही मौत के घात उतार दिया। पुलिस ने हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक हत्यारे की उम्र 20 साल बतायी जा रही है। वो बार-बार 12 साल की लड़की को प्रपोज कर रहा था। लड़की हर बार उसके प्रपोजल को मना कर दे रही थी। बार-बार के रिजेक्शन से आरोपी आपा खो बैठा और बुधवार को लड़की के घर पहुंच गया। उसने उसकी मां के सामने ही चाकू मारकर लड़की की हत्या कर दी।

नेहरू मेमोरियल का नाम बदलने पर राहुल गांधी बोले

'उनकी पहचान उनके कर्म हैं, नाम नहीं'

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नेहरू मेमोरियल म्यूजियम का नाम बदलने पर प्रतिक्रिया दी है। गुरुवार को उन्होंने कहा कि नेहरू की जी पहचान उनके कर्म हैं, उनका नाम नहीं। राहुल गांधी का बयान उनके लद्दाख के दौरे पर रवाना होने से पहले आया है। स्वतंत्रतता दिवस के मौके पर नई दिल्ली के तीन मूर्ति परिसर स्थित नेहरू मेमोरियल म्यूजियम का नाम बदलकर पीएम म्यूजियम एंड लाइब्रेरी (पीएमएमएल) कर दिया गया था। इस बारे में 15 जून 2023 को राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में फैसला लिया गया था, जिसे स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या (14 अगस्त) पर औपचारिक रूप दिया गया।

लद्दाख दौरे पर रवाना हुए राहुल गांधी

राहुल गांधी दो दिनों के लद्दाख दौरे के लिए निकल चुके हैं। वे दोपहर एक बजे लेह पहुंचेंगे। केंद्र शासित बनने के बाद राहुल गांधी पहली बार लद्दाख के दौरे में राहुल गांधी लेह और कारगिल जाएंगे। इस दौरान वे पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। सूत्रों के मुताबिक राजनीतिक कार्यक्रमों के अलावा राहुल लद्दाख में बाइक ट्रिप भी करेंगे। राहुल की गैर मौजूदगी के कारण ही लोकसभा चुनाव तैयारी के सिलसिले में आज होने वाली बिहार प्रदेश कांग्रेस की बैठक टाल दी गई।

कारगिल हिल काउंसिल को लेकर गहमागहमी

राहुल गांधी अपने दौरे में कारगिल भी जाएंगे, जहां अगले महीने हिल काउंसिल के चुनाव होने हैं। इस वजह से राहुल की यात्रा को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वे वहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे। कारगिल हिल काउंसिल के चुनाव के लिए कांग्रेस ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन किया है।

संसद में कहा था- जल्द आऊंगा लद्दाख

अविश्वास प्रस्ताव पर जब राहुल गांधी संसद में बोल रहे थे। तब उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा की बात करते हुए कश्मीर तक की यात्रा का ज़िक्र किया था तो लद्दाख के सांसद ने लद्दाख न आने की बात कही थी जिस पर राहुल गांधी ने जवाब दिया था कि जल्द ही वहां भी आऊंगा।

कोर्ट ने रोड एक्सीडेंट में महिला के 'अजन्मे बच्चे की मौत' के लिए

पांच लाख मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है, जिसकी 27 वर्षीय गर्भवती पत्नी की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। कोर्ट ने कहा कि व्यक्ति, महिला के गर्भ में पल रहे भ्रूण के खोने के लिए भी मुआवजे का हकदार है। हादसे के समय, महिला के गर्भ में पल रहा भ्रूण 8 महीने का था। महिला उत्तर प्रदेश में पुलिस कांस्टेबल थी।

2013 में हुआ था एक्सीडेंट

जस्टिस नवीन चावला ने कहा कि भ्रूण एक महिला के अंदर एक और जीवन होता है और इसे गंवाना असल में जन्म लेने वाली संतान को खो देना है और मृतका के पति ने हादसे में अपने पूरे परिवार को खो दिया। जुलाई 2013 में, एक तेज रफ्तार ट्रक ने महिला की मोटरसाइकिल में टक्कर मारी थी। महिला मोटरसाइकिल की पिछली सीट पर बैठी हुई थी और उसकी सहकर्मी यह दोपहिया वाहन चला रही थी।

कोर्ट ने मुआवजे की राशि बढ़ाई

कोर्ट ने कहा कि पति उचित मुआवजे के हकदार हैं। कोर्ट ने कहा कि आठ माह के अजन्मे बच्चे की मौत के लिए 2.5 लाख रुपये मुआवजा देने का मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण का फैसला पर्याप्त नहीं है। न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि बीमाकर्ता द्वारा मुआवजे की बढ़ाई गई राशि पांच लाख रुपये अदा की जाए।

भारतीय वायु सेना चिकित्सा सहायक ट्रेडों के लिए भर्ती रैली करेगी आयोजित

कई राज्यों से शामिल होंगे उम्मीदवार

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना योग्य और इच्छुक पुरुष उम्मीदवारों के लिए 12 से 19 सितंबर तक मेडिकल असिस्टेंट ट्रेड (जनरल और फार्मासिस्ट) के लिए एयरमैन भर्ती रैली आयोजित करेगी। उम्मीदवार असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और झारखंड से होंगे। 12 और 15 सितंबर से शुरू होने वाले पहले दो चक्र, 26 दिसंबर 2002 और 26 दिसंबर 2006 के बीच पैदा हुए लड़कों के लिए होंगे, जिनके पास जीव विज्ञान में 10+2 में न्यूनतम 50 प्रतिशत और अंग्रेजी में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक होंगे।

18 सितंबर से शुरू होने वाली रैली का अंतिम चक्र 26 दिसंबर 1999 और 26 दिसंबर 2004 के बीच पैदा हुए और किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से फार्मेसी में डिप्लोमा या डिग्री की अतिरिक्त योग्यता रखने वाले लड़कों के लिए होगा।

विज्ञापन में उल्लिखित अधिवास मानदंडों को पूरा करने वाले सभी पात्र और इच्छुक उम्मीदवार अपने राज्य के लिए निर्धारित विशिष्ट दिन पर सुबह 6 बजे पश्चिम बंगाल के पल्टा रेलवे स्टेशन के पास वायु सेना स्टेशन बैरकपुर में रैली स्थल पर पहुंच सकते हैं। उनके पास मूल शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, सक्षम अधिकारियों द्वारा जारी निवास प्रमाण पत्र आदि होने चाहिए। एनसीसी उम्मीदवारों को अपने मूल प्रमाण पत्र ले जाने होंगे। यह ध्यान दिया जा सकता है कि पूर्व ऑनलाइन पंजीकरण या आवेदन की कोई आवश्यकता नहीं है।असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय, सिक्किम और पश्चिम बंगाल राज्यों के सभी जिलों के उम्मीदवारों के लिए रैली 12 सितंबर, 2023 को आयोजित की जाएगी। 15 सितंबर, 2023 को भर्ती रैली ओडिशा और छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के उम्मीदवारों के लिए होगी और 18 सितंबर, 2023 को यह केवल उन उम्मीदवारों के लिए आयोजित की जाएगी, जिन्होंने फार्मेसी में डिप्लोमा/बी।एससी। असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और झारखंड के जिल से किया हो।

बंगाल के सिलीगुड़ी में नशीले पदार्थों की तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

कोलकाता, 17 अगस्त (एजेंसियां)। सिलीगुड़ी मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने रात भर चले एक ऑपरेशन में पश्चिम बंगाल के उत्तरी क्षेत्र में एक बड़े नशीले पदार्थ तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया, इसमें पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया और प्रतिबंधित नशीली दवाओं की खेप जब्त की गई। सिलीगुड़ी मेट्रोपोलिटन पुलिस के कमिश्नर अखिलेश चतुर्वेदी के मुताबिक जब्त ब्राउन-शुगर की बाजार कीमत करीब 5 करोड़ रुपये आंकी गई है। चतुर्वेदी ने कहा, गिरफ्तार किए गए पांचों लोगों को गुरुवार को ही जिला अदालत में पेश किया जाएगा और हम उनके लिए पुलिस हिरासत की मांग करेंगे। स्थानीय पुलिस सूत्रों ने बताया कि बुधवार रात से दो चरणों में गिरफ्तारियां और प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की बड़ी खेप की बरामदगी की गई। हमारे सूत्रों द्वारा सूचना मिलने पर, हमारे जांच अधिकारियों ने सबसे पहले सिलीगुड़ी पूर्वी मेट्रोपॉलिटन बाईपास के पास एक जगह पर छापा मारा। छापेमारी और तलाशी अभियान सिलीगुड़ी मेट्रोपॉलिटन पुलिस के विशेष अभियान समूह और स्थानीय भक्तिनगर पुलिस स्टेशन की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गया। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने कहा, तीन लोगों रशीद शेख, दुर्गा सोरेन और प्रदीप मुंडा को ब्राउन-शुगर की बड़ी खेप के साथ गिरफ्तार किया गया। राशिद मालदा जिले का निवासी है, जबकि अन्य दो दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी उप-मंडल के अंतर्गत खोरीबारी इलाके के निवासी हैं। मालदा से मादक पदार्थों की खेप को सिलीगुड़ी पूर्वी मेट्रोपॉलिटन बाईपास पर स्थानीय तस्करों को सौंपा जाना था। उनसे जानकारी प्राप्त कर सिलीगुड़ी मेट्रोपोलिटन पुलिस और स्थानीय सिलीगुड़ी पुलिस स्टेशन की एक अन्य टीम ने छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया और प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की खेप के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया।

एमपी के इन जिलों में होगी भारी बारिश, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

भोपाल, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सहित देश के कई प्रदेशों में मानसून की गतिविधि पर ब्रेक लगने के पश्चात एक बार फिर नए सिस्टम के सक्रिय होने की संभावना बन रही है। अगस्त माह में राज्य के किसी भी हिस्से में भारी वर्षा देखने को नहीं मिली है तथा इसका प्रभाव किसानों की फसलों पर भी पड़ा। फसलों को कीटों से हानि का संकट बढ़ गया है। ऐसे में तेज वर्षा के आसार के बीच प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी देखने को मिली है। मौसम वैज्ञानिकों ने 18 अगस्त से राज्य में फिर तेज वर्षा का अनुमान जताया है। हालांकि पिछले कुछ दिनों से राज्य के कुछ जिलों में हल्की वर्षा का दौर शुरु है तथा अगले कुछ घंटो के अंदर यह तेज वर्षा में तब्दील हो सकता है। दो मौसम प्रणालियों के सक्रिय होने से यह स्थिति बन सकती है। साथ ही मानसूनी गतिविधियों में तेजी आने की भी संभावना है। बुधवार को राज्य के कई जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा का दौर देखने को मिला है, जिसमें सबसे अधिक वर्षा जबलपुर जिले में हुई। यहां लगभग 17 मिमी से भी ज्यादा वर्षा दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त गुना में 9.4 मिमी, नर्मदापुरम में 6.6 मिमी, उमरिया में 4.4 मिमी, भोपाल में 4.3 मिमी, सिवनी में 3.6 मिमी, रायसेन में 2.8 मिमी, बैतूल में 2.2 मिमी, पचमढ़ी में 1.6 मिमी, सागर में 0.2 मिमी एवं इंदौर में 0.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आज आज राज्य के 30 से अधिक जिलों में वर्षा की संभावना जताई है। भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, नर्मदापुरम, सागर, दमोह, छतरपुर, उमरिया, अनूपपुर, शहडोल, डिंडौरी, सिवनी, मंडला, बालाघाट, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, गुना, शिवपुरी, भिंड, श्योपुर कलां और अशोकनगर में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

बजरंग दल पर दिग्विजय के बयान पर नरोत्तम मिश्रा का तंज

बोले कुछ लोगों का आई फ्लू अब ठीक हो रहा है

भोपाल, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में हिंदुत्व को लेकर सियासत गरमाई हुई है। इस बीच दिग्विजय सिंह के कांग्रेस की सरकार बनने पर बजरंग दल को बैन नहीं करने के बयान पर नरात्तम मिश्रा ने तंज कसा है। गृहमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि कुछ लोगों का आई फ्लू अब ठीक हो रहा है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए दिग्विजय सिंह के बजरंग दल को बैन नहीं करने के बयान पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में प्रतिबंध लगाना तो दूर सोच भी नहीं सकते हैं। उन्होंने इसको लेकर दिए बयान को भी सुनाया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को आई फ्लू हट रहा है। उनको धीरे धीरे राष्ट्रवादी संगठन में अच्छे लोग नजर आ रहे है। थोड़े दिनों में आई फ्लू पूरी तरह से हटने पर समझ में आएगा कि बजरंग दल राष्ट्रभक्तों का ही संगठन है। जो अभी कुछ कुछ पर आए, वह पूरे पर आएंगे। उन्होंने कहा कि यह महाकाल जाने लगे, कावड़ यात्रा पर जाने लगे, कथा कराने लगे। जनता समझ रही है कि यह लोग मेवात पर क्यों नहीं बोले। उज्जैन के अंदर पाकिस्तान जिंदाबाद आपको काजी साहब जिंदा बाद कैसे सुनाई देने लगा। उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि आपने कैसे खरगोन की घटना को दूसरा फोटो डाल कर भड़काने की कोशिश की। कभी आप हिंदु और हिंदुत्व को अलग करने लगते हो। यह चुनाव पर आप यात्रा कर रहे हो यह जनता जान रही है।

20 को ग्वालियर आएंगे अमित शाह

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि 20 अगस्त को भाजपा प्रदेश कार्य समिति की बैठक ग्वालियर में होगी। जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भाग लेंगे। अभी उनके ग्वालियर का कार्यक्रम आया है।

कांग्रेस की राजनीति सच बोलने से रोकती है

गुलाम नबी आजाद के बयान का नरोत्तम मिश्रा ने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि उनका बयान सचमुच में सच के करीब है। कश्मीर कश्यम ऋषि की तपोभूमि है। इसलिए उन्होंने कहा कि पहले सभी के पूर्वज हिंदू थे। यह बात भी वह तब बोल पाए जब कांग्रेस से दूर हुए। कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति सच बोलने से रोकती है, ऐसा लग रहा है। बता दें गुलाम नबी आजाद ने सबके पूर्वजों को हिंदू बताया था।

सतना दुष्कर्म मामला फास्ट ट्रेक कोर्ट में चलेगा

सतना में नाबालिग से दुष्कर्म पर गृहमंत्री ने कहा कि मानसिक बीमार टाइप के लोग है। बहुत घृणित कृत्य, आरोपी गिरफ्तार किया जा चुका है, फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामला भेजा जाएगा।

जज्बे को नहीं भेद पाया दिल का छेद, आठ घंटे सेल्फ स्टडी कर गुरिया बनीं सिविल जज

हिसार, 17 अगस्त (एजेंसियां)। (हरियाणा) कहा जाता है कि अगर इरादे मजबूत हों तो सफलता आपके कदम चूमती है। इस बात को सही साबित किया है जिले के गांव खैरी की गुरिया ने। दिल में छेद होने के बावजूद 7-8 घंटे सेल्फ स्टडी कर गुरिया सिविल जज बनी हैं। उन्होंने गरीबी और अभाव के होते हुए भी मेहनत और लगन के दम पर सफलता पाई है। कुछ पंक्तियां उन पर सटीक बैठती हैं कि मैं कैसे हार मान लूं, मैं मेहनत के दम पर अपनी मंजिल पाने आई हूं। मुस्लिम समाज की बेटी गुरिया ने बताया कि इस मंजिल तक पहुंचना मेरे लिए आसान नहीं था। मेरे घर के हालात ऐसे नहीं थे कि मैं किसी कोचिंग सेंटर में जाकर तैयारी कर सकूं। मेरी तबीयत भी मेरा साथ नहीं दे रही थी। अपनी दिल की बीमारी के चलते पढ़ाई करने में दिक्कत आईए लेकिन इसके बावजूद सात से आठ घंटे लगातार सेल्फ स्टडी की। घर के हालात भी अच्छे नहीं थे। किस्मत को शायद कुछ और ही मंजूर था, 9 महीने पहले पिता का साया सिर से उठ गया। इरादे मजबूत थे इसीलिए खुद को मजबूत किया और अपनी पढ़ाई को लगातार जारी रखा और सपने को साकार करके दिखाया। गांव खैरी के रहने वाले महेंद्र खान की बेटी गुरिया का सिविल जज के पद पर चयन होने के बाद स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ग्रामीणों ने उसका स्वागत किया। सरपंच प्रतिनिधि रामफल ने बताया गुरिया ने गांव का नाम रोशन किया है। ये हमारे लिए गर्व की बात है।

कर्नाटक लोकायुक्त ने 48 स्थानों पर की छापेमारी

इंजीनियर और कांस्टेबल समेत कई सरकारी अधिकारियों के आवास पर रेड

बेंगलुरु, 17 अगस्त (एजेंसियां)। लोकायुक्त के अधिकारी गुरुवार को पूरे कर्नाटक में सरकारी अधिकारियों के आवास पर छापेमारी और तलाशी अभियान चला रहे हैं। यह अभियान कथित तौर पर आय से अधिक संपत्ति को लेकर है। अधिकारियों द्वारा कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करते हुए लोकायुक्त ने पूरे कर्नाटक में 48 स्थानों पर छापेमारी की। सुबह से ही बीदर, धारवाड़, कोडागु, रायचूर, दावणगेरे और चित्रदुर्ग समेत 48 स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। दावणगेरे में बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के एक पूर्व इंजीनियर, बीदर में एक कांस्टेबल और कोडागु में एक उप जिला अधिकारी उन लोगों में शामिल हैं, जिन पर लोकायुक्त ने छापा मारा है। लोकायुक्त अधिकारियों ने मडिकेरी जिले में एक जिला अधिकारी के यहां भी छापा मारा है। मैसूर शहर और जिले के विभिन्न हिस्सों में तलाशी जारी है। हरंगी जलाशय अधीक्षक अभियंता के आवास पर ऑडिट तलाशी ली जा रही है। कोडागु में लोकायुक्त ने प्रियापट्टन में एक जिला कलेक्टर के आवास की तलाशी ली है। महादेवपुरा डिविजन के एक राजस्व निरीक्षक के बेंगलुरु के बनशंकरी स्थित आवास पर भी छापेमारी हो रही है। वहीं, धारवाड़ में बेलगाम निगम सहायक आयुक्त के आवास पर तलाशी ली जा रही है। अधिकारी उनके आवास पर दस्तावेजों की जांच

मणिपुर में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण, तलाशी अभियान में 8 हथियार और 112 गोला-बारूद किए गए बरामद

इंफाल, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर में अभी भी अशांति का माहौल बना हुआ है। सुरक्षा बलों के तलाशी अभियान के दौरान हिंसा प्रभावित मणिपुर के विभिन्न जिलों से आठ आग्नेयास्त्र और 112 राउंड गोला-बारूद बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि इसके अलावा बलों ने छह विस्फोटक भी जब्त किये। पुलिस ने एक बयान में कहा कि ये बरामदगी बुधवार को बिष्णुपुर, चुराचांदपुर, तेंगनौपाल, कांगपोकपी और इंफाल पश्चिम जिलों से की गई। इसमें कहा गया, "मणिपुर में गोलीबारी की छिटपुट घटनाओं और प्रदर्शनकारियों के एकत्र होने से राज्य में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है।"

कर्नाटक आबकारी विभाग ने 25 करोड़ रुपये मूल्य की बीयर जब्त की

बेंगलूरू, 17 अगस्त (एजेंसियां)। रासायनिक परीक्षण रिपोर्ट में "मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त" पाए जाने के बाद राज्य आबकारी विभाग ने दो प्रमुख ब्रांड की 25 करोड़ रुपये मूल्य की बीयर जब्त कर ली। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मैसुरू ग्रामीण के आबकारी उपायुक्त ए। रविशंकर ने यहां संवाददाताओं को बताया कि मामला दर्ज करने के अलावा, विभाग ने स्टॉक को नष्ट करने के लिए कदम उठाए हैं। उनके अनुसार, नंजनगुड के उत्पाद शुल्क अधीक्षक ने 28 जुलाई को उनके कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि 17 जुलाई 2023 को यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड की नंजनगुड इकाई में निर्मित किंगफिशर स्ट्रॉन्ग बीयर और किंगफिशर अल्ट्रा लेगर बीयर बैच संख्या 7सी और 7ई में तलछट है और इसलिए उन्हें रासायनिक परीक्षण के लिए भेजा गया है। अधिकारी ने बताया कि आबकारी अधीक्षक ने अनुरोध किया कि जब तक प्रयोगशाला परीक्षण रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक स्टॉक जब्त कर लिया जाये। रविशंकर ने कहा कि उन्होंने जिलों के उपायुक्तों और आबकारी उपायुक्तों को दो बैच नंबरों वाले स्टॉक को रोकने के लिए लिखा है। इस बीच, नमूनों को रासायनिक जांच के लिए प्रयोगशाला में भी भेजा गया। आबकारी उपायुक्त ने कहा, "हमें दो अगस्त को रासायनिक परीक्षक से एक रिपोर्ट मिली जिसमें कहा गया था कि दोनों ब्रांड (बैच नंबर 7सी और 7ई के साथ) मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त थे। रिपोर्ट के बाद, हमने जिला उपायुक्तों और आबकारी उपायुक्तों को आगे कदम उठाने के लिए लिखा, जिसका मतलब है कि उन स्टॉक को नष्ट कर दिया जाना चाहिए।" विभाग के सूत्रों ने बताया कि बीयर की कीमत 25 करोड़ रुपये थी। इस बीच यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड ने कहा कि यह केवल किंगफिशर अल्ट्रा के एक बैच का मामला है और न कि किंगफिशर स्ट्रांग को लेकर। उसने कहा कि कंपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए अधिकारियों के साथ काम कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 18 अगस्त- 2023

क्या इंडिया गठबंधन में दरार पड़ना शुरू हो गई है ?

अशोक भाटिया

कांग्रेस के साथ 26 क्षेत्रीय दलों का नवोदित गठबंधन इंडिया भाजपा से मुकाबले के लिए बन चुका है। गठबंधन बनने के कुछ माह भी नहीं बीते कि इसमें अभी से फूट पड़ती दिख रही है। कांग्रेस के दिल्ली की सभी सात सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद आप और कांग्रेस में ठन गई है।बता दें कांग्रेस और आप दोनों इंडिया गठबंधन में शामिल है।कांग्रेस नेतृत्व ने बुधवार को एआईसीसी मुख्यालय में दिल्ली कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने नेताओं से बातचीत की। इस बीच कांग्रेस नेता अलका लांबा की ओर से दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने वाले बयान से सियासी खलबली मच गई।

वहीं आम आदमी पार्टी ने विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक में शामिल नहीं होने तक की चेतावनी दे डाली तो इस पर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल को सफाई देनी पड़ी । तीन घंटे तक राहुल गांधी, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खडग़े, केसी वेणुगोपाल और दीपक बाबरिया जैसे नेताओं की मौजूदगी में हुई बैठक के बाद अलका लांबा ने कहा कि पार्टी ने हमें आगामी लोकसभा चुनाव के लिए तैयारी करने को कहा है। यह निर्णय लिया गया है कि दिल्ली में सभी सात सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। अलका लांबा ने कहा कि पार्टी ने सभी सातों सीटों पर तैयारी रखने को कहा है। संगठन की तरफ से जो जिम्मेदारियां तय की जाएंगी, उस पर हम लोग काम करेंगे।अलका लांबा के इस बयान के बाद कांग्रेस के कई नेताओं को सफाई देनी पड़ी। दिल्ली कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा कि अलका लांबा एक प्रवक्ता हैं लेकिन ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात करने के लिए वह अधिकृत प्रवक्ता नहीं हैं। मैंने प्रभारी के तौर पर कहा है कि आज बैठक में ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई। मैं अलका लांबा के बयान का खंडन करता हूं। इस बयान के बाद आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब कांग्रेस गठबंधन नहीं करना चाहती तो फिर मुंबई में 31 अगस्त और एक सितंबर को होने वाली विपक्षी गठबंधन की बैठक में आप के शामिल होने का कोई मतलब नहीं है। यह समय की बर्बादी है। हमारी पार्टी का शीर्ष नेतृत्व तय करेगा कि इंडिया गठबंधन की अगली बैठक में शामिल होना है या नहीं। अलका ने आगे कहा कि पार्टी के पास सात महीने बचे हैं और सभी कार्यकर्ताओं को सातों सीटों के लिए तैयारी करने को कहा गया है। अलका लांबा के इस बयान के बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस ने दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर चुनाव लडने की बात की है।

बताया जाता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के उनके समकक्ष भगवंत मान 20 अगस्त को मध्य प्रदेश के रीवा में एक रैली को संबोधित करेंगे। 'आप' की मध्य प्रदेश इकाई के एक नेता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर उम्मीद है कि केजरीवाल साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को आम आदमी पार्टी की 'गारंटी' की घोषणा करेंगे। रीवा, मध्य प्रदेश के विंध्य इलाके का प्रमुख शहर है।सिंह के अनुसार कार्यक्रम के दौरान केजरीवाल कुछ घोषणाएं करेंगे। जैसा कि सभी जानते हैं, केजरीवाल न केवल घोषणाएं करते हैं बल्कि सुविधाओं की गारंटी भी देते हैं। उनके अनुसार 'आप' मध्य प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। वर्तमान में मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का शासन है। उन्होंने कहा कि 'आप' ने आगामी चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है और सूची को अंतिम रूप देने के बाद उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जाएगी। दरअसल, आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के खिलाफ चुनाव में सफल होकर राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल किया है। एक दशक में आप पार्टी का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना पार्टी के लिए बड़ी उपलब्धि है। आम आदमी पार्टी का विस्तार उन्हीं राज्यों में हुआ है, जहां कांग्रेस कमजोर हुई है। इस तरह कांग्रेस की सियासी जमीन पर ही आम आदमी पार्टी की मंजिल खड़ी हुई है।इसलिए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दो परस्पर विरोधी दल हैं, जो स्वाभाविक रूप से साथ होकर राजनीति कर पाएंगी, इसकी संभावनाओं को लेकर सवाल उठने लाजमी हैं। कांग्रेस केंद्र की सत्ता में थी तभी अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी का गठन किया था। आप पार्टी दो प्रदेश में कांग्रेस को हरा कर ही सरकार बनाने में सफल हुई है। दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस के सफाए के बाद ही आप पार्टी सरकार में आई है।

गोवा में अगर भाजपा सरकार बनाने में कामयाब रही है, तो इसके पीछे आम आदमी पार्टी की राजनीति को ही कांग्रेस जिम्मेदार ठहराती रही है। पिछले साल होने वाले हिमाचल, कर्नाटक और गुजरात के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी कांग्रेस के विरोध में उम्मीदवार खड़े कर चुकी है। गुजरात में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को तगड़ा झटका दिया था जिसके चलते ही भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करने में सफल रही थी ।वहीं, आम आदमी पार्टी के सर्वोपरि नेता अरविंद केजरीवाल राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में लगातार दौरा कर कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ बयानबाजी करते रहे हैं। जाहिर है राजस्थान में अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे सिंधिया की दोस्ती से लेकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के खिलाफ आम आदमी पार्टी सालों से अपनी जमीन तैयार करती रही है। ऐसे में कांग्रेस के साथ आप पार्टी के गठबंधन की सूरत में दोनों पार्टियां अपने हितों को किस हद तक छोड़ने को तैयार होंगी, इस पर सवाल उठने लाजमी हैं।दिल्ली और पंजाब समेत कई राज्यों में दोनों दलों के लिए सीट शेयरिंग का फार्मूला कैसे तय होगा, इस पर भी सवाल उठने लाजमी थे क्योंकि 2019 के चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच दिल्ली में एक सीट पर पेंच फंसने के चलते गठबंधन नहीं हो सका था। इसलिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की स्वाभाविक दोस्ती की वजह महज राजनीतिक हो सकती है, लेकिन धरातल पर कामयाब करना कहीं ज्यादा मुश्किल दिखाई पड़ता है। वैसे भी दिल्ली में एक बार आम आदमी पार्टी को समर्थन देने का परिणाम कांग्रेस पिछले दो चुनाव से सीधे तौर पर भुगत रही है। इसलिए दिल्ली प्रदेश के ही नहीं बल्कि पंजाब के भी कांग्रेसी नेताओं के लिए आम आदमी पार्टी के साथ चलने की बात स्वीकार कर लेना आसान नहीं दिखाई पड़ता था ।आम आदमी पार्टी यूनिफॉर्म सिविल कोड और आर्टिकल 370 जैसे मुद्दों पर कांग्रेस के विपरीत स्टैंड रखने के लिए जानी जाती है। इतना ही नहीं, आम आदमी पार्टी का स्टैंड अन्य कई मुद्दों पर भी कांग्रेस के खासा विपरीत रहा है। इनमें विपक्षी दलों पर जांच एजेंसियों की दबिश को लेकर भी है जिसमें आम आदमी पार्टी और कांग्रेस एक दूसरे के साफ विरोधी नजर आए हैं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की शराब नीति को लेकर कांग्रेस ने जमकर केजरीवाल पर हमला बोला था। एन .आर. सी. और सी .ए. ए. जैसे मुद्दे पर भी आम आदमी पार्टी का स्टैंड कांग्रेस से अलग रहा है। ऐसे में दिल्ली सर्विस बिल पर बना कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का समझौता कब तक बना रहेगा, इसको लेकर सवाल तो पहले से ही था । दिल्ली में कांग्रेस के नेता संदीप दीक्षित और अजय माकन, अरविंद केजरीवाल को समर्थन देने को लेकर गंभीर सवाल उठा चुके हैं तो पंजाब में कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा सहित कई नेता खुलकर आम आदमी पार्टी की आलोचना करते रहे हैं। देखा जाय तो इस तरह दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच जुबानी जंग पहले से जारी है।

ऐसे में आने वाले दिनों में ये समझौता दिल्ली और पंजाब सहित अन्य राज्यों में कैसे कारगर होगा, ये सवाल पहले से बना हुआ था । कांग्रेस और आप पार्टी के लिए लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ना आसान नहीं रहने वाला है। दो परस्पर विरोधी दलों के कार्यकर्ताओं को एक प्लेटफॉर्म पर लाना दोनों पार्टियों के लिए गंभीर चुनौती रहने वाली है।कांग्रेस और आप पार्टी मोदी विरोधी मतों को गोलबंद कर पाने में कामयाब होती हैं। ऐसे में एनडीए के लिए कई राज्यों में नुकसानदायक साबित हो सकता है।

किसके होंगे शरद पवार ?

कभी मराठा छत्रप के नाम से पहचान रखने वाले एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार इन दिनों भरोसा जीतने के लिए जद्दोजहद करते दिखाई दे रहे हैं। आईएनडीआईए के संस्थापकों में रहे शरद पवार तब से संदेहास्पद हो गए हैं जब उनके भतीजे अजित पवार ने एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल में अचानक डिप्टी सीएम की कुर्सी संभाल ली। उनके साथ ही उनके कई और महारथी भी रातोंरात शिंदे सरकार में शामिल हो गए। तभी से मराठाओं के सर्वोच्च नेता शरद पवार के रुख में एक तरह की अनिश्चितता दिखाई देने लगी है। उनके विरोधियों तक यदि यह अनिश्चितता होती तो गनीमत थी लेकिन उनके सहयोगियों और समर्थकों को भी यकीन होने लगा है कि पवार साहब बुढ़ापे में भी गुलाटी मारने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि शुरू में उन्होंने स्पष्टता के साथ कहा था कि वह अजित पवार के इस कदम को सहन नहीं करेंगे। भले ही उनकी उम्र ज्यादा हो गई हो, लेकिन बीजेपी की इस चाल के खिलाफ रैलियां कर कार्यकर्ताओं और वोटरों को एकजुट करेंगे। उसी कडी में उन्होंने आज बीड में एक रैली को संबोधित किया। लेकिन इसके पहले पुणे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने का कार्यक्रम हुआ तो विपक्षी नेताओं की सार्वजनिक अपीलों की बावजूद दादा ने उस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इससे पहले वह अजित पवार की सार्वजनिक आलोचना करने से तो बचते ही रहे हैं, मामला तब और बिगड गया जब अलग-अलग मौकों पर तीन बार उनसे मुलाकात भी कर लिए। पुणे में हुई तीसरी मुलाकात ने तो राजनीति में तूफान ही ला दिया। इसे पूरी तरह से गोपनीय रखने की कोशिश की गई थी। लेकिन मीडिया के अचानक वहां पहुंच जाने से भंडाफोड हो गया। तभी से शिवसेना उद्धव ग्रुप और प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि इससे गठबंधन में भ्रम की स्थिति बन रही है और शरद पवार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। हालाकि शरद पवार ने यह स्पष्टीकरण जरूर दिया कि उनके विचार बीजेपी से अलग हैं और इसीलिए वह कभी बीजेपी में जाना मंजूर नहीं कर सकते। इसके बावजूद उन्होंने यह कहने से गुरेज नहीं किया कि उनके कई शुभचिंतक हैं जो उन्हें इसके लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। साफ है कि बीजेपी से हाथ मिलाने का सुझाव देने वाले लोग अगर शरद पवार की नजर में आज भी शुभचिंतक बने हुए हैं तो विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए थोड़ा आने वाले दिन शुभ नहीं रहने वाले। आम तौर पर राजनीति में और खासकर शरद पवार जैसे घाघ नेता की राजनीति में पत्थर की लकीर जैसी कोई बात नहीं होती। लेकिन थोड़ी देर को उनकी कही इस बात को पत्थर की लकीर मान भी लिया जाए कि वह कभी बीजेपी में शामिल नहीं होंगे तो भी उनके जैसा बड़ा नेता बीजेपी में गए बिना भी उसे निर्णायक फायदा पहुंचाने के हजार रास्ते निकाल सकता है। सबसे बडी बात तो यह है कि मुंबई में महाराष्ट्र विधानसभा और केंद्र में संसद का एक पूरा सत्र संपन्न हो जाने के बाद भी आजतक स्पष्ट नहीं हो सका कि एनसीपी के कितने विधायक व सांसद अजित पवार के साथ हैं और कितने शरद पवार के साथ। यही वजह है कि विपक्षी खेमे में बेचैनी है और वह चाहता है कि समय रहते यह बात शीशे की तरह साफ हो जाए कि शरद पवार का मन कितना साफ है और वह किस तरफ रहना चाहते हैं। बहरहाल, मुंबई में होने वाली इंडिया की बैठक से पहले इस पर निर्णायक चर्चा हो जाएगी। इस बैठक के बाद यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि शरद पवार का कदम किस तरफ बढ़ेगा। जाहिर है शरद पवार सत्ता में न रह कर भी राजनीति का केंद्र बने हुए हैं।

सोशल मीडिया बनता अदृश्य हथियार

डॉ. नीरज भारद्वाज

अस्त्र और शस्त्र में एक बड़ा अंतर होता है। साधारण शब्दों में समझें तो अस्त्र दूरी से फेंककर मारा जाता है। दूसरा शस्त्र हाथ में रखकर योद्धा से सामने खड़ा होकर पूरी शक्ति से लड़ने के लिए प्रयोग में लाने वाला हथियार है। शास्त्रानुसार इसकी अलग-अलग व्याख्या और अर्थ भी मिल जाते हैं। ठीक इसी प्रकार धनुष से चलने वाले को बाण कहते हैं।

जो सामने दिखाई दे रहा है वह उस पर चलाया जाता है परंतु बिना देखे केवल आवाज पर चले, उसे शब्दभेदी बाण कहते हैं। अब इस बाण और शब्दभेदी बाण में भी अंतर आ गया। शब्दभेदी बाण आवाज पर चलता है, अब वह आवाज पशु-पक्षी, मानव, सजीव से टकराकर या निर्जीव से टकराकर भी हो सकती है। वह किसी का भी वध कर सकता है। इन हथियारों के प्रयोग से सार्थक और निरर्थक दोनों प्रकार के प्रमाण और उदाहरण हमारे शास्त्रों, वेदों, पुराणों में मिल जाते हैं। कई बार इनके प्रयोग से जाने अनजाने कितने ही योद्धा, वीरों आदि को वीरगति प्राप्त हुई या अकाल मृत्यु के ग्रास बन गए।

युग बदला तो इन सभी हथियारों के बाद बंदूक, तोप, गोली, टैंक, परमाणु बम आदि से युद्ध करने की बारी आई। समय बदला तो जल, थल, वायु सभी स्थलों पर युद्ध होने लगा। फिर जैविक हथियार का प्रयोग हुआ। कोई भी बड़ी बीमारी विरोधी देश में फैला दीजिए, वह देश आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक हर स्तर पर कमजोर हो जाएगा। कोरोना महामारी इसका बड़ा उदाहरण है और विश्व इसे देख ही चुकी है। इसके बाद संचार युग की बारी आई है। वर्तमान संचार युग है, आज मनुष्य संचार के साधनों से जुड़कर वैश्विक दृष्टिकोण के साथ-साथ विश्वजन से जुड़ गया है। इन जनसंचार के माध्यमों में सोशल मीडिया एक जन आंदोलन, क्रांति का कार्य कर रहा है तो दूसरी ओर जन विद्रोह, आपसी लड़ाई, झगड़े-फसाद, हिंसा का बड़ा हथियार बनता जा रहा है। सोशल मीडिया का अदृश्य चेहरा बहुत बड़े हथियार का काम कर रहा है। इसमें कौन-कौन शामिल हैं? और यह कैसे चल रहा है? किसको पकड़ा जाए? एक लंबी लड़ाई है।

यह अदृश्य चेहरा और अदृश्य लड़ाई कितने ही नरसंहार की काली गाथा देश में ही नहीं विश्व भर में लिख चुका है। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज़, फेक वीडियो, फेक आवाजें, फेक संदेश, संवाद आदि चलते रहते हैं। व्यक्ति है कि इन फेक न्यूज़, वीडियो आदि को देखते हैं। इन पर विश्वास कर एक दूसरे को मरने मारने पर आतुर हो जाते हैं। इससे जन को कई बार बड़ा नुकसान होता है, लोग मारे जाते हैं। सामाजिक अस्थिरता फैलती है, लोगों को और सरकार को आर्थिक नुकसान होता है। यह फेक न्यूज़, संवाद वाले व्यक्ति अपने ही जैसे विचार वालों को इससे लिंक करते हैं। धीरे-धीरे वह जन आक्रोश बनकर बवाल बन जाता है। निर्दोषों की हत्या, सरकारी तंत्र को नुकसान और देश को पीछे धकेलना का कार्य किया जाता है।

यहां एक बात और चिंतनीय है कि जब भी किसी सोशल या अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म से व्यक्ति के साथ कोई निजी अनहोनी घटना घटती है तो उसे सारे साइबर क्राईम नंबर, सहायता, सहयोग, कानून आदि का पता होता है लेकिन किसी उपद्रव या विनाशकारी कार्य में वह उन वीडियो, संदेश, संवाद आदि को दबाए रखता है। केवल अपनी विचारधारा वाले व्यक्ति तक उसे भेजने का कार्य करता है जिससे कि एक भारी जन सैलाब इकट्ठा हो सके और उपद्रव तथा हिंसा को जन्म दिया जा सके।

ऐसा क्या है डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन क़ानून में?

रजनीश कपूर

आए दिन हमें डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों के बारे में पता चलता है। कैसे कुछ शातिर लोगों का गैंग एक योजनाबद्ध तरीक़े से भोले-भले लोगों को ठगने की मंशा से उन्हें अपना शिकार बनाते हैं। उनकी मेहनत की कमाई को कुछ ही पल में फुर्र कर देते हैं। उसके बाद ऐसे फ्रॉड का शिकार व्यक्ति अपनी शिकायत लेकर दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हो जाता है। परंतु सरकार ने इस फ्रॉड को रोकने और ज़रूरी निजी जानकारी की सुरक्षा की दृष्टि से 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल' को संसद में पेश किया है जो अब क़ानून बन गया है। हाल ही में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल, 2023 पेश किया। इस विधेयक के तहत नागरिकों के व्यक्तिगत डाटा की सुरक्षा के अधिकार व्यवस्था करता है। यहाँ सवाल उठता है कि यदि यह बिल नागरिकों की निजी जानकारी सुरक्षा कि दृष्टि से लाया गया है तो इसका इतना विरोध क्यों किया गया? क्या विरोध केवल विरोध के लिए ही है या इसका कोई वाजिब कारण भी है?

संसद के दोनों सदनों में यह बिल पास हो गया। ग़ौरतलब है कि नागरिकों के पर्सनल डेटा की सुरक्षा को लेकर देश भर में पहले से ही काफ़ी बहस चल रही है। परंतु इस बहस को गति देने की पहल देश की सर्वोच्च अदालत ने 24 अगस्त 2017 को अपने फ़ैसले से की। इस फ़ैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि "निजता का अधिकार लोगों का मूलभूत अधिकार है।" नौ जजों वाली सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार बताया है। पीठ ने कहा कि "निजता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दिए गए जीने के अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा है।"

यहाँ यह समझना ज़रूरी है कि इस बिल के तहत हमारे किस डेटा की सुरक्षा की बात हो रही है। 'डिजिटल पर्सनल डेटा' वो होता है जो आप किसी भी ई-कॉमर्स की वेबसाइट पर प्रदान करते हैं। ये डेटा वो होता है जिससे आपकी और आप जैसे करोड़ों उपभोक्ताओं की विभिन्न ई-कॉमर्स वेबसाइट पर पहचान बनती है। उदाहरण के तौर पर आप किसी वेबसाइट से रोज़मर्रा का सामान मँगवाते हैं तो आपका 'यूज़र नेम', 'पासवर्ड', आपकी जन्मतिथि, आपके घर या ऑफिस का पता, आपका मोबाइल नंबर, पैन नंबर, आधार नम्बर आदि। इसके साथ ही आपके द्वारा मंगाए जाने वाले सामान या भोजन आदि भी आपके प्रोफाइल में अंकित हो जाते हैं। इसके साथ ही आपकी वो निजी जानकारी जो आपके प्रोफाइल में दर्ज हो जाती है, वो है आपके द्वारा कि गई ख़रीदारी का मूल्य। सोशल मीडिया साईट पर आप किस से क्या बात कर रहे हैं। आपकी लोकेशन क्या है। आप किस लोकेशन पर ज़्यादा समय बिताते हैं। ऐसी सभी जानकारियों को 'डिजिटल पर्सनल डेटा' कहा जाता है।

'डिजिटल पर्सनल डेटा' का दुरुपयोग करना बहुत आसान है। सोशल मीडिया वेबसाइट्स व ई-कॉमर्स वेबसाइट्स या मोबाइल ऐप्स आपके इस डेटा को, बिना आपकी जानकारी के, अन्य कंपनियों को बेच देते हैं। इस 'डिजिटल पर्सनल डेटा' के आधार पर विभिन्न वेबसाइट्स आपके कंप्यूटर या फ़ोन पर आपको तरह-तरह के विज्ञापन आदि दिखाते हैं और ग्राहकों को आकर्षित करते हैं। ज़ाहिर सी बात है कि इन विज्ञापनों से इन वेबसाइट्स को मुनाफ़ा होता है।

मिसाल के तौर पर अमेरिका में 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने की मंशा से सोशल मीडिया प्लेटफार्म फ़ेसबुक पर आरोप लगा था और उस पर हज़ारों करोड़ का जुर्माना लगाया था। ऐसा नहीं है कि निजता के बचाव की मंशा से यह पहली बार हो रहा है। इससे पहले साल 2012 में सुप्रीम कोर्ट के जज, न्यायमूर्ति ए पी शाह की अध्यक्षता में एक प्राइवेसी कमेटी बनी थी जिसने प्राइवेसी क़ानून बनाने की सिफ़ारिश भी की थी। लेकिन मामला ठंडे बस्ते में पड़ा रहा। उसके बाद से अब तक कई बार इस मामले पर कमेटी बनीं और विधेयक भी प्रस्तावित किए गए। परंतु 'डिजिटल पर्सनल डेटा' की उचित सुरक्षा न हो पाने के कारण

विपक्ष और जानकारों ने इसे क़ानून बनने नहीं दिया। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि यह बिल निजी डेटा की सुरक्षा के नाम पर, सरकार ने अपने पास मनमानी शक्तियाँ इकट्ठा कर ली हैं। इसके बाद इस विधेयक को संसद की संयुक्त समिति यानी 'जेपीसी' के पास भेजा गया।

जेपीसी की रिपोर्ट में इस विधेयक को लेकर कई संशोधन और सुझाव दिये गये। सरकार ने इन सुझावों व संशोधनों के ना मानकर अगस्त 2022 में विधेयक को वापिस ले लिया। इस सबके बादइस सत्र में इस विधेयक को दोबारा पेश किया गया। परंतु इस बार भी सरकार ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि पिछले विधेयक के मुक़ाबले इस विधेयक में क्या बदलाव किये गये हैं।

उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में 'जैसा कि निर्धारित किया जाएगा' वाक्य को 26 बार प्रयोग किया गया है। विपक्ष के अनुसार इसका सीधा मतलब यह है कि काफ़ी कुछ अंधेरे में है और नियमों को बंद दरवाज़े से लाया जाएगा। विपक्ष का आरोप है कि यह बिल निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है और इससे सूचना का अधिकार (आरटीआई) क़ानून भी कमजोर होगा। जबकि सत्ता पक्ष की तरफ़ से लगातार इस बात पर जोर दिया गया कि बिल सिर्फ़ व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षा देगा और आरटीआई पर इससे कोई असर नहीं पड़ेगा। देखना यह है कि क्या इस क़ानून का उल्लंघन करने वालों को कड़ी सज़ा या जुर्माना लगेगा या सरकार इस क़ानून का दुरुपयोग करेगी।

यह तो आने वाला समय ही बताएगा की यह क़ानून बनने निजता की सुरक्षा को लेकर कितना खरा उतरता है?

*लेखक दिल्ली स्थित कालचक्र समाचार ब्यूरो के प्रबंधकीय संपादक हैं

कुर्सी की माया, कोई समझ न पाया

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

समय के साथ बैठने वाली चीज़ों के नाम बदलते हैं, लेकिन होड़ जस की तस बनी रहती है। फिर चाहे राजा-महाराजा के जमाने का सिंहासन हो या फिर आजकल की कुर्सी। हर कोई बैठने के लिए कुछ न कुछ चाहता ही है। बैठने का सिलसिला इतना तूल पकड़ चुका है कि लोग अब एक-दूसरे को गिराने पर आमादा हो चुके हैं। हमारी सोसायटी में एक साहब रहते हैं। कई सालों तक सोसायटी के अध्यक्ष बने रहे। इनकी कुटिलनीति, कुर्सीलोलुपता के चलते सोसायटी के दो फाड़ हो गए। एक फाड़ हमेशा अध्यक्ष पर चढ़ा रहता। उन्हें भला-बुरा कहता। अध्यक्ष थे कि हाथी चले बाजार कुत्ते भौंके हजार के मानिंद भली-बुरी बातों को एक कान से सुनते दूसरे कान से निकाल देते। इस फाड़ से उस फाड़ और उस फाड़ से इस फाड़ लुढ़कने के चलते सबने उनका नाम लोटाबाबू रख दिया। लोटाबाबू भी ऐसे कि कब पलटी मार जाए कुछ कहा नहीं जा सकता। लोटाबाबू की शिष्यता करने वाले एक-दो चेले चपाटों ने एक दिन मजाक-मजाक में पूछ लिया कि आप कुर्सी को लेकर इतने संवेदनशील क्यों रहते हैं? हर घड़ी हर समय यहाँ तक कि नींद में भी कुर्सी-कुर्सी कहते हुए बड़बड़ाते रहते हैं। आखिर इस कुर्सी में ऐसी क्या खास बात है जो आपको इसका नाम ले-लेकर बड़बड़ाने पर मजबूर करता है?

पढ़े-लिखे चेले-चपाटों के मुँह से यह सवाल सुनकर अध्यक्ष का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच गया। उन्होंने कहा - कुर्सी फायदे की हो तो बैठने का मजा ही कुछ और होता है। वैसे राजनीति में लोग खड़े ही बैठने के लिए होते हैं। कुर्सी से उतर जाओ तो एक दिन भी एक युग सा और बैठ जाओ तो पाँच साल भी पाँच मिनट सा लगता है। बड़ी गजब की चीज है बच्चू! लोग फालतू में शराब को बदनाम करते हैं, जो नशा कुर्सी में है वह किसी में नहीं है। बिना पिलाए मदहोश करने की ताकत है इसमें। प्यार का नशा किसी से प्यार करने तक होता है। प्यार टूट जाए तो किसी ओर में ढूँढ़ा जा सकता है। मोह का नशा उम्र के साथ बदलता रहता है। बचपन में कोई, जवानी में कोई और बुढ़ापे में कोई। इसलिए प्यार और मोह जैसी बातों से स्वयं को दूर रखना चाहिए। ये मनुष्य को कमजोर बनाती हैं। धन-दौलत का नशा, सम्मान का नशा, खुद को दूसरों से ऊँचा दिखाने का जंबो पैक नशा सिर पर छा जाए तो बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है। भ्रष्ट बुद्धि के लिए सही पता कुर्सी तक पहुँचना होता है। कुर्सी की माया बड़ी विचित्र होती है। उस पर बैठने वाले को अपना बुरा भी अच्छा लगने लगता है। सच्चाई झूठ, सफेद काला और रात दिन सा लगने लगता है। अध्यक्ष की बातें सुन चेले-चपाटों ने कहा – अब हम कुर्सी पर तो नहीं हैं। फिर क्या करें? उन्होंने कहा – बेटा! कुर्सी अपने आप चलकर नहीं आती। उसके पास पहुँचना पड़ता है। पहुँचने के लिए चलना, दौड़ना या कूदने की जरूरत नहीं पड़ती। दूसरों को गिराना पड़ता है। बुरा सोचना पड़ता है।

कुर्सी पर बैठने वाले की गलती पर खुशियाँ मनाना पड़ता है। बाहर-भीतर अलग-अलग सा रहना पड़ता है। घड़ियाली आँसू बहाना पड़ता है। बिन बुलाई बारातों में जाना पड़ता है। जमाने भर की गालियाँ देने वाले को गले लगाना पड़ता है। गधे को बाप बनाना पड़ता है। कहीं पर निगाहें और कहीं पर निशाना लगाना पड़ता है। दुनिया तुम्हें लाख भला-बुरा कहे, खुशी-खुशी उनके सामने हाथ जोड़कर झुकना पड़ता है। घर-परिवार को छोड़ दुनिया भर को परिवार बनाना पड़ता है। कुल मिलाकर निर्माण से अधिक तोड़-फोड़ के बारे में सोचना पड़ता है। जो यह कलाएँ सीख जाता है वह कुर्सीभोगी, न सीखे तो कुर्सीरोगी रह जाता है।

बालकों के सर्वांगीण विकास पर हो शिक्षकों का ध्यान

सुनील कुमार महला

आज की शिक्षा पहले के जमाने की भांति टीचर्स सेंटर्ड नहीं है। आज की शिक्षा स्टूडेंट सेंटर्ड है। यानी कि स्टूडेंट आज की शिक्षा में सर्वोपरि है। पहले शिक्षा में टीचर्स सर्वोपरि हुआ करते थे। जैसा टीचर चाहते थे वैसा होता था लेकिन आज जैसा स्टूडेंट चाहते हैं वैसा शिक्षा में होता है। मतलब यह कि आज बच्चों को शिक्षा में अधिक महत्व दिया जाता है। दूसरे शब्दों में यह बात कही जा सकती है कि बाल केंद्रित शिक्षा में बालक की मनोविज्ञान के अनुरूप शिक्षण व्यवस्था की जाती है। इसका उद्देश्य अधिगम, जिसे लर्निंग या सीखना भी कहा जाता है, संबंधी विभिन्न कठिनाइयों को दूर करना है। इसमें सीखने की प्रक्रिया के केंद्र में बालक(स्टूडेंट या शिक्षार्थी)होता है। बाल केंद्रित शिक्षा में बालक की शारीरिक और मानसिक योग्यता के विकास पर अध्ययन किया जाता है।आधुनिक शिक्षा शास्त्र के अनुसार शिक्षक बच्चे के सर्वांगीण विकास का प्रयास करते हैं, लेकिन प्राचीन समय में बच्चे के मस्तिष्क में जानकारी या ज्ञान को भरा जाता था। दूसरे शब्दों में कहें तो अध्यापक केंद्रित कक्षा में शिक्षक निर्देश देते हैं और बच्चे सुनते हैं। बच्चों से अपेक्षा होती है कि वे शिक्षक की आज्ञा का पालन करेंगे और अनुशासन में रहेंगे।

बहरहाल, आज की बाल केंद्रित शिक्षा के बीच ही दिल्ली के एक स्कूल का मामला हाल ही में प्रकाश में आया है। जानकारी देना चाहूंगा कि दिल्ली के एक स्कूल में महज दो किताबें न ला पाने की वजह एक छात्र की बुरी तरह पिटाई कर दी। क्या एक शिक्षक को मात्र इसलिए एक बच्चे की जमकर पिटाई कर देनी चाहिए कि वह स्कूल में किताबें नहीं ला पाया ? क्या शिक्षक का यह कर्तव्य नहीं बनता था कि वह बच्चे को इसके बारे में समझाते ? यह बहुत ही अफसोसनाक है कि शिक्षक ने बच्चे को बुरी तरह से पीटा। आज की शिक्षा बाल केंद्रित शिक्षा है और बाल केंद्रित शिक्षा बच्चों की समस्याओं पर ध्यान देती है। सरकार और माननीय अदालतों द्वारा समय समय पर इस संबंध में विभिन्न दिशा-निर्देश जारी करने के बाद में भी हमारे समाज में ऐसा हो रहा है, तो वाकई यह बहुत ही दुखद और अफसोसनाक है। क्या शिक्षकों को बच्चों के साथ अच्छे व्यवहार के साथ नहीं पेश आना चाहिए ?बच्चे को किताब न लाने पर समझाया-बुझाया भी जा सकता था कि यह अच्छी बात नहीं है।अभिभावकों को भी सूचित किया जा सकता था, लेकिन बच्चे को बुरी तरह से पीटने को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता है। बच्चे को पीटना तो यही दर्शाता है कि शिक्षक कहीं न कहीं कुंठा का शिकार था।

बच्चों को यातना दिया जाना किसी भी सूरत में सही नहीं ठहराया जा सकता है।यह विडंबना ही है कि आज बाल केंद्रित शिक्षा के इस युग में भी स्कूलों में बच्चों को यातना दिए जाने की समस्या को खत्म करना अब तक भी संभव नहीं हो सका है। मीडिया के हवाले से यह पता चला है कि उत्तर- पूर्वी दिल्ली के तुकमीरपुर में स्थित एक राजकीय स्कूल में छठी कक्षा के एक विद्यार्थी को एक विषय की किताब घर पर भूल जाने की बात पर एक शिक्षक ने बच्चे की इस तरह से पिटाई की कि उसकी गर्दन में सूजन आ गई। बच्चे की तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर मामले ने तूल पकड़ा और स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज हुई। बताया जा रहा है और अब मामले की जांच की जाएगी, लेकिन यहां यक्ष प्रश्न यह है स्कूलों में बच्चों के उत्पीड़न पर(शिक्षकों द्वारा बच्चों के साथ बुरी तरह से मारपीट, बुरा बर्ताव) रोक क्यों नहीं लग पा रही है ? यहां यह उल्लेखनीय है कि स्कूलों में किसी भी कारण से बच्चों को शारीरिक या मानसिक दंड पर सख्त पाबंदी है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि भारत में बच्चों के लिए लाए गए निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा (आरटीई) अधिनियम, 2009 में शारीरिक सज़ा और मानसिक प्रताड़ना को रोकने का प्रावधान किया गया है।अगर बच्चे को शारीरिक सज़ा या मानसिक प्रताड़ना दी जाती है तो इस पर आरटीई का सेक्शन 17(1) रोक लगाता है और इसके सेक्शन 17(2) में इसमें सज़ा का प्रावधान किया गया है।अगर कोई इन प्रावधानों का उल्लंघन करता है तो उस व्यक्ति के ख़िलाफ़ मौजूदा सेवा नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

बहरहाल, पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि शिक्षकों को प्रशिक्षण के दौरान भी यह बताया जाता रहा है कि कक्षा में उन्हें बच्चों के साथ बेहद मानवीय और साफ्ट तरीके से पेश आना चाहिए। शिक्षक द्वारा बच्चे को किसी भी तरह की शारीरिक सज़ा जिससे बच्चे को दर्द हो, चोट लगे, बैचेनी होने लगे, नहीं दी जा सकती है। यहां तक कि बच्चे को बेंच पर या दीवार के सहारे खड़ा करना मानसिक प्रताड़ना में शामिल किया गया है।इसके अलावा बच्चे पर तंज कसना, अलग-अलग नाम से बुलाना, डांटना, डराना, अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल करना या नीचा दिखाना, शर्मसार करना आदि को भी इसमें शामिल किया गया है।

दिनभर में 4 आरती...बेहद खास होता है बुद्धेश्वर महादेव का भव्य श्रृंगार

यूपी की राजधानी लखनऊ में स्थित बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में हर रोज बाबा का भव्य श्रृंगार किया जाता है। इस मंदिर में रोजाना बाबा के अद्भुत रूप के दर्शन होते हैं। मंदिर में दिनभर में 4 आरती होती हैं। इन चारों आरती का विशेष महत्व है। जबकि हर रोज बाबा का श्रृंगार रात को शयन आरती से पहले होता है। यह श्रृंगार बाबा के दिव्य रूप को प्रकट करता है।

सुबह की आरती से उनको जगाया जाता है, तो रात में शयन आरती से पहले बाबा का श्रृंगार किया जाता है। जबकि रात में 10:00 बजे बाबा के श्रृंगार की तैयारी शुरू हो जाती है। बाबा का श्रृंगार उज्जैन के महाकाल की तर्ज पर किया जाता है।

हर दिन बाबा को नया रूप देने से उनका भव्य श्रृंगार भक्तों का मन मोह लेता। यह रूपांतरण उनकी दिव्यता और प्रभाव को प्रकट करता है, जिससे भक्त उनके प्रति आदर्श और श्रद्धा व्यक्त करते हैं।

रोजाना बाबा का श्रृंगार ताजा फूलों से किया जाता है, जो कि उनकी दिव्यता को प्रकट करता है। उनके गर्भगृह को पूरी फूलों से सजाया जाता है, जिससे बाबा के गर्भगृह का आकर्षण बढ़ जाता है

बाबा का श्रृंगार होने के बाद रात 11 बजे तक शयन आरती होती है।ये मंदिर की आखरी आरती होती है।इसके बाद बाबा विश्राम करते हैं।

मंदिर के दोनों द्वार को भी भव्य रूप से सजाया जाता।एक द्वार पर राम का नाम तो दूसरे द्वार पर स्वास्तिक बनाया जाता है।

क्या काला धागा भी पहना जाता है राशि के अनुसार?

आपने अक्सर लोगों के हाथ और पैर में काला धागा बांधे देखा होगा। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार काला धागा पहनने से बुरी नजर और बुरी शक्तियों से हमारी रक्षा होती है, लेकिन ज्योतिष शास्त्र कहता है कि काला धागा पहनना हर व्यक्ति के लिए शुभ नहीं होता। कई बार बिना जाने काला धागा पहनने से इसके बुरे परिणाम भी सामने आ सकते हैं। इसलिए काला धागा पहनने से पहले इसके बारे में अच्छे से जान लेना ही बेहतर है। आज के दौर में लोग काले धागे को फैशन के रूप में भी अपने हाथ या पैर में बांध लेते हैं लेकिन बिना सोचे समझे काले धागे को धारण करने से कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से कौनसी राशि के जातक काला धागा पहन सकते हैं और कौन नहीं।

-किस राशि के जातकों को नहीं पहनना चाहिए काला धागा

वैदिक ज्योतिष में बताया गया है कि वृश्चिक और मेष राशि वाले जातकों को काला धागा धारण नहीं करना चाहिए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल ग्रह माने जाते हैं और मंगल लाल रंग का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके अलावा ऐसा भी माना जाता है कि मंगल ग्रह को काला रंग बिल्कुल भी प्रिय नहीं है इसलिए वृश्चिक राशि वालों को काला रंग का धागा नहीं बांधना चाहिए। मेष राशि के स्वामी भी मंगल ग्रह माने गए हैं इसी कारण से मेष राशि के लोगों पर भी यह बात लागू होती है। अगर इस राशि के लोग बिना सोचे समझे काला धागा धारण करते हैं तो भविष्य में इन्हें इसके बुरे परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

-कौन धारण कर सकता है काला धागा

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिन राशि में शनि ग्रह की स्थिति मजबूत होती है या फिर इन राशि के स्वामी शनि ग्रह माने जाते हैं, वे सभी राशि वाले काला धागा धारण कर सकते हैं। लेकिन काला धागा धारण करने के कुछ नियम बताए गए हैं। इन नियमों का पालन करते हुए काला धागा धारण किया जाए तो ये आपको फायदा पहुंचा सकता है।

-काला धागा पहनने के नियम

काला रंग शनिदेव का प्रतिनिधित्व करता है इसलिए काला धागा पहनने का सबसे शुभ दिन शनिवार माना गया है। इसके अलावा हाथ में काला धागा पहनते समय एक बात का ध्यान रखना बेहद जरूरी है कि आप जिस हाथ में काला धागा बांध रहे हैं और हाथ में किसी और रंग का धागा ना बंधा हुआ हो। काले धागे को आप हाथ में बांधने के अलावा नींबू के साथ घर के मुख्य द्वार पर भी लटका सकते हैं।

120 साल पुराने चूरू के मंदिर में शिव का 51 क्विंटल रंगीन बर्फ से किया श्रृंगार

चूरू.भगवान भोलेनाथ की आराधना के पवित्र माह सावन में आस्था के अनूठे रंग देखने को मिल रहे हैं। जहां शिव मंदिरों में महादेव का भव्य श्रृंगार किया जा रहा है। शहर के सबसे प्राचीन मंदिर में से एक मुख्य बाजार में स्थित गंगा माई मंदिर में बाबा बर्फानी की तर्ज पर भगवान भोले का 51 क्विंटल बर्फ से श्रृंगार किया गया। महादेव के अलौकिक श्रृंगार देखने के लिए मंदिर में बाबा अमरनाथ बर्फानी के दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओ का तांता लगा रहा और भजन संध्या कर भोले को रिझाया गया और बम भोले के जयकारे लगाएं गए।

मंदिर के पुजारी मोहितदीक्षित ने बताया कि बाबा भोलेनाथ के अद्भुत श्रृंगार के लिए विशेष ऑर्डर पर रंगीन बर्फ की सिलियां मंगवाई गयी और बाबा के गर्भ गृह में कारीगरों द्वारा बाबा बर्फानी की तर्ज पर भगवान भोले का 51 क्विंटल बर्फ से श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर में काली बर्फ से 5 फिट लंबा शिवलिंग तैयार किया गया जो श्रद्धालुओं में काफी आकर्षण का केंद्र रहा। 120 साल पुराना मंदिर पुजारी मोहितदीक्षित ने बताया कि मुख्य बाजार में स्थित गंगामाई का ये मंदिर करीब 120 साल पुराना है। किले नुमा इस ऐतिहासिक मंदिर में पंचमुखी शिव विराजे है। पुजारी बताते है कि पंचमुखी शिव का यह जिले का इकलौता मंदिर है जहां सावन महोत्सव में विशेष पूजा अर्चना की जाती है और हर वर्ष बाबा भोले का विशेष अलौकिक श्रृंगार किया जाता है। किलेनुमा इस ऐतिहासिक मंदिर की शहरवासियों में काफी मान्यता है मंदिर के अंदर विराजमान प्रतिमा और मंदिर के आगे झरोखे और मंदिर के ऊपर गुम्बद इस मंदिर की खूबसूरती और बढाते है।

हरियाली तीज कल

सौभाग्य और समृद्धि के लिए इस दिन होती है भगवान शिव-पार्वती की पूजा

19 अगस्त, शनिवार को हरियाली तीज है। इसे श्रावणी तीज भी कहा जाता है। क्योंकि ये सावन महीने के शुक्ल पक्ष में आती है। सुहागन महिलाओं और कुंवारी कन्याओं के लिए बहुत ही खास त्योहार होता है। इस दिन सौलह श्रंगार कर के भगवान शिव-पार्वती की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही निर्जला यानी बिना पानी पिए व्रत रखा जाता है और अगले दिन व्रत खोला जाता है।

पौराणिक मान्यता: पार्वती जी ने की थी तपस्या

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। पार्वती का कठोर तप देखकर भोलेनाथ प्रसन्न हुए। कहा जाता है कि हरियाली तीज के दिन ही शिव जी ने माता पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। अतः यही वजह है कि इस व्रत को करने से सुहागिन महिलाओं को अंखड सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद मिलता है।

पूजा से जुड़ी जरूरी बातें

सुबह जल्दी उठकर सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है फिर पीपल को जल चढ़ाते हैं। इसके बाद मिट्टी से भगवान शिव-पार्वती की मूर्ति बनाकर पूजते हैं।

सौलह श्रंगार करने के बाद महिलाएं पूजा करती हैं और पूजा की थाली में सुहाग की सभी चीजों रखी जाती हैं।

पूरे दिन व्रत-उपवास रखा जाता है। सुबह-शाम भगवान शिव-पार्वती की पूजा की जाती है।

झूला झूलाने की परंपरा

हरियाली तीज पर सुहागिनें हरे रंग को प्राथमिकता देती हैं। यह प्रकृति की समृद्धि और समृद्ध जीवन का प्रतीक रंग है। वे हरे रंग की चूड़ियां और हरे रंग के कपड़े पहनती हैं। इस दौरान महिलाएं सोलह श्रृंगार कर हाथों में मेहंदी लगाती हैं।

नवविवाहित वधू यह पर्व मायके में मनाती हैं और वैवाहिक जीवन में सुख-शांति की मंगल कामना करती हैं। हरियाली तीज के मौके पर खासतौर से पूजा-पाठ के बाद महिलाएं एक-दूसरे को झूला झुलाती हैं। इस दौरान सावन के गीत भी गाए जाते हैं।

30 नहीं 31 अगस्त को बांधें भाई की कलाई पर राखी

रक्षाबंधन कब है 2023?

पंचांग के अनुसार सावन महीने की पूर्णिमा तिथि 30 अगस्त को सुबह 10 बजकर 58 मिनट से शुरू हो रही है। वहीं इसका समापन 31 अगस्त को सुबह 07 बजकर 05 मिनट पर होगा। लेकिन 30 अगस्त को पूर्णिमा तिथि की शुरुआत के साथ ही यानी सुबह 10 बजकर 58 मिनट से भद्रा शुरू हो जा रही है, जो रात 09 बजकर 01 मिनट तक रहेगी।

कब बांधे भाई को राखी?

वैसे तो 30 अगस्त को रात में भद्रा समाप्त हो जा रही है, लेकिन रात में रक्षा सूत्र नहीं बांधना चाहिए। इसलिए 31 अगस्त 2023 को सुबह 07 बजकर 5 मिनट से पहले राखी बांध सकते हैं। इस दिन सुबह 5 बजे के बाद से सुबह 7 बजकर 5 मिनट तक शुभ समय है।

जानें क्या होती है भद्रा ?

पौराणिक कथाओं के अनुसार भद्रा का जन्म दैत्यों के विनाश के लिए हुआ था, लेकिन जब भद्रा का जन्म हुआ तो वह जन्म लेने के तुरंत बाद ही पूरे सृष्टि को अपना निवाला बनाने लगी। इस कारण से भद्रा काल में जहां भी शुभ और मांगलिक कार्य, यज्ञ और अनुष्ठान होते वहां विघ्न आने लगता है।

राखी बांधते समय इन बतों का रखें ध्यान

रक्षाबंधन वाले दिन भाई-बहन दोनों स्नान करके नए कपड़े पहन लें।

शुभ मुहूर्त में राखी बंधवाते समय सबसे पहले भाई अपने सिर पर कोई रुमाल रख लें।

हिंदू धर्म में मान्यता है कि खाली सिर से राखी नहीं बंधवानी चाहिए। साथ ही राखी बंधवाते समय भाई का मुंह पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए और पीठ पश्चिम या दक्षिण दिशा की ओर होनी चाहिए।

दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके राखी बंधवाना शुभ नहीं माना जाता है।

ब्रह्मेश्वर महादेव के दर्शन से मिलता है ब्रह्म लोक

धार्मिक नगरी उज्जैन में एक ऐसा दिव्य और अलौकिक शिवलिंग है जिसका पूजन अर्चन और दर्शन करने मात्र से मनुष्य को ब्रह्म व कृष्ण लोक की प्राप्ति होती है। यह मंदिर अत्यंत दिव्य व चमत्कारी है, जिसके बारे में कथा बताती है कि इस शिवलिंग से ऐसे जल की प्राप्ति हुई थी जिसके कारण दैत्यराज पुलोमा का वध हुआ था और इस संसार को पुलोमा के आतंक से मुक्ति मिली थी। मंदिर की पुजारी माधुरी उपाध्याय के अनुसार 84 महादेव में 65वां स्थान रखने वाले श्री ब्रह्मेश्वर महादेव का मंदिर खटीकवाड़ा में स्थित है। मंदिर में भगवान का काले पाषाण का शिवलिंग है। साथ ही मां पार्वती, भगवान श्री गणेश, कार्तिकेय स्वामी के साथ ही भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की दिव्य प्रतिमा विराजमान है, जो कि काले पाषाण की ही बनी हुई है।

अब तक आपने जितने भी शिव मंदिरों के दर्शन किए होंगे वहां आपको भगवान के शिवलिंग से बाहर की ओर कुछ दूरी पर नंदी जी विराजमान दिखाई दिए होंगे। लेकिन यह एक ऐसा मंदिर है जहां पर भगवान की जलाधारी के पास ही आपको नंदी जी विराजमान दिखाई देंगे।

पुजारी माधुरी उपाध्याय ने बताया कि वैसे तो ब्रह्मेश्वर महादेव का पूजन अर्चन और दर्शन करने से समस्त संकटों का नाश होता है, लेकिन एकादशी को इनका पूजन अर्चन करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। मंदिर में वर्ष भर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं, लेकिन अधिक मास और श्रावण मास के साथ ही शिवरात्रि पर मंदिर में नौ दिनों तक शिव नवरात्रि उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। स्कंद पुराण के अवंतीखंड में श्री ब्रह्मेश्वर महादेव की जो कथा है वह यह बताती है कि वर्षों पूर्व एक दैत्य पुलोमा हुआ करता था। जिसका आतंक कुछ इतना था कि उसने एक दिन विष्णु लोक में पहुंचकर भगवान विष्णु का वध करने का मन बनाया था। वह विष्णु लोक पहुंचा तो उसने भगवान विष्णु के नाभी कमल पर स्थित ब्रह्मा जी को देखा और सबसे पहले उनका वध करने का प्रयास किया। जब भगवान विष्णु ने दैत्य पुलोमा को ऐसा करते देखा तो उन्होंने तुरंत ब्रह्मा जी से इस दैत्य का वध करने के लिए आदेश दिया और यह भी बताया कि इस दैत्य का वध महाकाल वन में स्थित श्री ब्रह्मेश्वर महादेव का पूजन अर्चन करने और उनसे तपस्या के रूप में मिले जल के कारण होगा। ब्रह्मा जी ने विष्णु जी के कहे अनुसार ब्रह्मेश्वर महादेव की पूजा अर्चना की और जब पूजन अर्चन से भगवान शिव प्रसन्न हुए और उन्होंने ब्रह्मा जी को वह जल प्रदान किया जिसके कारण दैत्यराज पुलोमा का वध किया जा सका। बताया जाता है कि यह वही शिवलिंग है जहां भगवान श्रीकृष्ण भी पहुंचे थे, जिन्होंने इस शिवलिंग को ब्रह्मेश्वर महादेव का नाम दिया था, जिसके बाद से ही इस मंदिर को ब्रह्मेश्वर महादेव के नाम से पहचाना जाने लगा।

सुपरस्टार ने जब प्रोड्यूसर बन खेला दांव, स्टार किड्स को बनाया हीरो-हीरोइन, लेकिन डूब गए करोड़ों

स्टार किड्स का बॉलीवुड में एंट्री मारना कोई बड़ी बात नहीं है. हर साल कई स्टार्स के बच्चे अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में डेब्यू करते हैं और बड़े पर्दे पर अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरते हैं, लेकिन फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने का मतलब ये नहीं है कि उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा देती हैं. 8 साल पहले 90s के 2 पॉपुलर एक्टर्स के बच्चों ने अपनी किस्मत आजमाने की कोशिश की थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर मूवी की बहुत बुरी हालत हुई.

सलमान खान बॉलीवुड इंडस्ट्री में नए चेहरों को लॉन्च करने के लिए जाने जाते हैं. उन्होंने अपने 35 साल के करियर में कई स्टार किड्स को लॉन्च किया है, कई स्ट्रगलिंग एक्टर्स को फिल्में दिलवाई हैं, लेकिन एक बार उन्हें बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ा था. दो नए स्टार को लॉन्च करने के चक्कर में अपना करोड़ों रुपये का नुकसान कर बैठे थे. सलमान खान ने मूवी को बॉक्स ऑफिस पर हिट कराने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया था, लेकिन अफसोस ऐसा नहीं हो पाया.

साल 2015 में एक मूवी आई थी, जिसका टाइटल है 'हीरो'. इस फिल्म से आदित्य पंचोली के बेटे सूरज पंचोली ने बतौर हीरो अपने करियर की शुरुआत की थी. वहीं, सुनील शेट्टी की बेटी आथिया शेट्टी 'हीरो' फिल्म में हीरोइन बनी थीं, लेकिन दोनों का किस्मत ने बिल्कुल भी साथ नहीं दिया. आथिया शेट्टी और सूरज पंचोली की फिल्म 'हीरो' को किसी और ने नहीं बल्कि सलमान खान ने प्रोड्यूस किया था. उन्होंने ही बॉलीवुड में दोनों को लॉन्च किया था लेकिन जब फिल्म फ्लॉप हुई तो उन्हें करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा था. ये फिल्म एक भारी-भरकम बजट में बनी थी. 'हीरो' फिल्म को बनाने में 36 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, लेकिन जब ये

रिलीज हुई तो ऑडियंस को बिल्कुल भी पसंद नहीं आई. नतीजा ये हुआ कि मूवी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हो गई. वहीं, आदित्य पंचोली और आथिया शेट्टी के करियर पर पहली ही फिल्म फ्लॉप देने का दाग लग गया था.

दिलचस्प बात ये है कि 'हीरो' फिल्म को बनाने के लिए सलमान खान ने ना सिर्फ पानी की तरह पैसे बहाए थे, बल्कि फिल्म का टाइटल सॉन्ग 'मैं हूं हीरो तेरा' भी उन्होंने गाया था. उन दिनों ये 'मैं हूं हीरो तेरा' गाना बहुत पॉपुलर हुआ था, लेकिन इतना तामझाम करने के बाद भी फिल्म लोगों की उम्मीदों पर बिल्कुल भी खरी नहीं उतर पाई थीं.

'गदर' के बाद, जब पर्दे पर दोबारा दिखी थी सनी-अमीषा की जोड़ी, मेकर्स को लगा था बड़ा झटका

साल 2001 में आई बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सनी देओल और मशहूर एक्ट्रेस अमीषा पटेल की फिल्म 'गदर' ने तो बॉक्स ऑफिस पर 'गदर' मचा दिया था, और 22 साल बाद आई इनकी 'गदर 2' एक बार फिर से सिनेमाघरों में गदर मचाती नजर आ रही है, लेकिन 'गदर' के अलावा भी एक और फिल्म में इन दोनों की जोड़ी नजर आई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई थी. दरअसल, साल 2001 में आई 'गदर' के बाद सनी देओल और अमीषा पटेल की जोड़ी एक और फिल्म में नजर आई थी, जिसका नाम था 'भैयाजी सुपरहिट'. 23 नवंबर 2018 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई यह फिल्म बुरी तरह पीट गई थी. रिलीज के साथ ही यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई थी. बॉक्स ऑफिस इंडिया आंकड़ों के अनुसार, इस फिल्म को बनाने में मेकर्स के लगभग 26 करोड़ रुपये खर्च हुए थे और इस फिल्म का टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन महज 5.69 करोड़ रुपये ही रहा था.

सनी-अमीषा की जोड़ी को जिस तरह से फिल्म 'गदर' में दर्शकों का प्यार मिला था, तो वहीं फिल्म 'भैयाजी सुपरहिट' को दर्शकों ने सिरे से नकार दिया था. बता दें, इस फिल्म में सनी देओल और अमीषा पटेल के अलावा प्रीति जिंटा, अरशद वारसी, श्रेयस तलपड़े और साहिल सागर भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे. इस फिल्म की कहानी लोगों को बिल्कुल भी पसंद नहीं आई थी, जिसकी वजह से फिल्म सिनेमाघरों में ज्यादा दिनों तक चल नहीं पाई थी.

'भैयाजी सुपरहिट' एक एक्शन कॉमेडी फिल्म थी, जो नीरज पाठक द्वारा निर्देशित और चिराग धारीवाल द्वारा निर्मित थी. फिल्म की कहानी वाराणसी के रहने वाले डॉन लाल भाईसाहब दुबे (सनी देयोल) खुद को बड़े पर्दे पर देखने का सपना देखते हैं. इस पागलपन भरे मामले को सुविधाजनक बनाने के लिए, वह गोल्डी कपूर (अरशद वारसी) और तरूण पोर्नो घोष (श्रेयस तलपड़े) की मदद लेता है, जिसमें गोल्डी एक निर्देशक और तरूण एक लेखक है.

ना 'द केरल स्टोरी', ना ही 'आदिपुरुष', 2023 में पूरी साउथ इंडस्ट्री पर भी भारी पड़ी ये मूवी

साल 2023 में अब तक बॉलीवुड से लेकर साउथ इंडस्ट्री तक, कई दमदार फिल्में रिलीज हुई हैं. लगभग सबने बॉक्स ऑफिस पर छप्परफाड़ कमाई की है, लेकिन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन ही नहीं बल्कि किस मूवी को कितने लोगों ने देखा है, इससे भी फिल्म की सक्सेस और पॉपुलैरिटी का अंदाजा लगाया जाता है. इस मामले में एक हिंदी फिल्म बॉलीवुड की बाकी मूवीज़ पर ही नहीं बल्कि पूरी साउथ इंडस्ट्री पर भी भारी पड़ी है.

2023 का आधा साल खत्म हो चुका है. इस बीच कई बॉलीवुड और साउथ फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देकर जमकर पैसे पीट चुकी हैं, लेकिन अभी तक कोई भी मूवी शाहरुख खान की 'पठान' का रिकॉर्ड तोड़ नहीं पाई है. दरअसल, 'पठान' साल 2023 में रिलीज हुई वो फिल्म है, जिसे अभी तक सबसे ज्यादा लोगों ने देखा है. ये अपने आप में एक धांसू रिकॉर्ड है. उनकी फिल्म ने हाईएस्ट फुटफाल्स के मामले में साउथ इंडस्ट्री को धूल चटा दी है.

शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' इस साल जनवरी के महीने में रिलीज हुई थी, जिसमें दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम जैसे सितारों ने काम किया है. बॉक्स ऑफिस पर ये मूवी ब्लॉकबस्टर साबित हुई. इसकी कमाई ने सभी के होश उड़ा दिए थे. इसके अलावा शाहरुख खान की 'पठान' को देशभर में 3.49 करोड़ लोगों ने देखा है. सभी फिल्मों के मुकाबले ये नंबर सबसे ज्यादा है. साउथ सुपरस्टार प्रभास की 'आदिपुरुष' कमाई के मामले में मेकर्स की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई, लेकिन सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्मों की लिस्ट में 'आदिपुरुष' दूसरे नंबर है. इस फिल्म को 1.69 करोड़ दर्शकों ने देखा है.

तीसरे नंबर पर मशहूर डायरेक्टर सुदीप्तो सेन की फिल्म 'द केरल स्टोरी' है, जिसमें अदा शर्मा ने लीड भूमिका है. इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई की है. इस फिल्म का देशभर में 1.57 करोड़ लोगों ने थिएटर्स में लुत्फ उठाया है. 'द केरल स्टोरी' में दिखाया गया है कि कैसे मासूम लड़कियों को प्यार के जाल में फंसाकर सबसे पहले उनका धर्म परिवर्तन कराया जाता है और फिर उन्हें आतंकवादी संगठन आईएसआईएस जॉइन करने के लिए मजबूर किया जाता है.

शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री को भी पछाड़ दिया है. थलापति विजय, अजीत कुमार, चिरंजीवी और कई सितारों की फिल्में पीछे छूट गई हैं. थलापति विजय की मूवी 'वरिसु' को 1.40 करोड़, मणि रत्नम की 'पोन्नियिन सेल्वन 2' को 1.35 करोड़, चिरंजीवी की 'वाल्टेयर वीरैया' 1.18 करोड़ और अजीत कुमार की 'वरिसु' को 94 लाख दर्शकों ने देखा है.

बता दें कि किंग खान ने चार साल के लंबे गैप के बाद 'पठान' से सिल्वर स्क्रीन पर वापसी की थी और ये साल 2023 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म साबित हुई है. 'पठान' पहली हिंदी फिल्म है, जिसने देशभर में 500 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है. वहीं, दुनियाभर में इस 'पठान' की कमाई 1050 करोड़ रुपये है।

22 साल बाद सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड सोमी को हुआ एहसास, मांगी सुनील शेट्टी से माफी

सलमान खान के साथ कभी अपनी लव लाइफ को लेकर खबरों में रही 90 के दशक की एक्ट्रेस सोमी अली फिर चर्चे में है. एक्ट्रेस सोमी अली ने मशहूर एक्टर सुनील शेट्टी के साथ विवादों को पीछे छोड़ते हुए उनसे माफी मांगी है. सोमी अली ने कभी सुनील शेट्टी को संघर्षशील अभिनेता कह उनके साथ काम करने से इंकार कर दिया था. उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा है कि यह उनके अपने शब्द नहीं थे. उन्हें किसी से गलत सलाह मिली थी.

सोमी अली बॉलीवुड के 'दबंग' सलमान खान के साथ कभी रिश्ते की वजह से सुर्खियों में रह चुकी हैं. सोमी का कहना है कि सालों उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने सुनील से माफी मांग ली है.

बॉलीवुड ठिकाना को दिए इंटरव्यू में सोमी ने कहा, "जब मैं बॉम्बे आई तो अपने माता-पिता और भाई-बहन के बिना एक होटल में रह रही थी. मैं 17 साल की था और अकेला रहती थी. इसलिए मुझे मार्गदर्शन देने वाले लोग बहुत गलत थे. वे मुझसे जो भी कहने को कहते थे, मैं आगे बढ़कर कहती थी. तो इस वजह से गलतफहमी हो गई." उन्होंने आगे कहा कि "मुझसे कहा गया था कि मैं सुनील के साथ फिल्म न करूं और मुझे केवल बड़े अभिनेताओं के साथ ही काम करना चाहिए. मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि मैंने जो भी निर्णय लिया, वह उस समय मिले मार्गदर्शन के आधार पर था और मैं वहां ज्यादा लोगों को नहीं जानती थी."

अब सोमी अली ने सुनील शेट्टी की जमकर तारीफ की और उन्हें एक अच्छा इंसान बताया. उन्होंने कहा, "सुनील बहुत अच्छे इंसान हैं. उनका दिल साफ़ है और वह बहुत सच्चे है. 22 साल बाद मैं हाथ जोड़कर उनसे माफी मांगना चाहती हूं.' मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि यह मेरे विचार नहीं थे और यह कोई और था जो मुझे गुमराह कर रहा था." सोमी अली और सुनील शेट्टी ने साल 1994 में आई फिल्म 'अंत' में एक साथ काम किया था.

कभी हेमा मालिनी-डिंपल कपाड़िया ने गंदी समझ ठुकराई फिल्म, नई एक्ट्रेस ने लपक लिया ऑफर, ब्लैक में बिके थे टिकट

साल 1978 में आई फिल्म में एक नई हीरोइन ने कम और पारदर्शी कपड़ों में ग्लैमर और रोमांस का ऐसा तड़का लगाया था कि सिनेमाघरों के बाहर धड़ल्ले से ब्लैक में टिकटें बिकी थीं, हालांकि हेमा मालिनी और डिंपल कपाड़िया जैसी टॉप एक्ट्रेसेज को पहले यह रोमांटिक फिल्म ऑफर हुई थी, लेकिन उन्होंने फिल्म को गंदा समझकर ऑफर ठुकरा दिया था, जिसके बाद नौजवान एक्ट्रेस ने लपककर ऑफर स्वीकार कर लिया और रातोंरात मशहूर हो गईं. 45 साल पहले जब जब रोमांटिक मूवी रिलीज हुई थी, तब भारतीय समाज इतना खुला नहीं था. फिल्म में जब एक जवान और खूबसूरत एक्ट्रेस कम और पारदर्शी कपड़ों में नजर आईं, तो बॉक्स ऑफिस पर तहलका मच गया. महज 85 लाख रुपये में बनी फिल्म ने लगभग 4.5 करोड़ रुपये कमाए थे. जीनत अमान रातोंरात स्टार बन गईं, हालांकि 'सत्यम शिवम सुंदरम' पहले हेमा मालिनी, डिंपल कपाड़िया और विद्या सिन्हा को ऑफर हुई थी. तीनो एक्ट्रेस ने ज्यादा अंग प्रदर्शन के चलते फिल्म का हिस्सा बनने से मना कर दिया था. फिल्म में जीनत अमान के पारदर्शी साड़ी में एक सीन के चलते सेंसर बोर्ड ने इसे यू सर्टिफिकेट दिया था, हालांकि दर्शकों को फिल्म इतनी पसंद आई थी कि इसकी ब्लैक में खूब टिकटें बिकी थीं.

हेमा और डिंपल भी डायरेक्टर राज कपूर की पहली पसंद नहीं थे. वे लता मंगेशकर को लीड एक्ट्रेस के तौर पर कास्ट करना चाहते थे, क्योंकि फिल्म की कहानी के पीछे महान गायिका ही प्रेरणा थीं. फिल्म के जरिये शारीरिक और आत्मिक प्रेम के फर्क को बयां करने की कोशिश हुई है.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, किताब 'राज कपूर स्पीक्स' में डायरेक्टर 'सत्यम शिवम सुंदरम' को लेकर कहते हैं, 'मैंने एक ऐसे आदमी की कल्पना की थी, जो सामान्य शक्ल-सूरत वाली लड़की पर फिदा हो जाता है, लेकिन उस लड़की आवाज बहुत मधुर होती है और इसलिए मैं लता मंगेशकर को कास्ट करना चाहता था.'

'सत्यम शिवम सुंदरम' में जीनत अमान और शशि कपूर की केमिस्ट्री के अलावा इसके गाने काफी शानदार थे, जिसका संगीत लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने तैयार किया था. फिल्म के ज्यादातर गाने लता मंगेशकर की आवाज में रिकॉर्ड हुए. फिल्म का टाइटल ट्रैक काफी लोकप्रिय हुआ था.

ना कोई फिल्म, ना कोई सीरियल, तलाक के बाद, कैसे 2 बच्चों को पाल रही है सुपरस्टार से फ्लॉप बनीं करिश्मा कपूर

90 के दशक में जब एक नई अदाकारा ने बॉलीवुड में कदम रखा तो चारों तरफ बस उसी के नाम के चर्चे थे. कोई उसकी खूबसूरती पर फिदा था कोई उसकी एक्टिंग पर. उस हसीना के साथ एक गजब बात ये भी रही है कि उसने 17 की उम्र में बिना स्क्रीन टेस्ट दिए ही फिल्मों में एक्टिंग करनी शुरू कर दी थी. उसे एक्टिंग विरासत में मिली थी. उसने अपने करियर में कई सुपरहिट और हिट फिल्में दीं. वह 90 के दशक की सुपरस्टार और सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्री थी. आज वो अदाकारा भले ही फिल्में और सीरियल नहीं करती लेकिन उनकी लग्जरी लाइफ स्टाइल में कोई कमी नहीं. 49 साल की हो चुकी अभिनेत्री सालों पहले अपने पति अलग रहकर अपने बच्चों को विदेश में पढ़ाती है. ऐसे में लोग हैरान रहते हैं कि वह बिना किसी फिल्म-सीरियल के कैसे अपने बच्चों का खर्चा उठाती है.

साल 1991 में डायरेक्टर डी रामानायडू ने एक नई कहानी के साथ एक बेहद खूबसूरत जोड़ी बॉलीवुड को दी थी. भले उस जोड़ी ने आगे किसी और फिल्म में नहीं देखी गई, लेकिन फिल्म की नायिका ने दर्शकों का दिल जीत लिया था. उनकी खूबसूरती पर हर कोई अपना दिल हार बैठा था. उस फिल्म हरीश कुमार, परेश रावल, दलीप ताहिल, असरानी, शफ़ी ईनामदार और भारत भूषण जैसे मशहूर सितारों से सजी हुई थी. वह फिल्म 1990 की तेलुगु फिल्म की रीमेक थी.

वह फिल्म थी 'प्रेम कैदी' और वो एक्ट्रेस थी करिश्मा कपूर. जी हां इसी फिल्म से करिश्मा ने अपनी एक्टिंग की शुरुआत की. यह बात साल 1991 की थी. हालांकि, फिल्म साल 1992 में रिलीज हुई थी. बता दें करिश्मा कपूर खानदान की पहली लड़की थीं, जिन्होंने फिल्मों में कदम रखा था. उनसे पहले उस खानदान की बेटी-बहूओं को फिल्मों में काम करने से मनाही थी.

1991 में फिल्मों में कदम रखने वाली करिश्मा ने अपनी लाइफ में करीब 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया. वह 'प्रेम कैदी' ,'राजा हिंदुस्तानी', 'दिल तो पागल है', 'हम साथ साथ हैं','ज़ुबैदा', हीरो नंबर 1','राजा बाबू','अनाड़ी', 'बीवी नंबर 1', 'फिजा', 'गोपी किशन', 'खुद्दार', 'कृष्णा', 'साजन चले ससुराल', 'शिकारी' ' शिकारी' जैसी सुपरहिट फिल्मों के लिए जानी जाती हैं. करिश्मा ने कई सालों तक बॉलीवुड पर राज किया और दर्शकों का मनोरंजन किया.

वह 90 के दशक की बेहद डिमांडिग एक्ट्रेस थीं. उनकी जोड़ी जिस भी हीरो के साथ बनती वो स्टार बन जाता. उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर आते ही छा जाती थी. एक्टर गोविंदा, सलमान खान, आमिर खान, शाहरुख खान, सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय देवगन के साथ करिश्मा ने बहुत सारी फिल्में की. लेकिन उनकी जोड़ी गोविंदा के साथ ज्यादा हिट थी.

आपको बता दें कि करिश्मा का करियर जब पीक पर था, वह अपने अफेयर और अन्य पर्सनल बातों को लेकर खूब खबरों में रहती थीं. उनका नाम इंडस्ट्री में अजय देवगन, गोविंदा , शाहरुख खान तक के साथ जोड़ा गया. इस सब के अलावा बॉलीवुड के गलियारे में लंबे वक्त से इस बात को लेकर चर्चा हो रही थी कि करिश्मा कपूर अभिषेक बच्चन शादी करने वाली थीं. मगर असल में जो हुआ उससे सभी वाकिफ हैं. करिश्मा ने अपने करियर के पीक पर करिश्मा ने कारोबारी संजय कपूर से 2003 में शादी की थी. लेकिन ये शादी 11 बाद बेहद बुरी तरह से टूट गई थी.

साल 2016 में संजय और करिश्मा ने आपसी रजामंदी से तलाक ले लिया. इस शादी से एक बेटी समायरा और बेटा कियान राज कपूर हुआ. बता दें कि करिश्मा संजय शादी कर फिल्मों से संन्यास ले ली थीं. हालांकि शादी टूटने के बाद जब उन्होंने दोबारा फिल्मों में अपनी जगह बनाने की कोशिश की तो लोगों ने उन्हें सिरे से नाकार दिया. उन्हें आखिरी बार उन्हें जी5 के 'मेंटलहुड' नाम के वेब सीरीज में देखा गया था.

बता दें कि करिश्मा इन दिनों फिल्मों से बेहद दूर रहती हैं. लेकिन उनके पास संपत्ति की कमी नहीं है. कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, करिश्मा कपूर के पास 12 मिलियन डॉलर यानी 87 करोड़ रुपये की संपत्ति है. फिल्में न सही लेकिन उनका सोर्स ऑफ इनकम एड्स और मॉडलिंग और विज्ञापन है. यही नहीं, वह बड़े ब्रांड की एंबेसडर भी हैं. वह Babyoye कंपनी की शेयर होल्डर भी हैं.

इसके साथ ही आपको ये भी बता दें कि करिश्मा-संजय का तलाक बॉलीवुड इंडस्ट्री में सबसे महंगा तलाक कहा जाता है. खबरों की माने तो, तलाक के बाद संजय ने करिश्मा को मुंबई में बंगला दिया था. बच्चों की परवरिश के लिए संजय हर महीने 10 लाख रुपए देते हैं

. यही नहीं संजय ने बच्चों के नाम 14 करोड़ रुपये के बांड खरीदे थे, जिसका हर महीने 10 लाख रुपए ब्याज आता है जोकि करिश्मा को ही मिलता है. इसके साथ ही संजय करिश्मा को हर माह 10 लाख रूपए खर्चे के लिए देते हैं।

राणा दग्गुबाती ने मांगी सोनम कपूर से माफी? 38 साल की एक्ट्रेस ने दिया ये जवाब

साउथ सिनेमा के जाने- माने स्टार राणा दग्गुबाती लंबे वक्त के बाद सुर्खियों में आए हैं लेकिन अपनी किसी फिल्म को लेकर नहीं बल्कि एक बयान के जरिए वे चर्चा में हैं. हाल ही में बाहुबली के विलन स्टार मलयालम सुपरस्टार दुलकर सलमान की अपकमिंग फिल्म द किंग ऑफ कोठा के एक इवेंट में शिरकत करने गए थे, जहां पर उन्होंने मीडिया के सामने एक बॉलीवुड एक्ट्रेस को लेकर कुछ ऐसा कह दिया जिसके लिए उन्हें बाद में माफी तक मांगनी पड़ी.

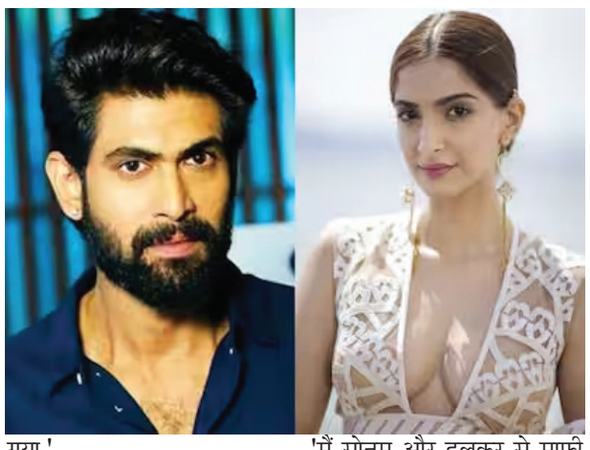

राणा दग्गुबाती ने अपने आधिकारिक ट्विटर पेज पर एक पोस्ट में सफाई पेश करते हुए सोनम कपूर से माफी मांगी है. उन्होंने ट्वीट में लिखा, 'मेरे बयान की वजह से सोनम कपूर के खिलाफ हो रही नेगेटिविटी से मैं वाकई परेशान हूं, जो पूरी तरह से झूठ हैं और इसे बहुत नॉर्मल तरीके से कहा था. बतौर फ्रेंड्स हम हमेशा एक-दूसरे के साथ मस्ती-मजाक करते रहते हैं और मुझे गहरा अफसोस है कि मेरे शब्दों का गलत मतलब निकाला गया.'

हालांकि, उस दौरान राणा दग्गुबाती ने किसी के नाम का जिक्र नहीं किया लेकिन नेटिजन्स तुरंत समझ गए कि वे बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर को लेकर बोल रहे थे और यह घटना 'द जोया फैक्टर' की शूटिंग के दौरान हुई थी. बता दें कि साल 2019 में दुलकर सलमान ने सोनम कपूर के साथ फिल्म 'जोया फैक्टर' में काम किया था. हालांकि, ये मूवी बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई थी.

राणा दग्गुबाती ने आगे लिखा, 'मैं सोनम और दुलकर से माफी मांगता हूं. मैं दोनों का बहुत सम्मान करता हूं और मुझे उम्मीद है कि यह क्लेरिफिकेशन किसी भी अटकल और गलतफहमी को समाप्त कर देगा. समझने के लिए धन्यवाद.' इसके बाद सोनम कपूर का भी बिना नाम लिए बयान आया. उन्होंने लिखा, 'बस एक छोटी सी बात जो मैं चाहती हूं कि कुछ लोग जानें...खासकर उन लोगों के बारे में चर्चा करते समय जो मनगढ़ंत बातें करते हैं.'

दरअसल, हाल ही में राणा दग्गुबाती ने 'किंग ऑफ कोठा' के इवेंट में दुलकर सलमान की तारीफ की थी और उन्हें अपना अच्छा दोस्त बताया था. तेलुगू स्टार ने बताया कि सलमान दुलकर काफी शांत इंसान हैं. इसी बात का एक उदाहरण देते हुए उन्होंने आगे कहा था, जब वे एक हिंदी फिल्म कर रहे थे जिसकी शूटिंग मेरे घर के पास ही हो रही थी. मैं वहां दुलकर से मिलने गया था और वहां वो एक स्पॉट बॉय के साथ कोने में खड़े थे, तो उस फिल्म में काम कर रही एक बड़ी हिंदी हीरोइन अपने पति के साथ लंदन में शॉपिंग के बारे में फोन पर बातचीत कर रही थीं.

राणा का कहना है कि शूटिंग के दौरान सोनम के इस तरह से बिजी होने और फोकस की कमी से मूवी के शॉट्स पर असर पड़ा जिससे सेट पर मौजूद लोग नाराज हो गए थे. ऐसी स्थिति होने के बावजूद, दुलकर ने धैर्य नहीं खोए और समझदार बने रहे, तनाव को कम किया और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखा. वे किसी टेंशन में नहीं आए और न ही कुछ कहा, सिर्फ नॉर्मल ही बने रहे.'

अमिताभ ने शाहरुख को याद दिलाया अधूरा वादा

बोले- गौरी से वैनिटी वैन डिजाइन करवाने का ऑफर दिया था, लेकिन अभी तक आई नहीं

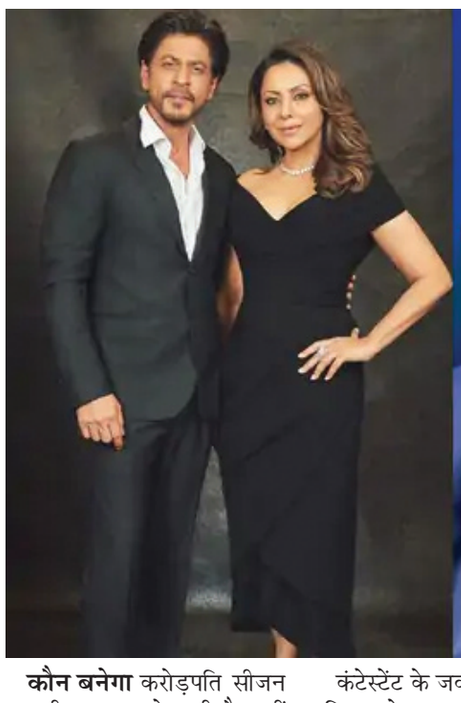

कौन बनेगा करोड़पति सीजन 15 की शुरुआत हो चुकी है। वहीं अब KBC के तीसरे एपिसोड में दिग्गज एक्टर ने शाहरुख खान और उनकी पत्नी से जुड़ा एक किस्सा किया है। दरअसल, शो के दौरान कंटेस्टेंट कपिल देव के लिए गौरी खान से जुड़ा एक सवाल आया था।

KBC में पूछा गया गौरी खान से जुड़ा सवाल

दरअसल, शो के दौरान कपिल से सवाल पूछा गया- 'माई लाइफ इन डिजाइन' किताब की ऑथर किसकी पत्नी हैं? ऑप्शन थे- सचिन तेंदुलकर, शाहरुख खान अक्षय कुमार और चेतन भगत। कपिल ने सही दबाव देते हुए किताब की ऑथर का नाम गौरी खान बताया।

कंटेस्टेंट के जवाब देने के बाद अमिताभ ने बताया कि शाहरुख ने उन्हें गौरी खान से वैनिटी वैन डिजाइन करवाने का ऑफर दिया था, लेकिन उन्होंने अभी तक पूरा नहीं किया है। वो वादा था अमिताभ के लिए खास वैनिटी वैन डिजाइन करने का।

बिग ने की गौरी खान की तारीफ

कंटेस्टेंट की जानकारी की तारीफ करते हुए बिग बी ने उसकी सराहना की। गौरी की नई किताब के बारे में बात करते हुए, उन्होंने उनकी तारीफ तारीफ की। एक्टर ने बताया कि गौरी ने इस किताब में बतौर अपनी जर्नी के बारे में लिखा है। साथ ही इस किताब में उनके परिवार की कई खास तस्वीरें भी हैं।

गौरी से वैनेटी वैन डिजाइन करवाने का ऑफर दिया: अमिताभ

बुक के बारे में बात करने के बाद अमिताभ ने कहा- 'मैं हाल ही में शाहरुख खान के साथ शूटिंग कर रहा था। मुझे उनकी वैनिटी वैन बेहद खूबसूरत लगी थी। उनकी वैनिटी में एक टीवी, कुर्सियां, स्लाइडिंग दरवाजे, मेकअप के लिए जगह और एक बाथरूम भी था।

शाहरुख ने मुझे बताया कि गौरी ने इसे डिजाइन किया है। उन्होंने यहां तक कहा कि मैं उनसे आपके लिए एक डिजाइन तैयार करने के लिए कहूंगा।'अमिताभ आगे हंसते हुए बोले- लेकिन अभी तक वह नहीं आई।

नहीं पता कि सेंसर बोर्ड में फैसले लेने वाले कहां से आते हैं, मैं बस अभिनय करता हूं : पंकज त्रिपाठी

फिल्म 'गदर 2' के साथ रिलीज हुई अक्षय कुमार, पंकज त्रिपाठी और यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'ओएमजी 2' को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। रिलीज के दिन के बाद से ही फिल्म का कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है। इस फिल्म को लेकर अभिनेता पंकज त्रिपाठी को एक ही बात का मलाल है कि अगर फिल्म को 'ए' सर्टिफिकेट नहीं मिला होता तो यह फिल्म टीनएजर्स तक भी पहुंचती जिनके लिए यह फिल्म बनाई गई है।

'ओएमजी 2' को लेकर सेंसर बोर्ड ने जो आपत्ति जताई, कहीं न कहीं सवाल यह उठता है कि सेंसर बोर्ड में ऐसे व्यक्तियों को रखना चाहिए जिन्हे सिनेमा की समझ हो। जो बदले दौर के सिनेमा को समझ सके। इस बारे में आपका क्या कहना है?

सेंसर बोर्ड में ऐसे फैसले लेने वाले लोगों का चयन कहां से और कैसे होता है. मुझे नहीं पता है। मैं अभिनेता हूं, मैं सिर्फ अभिनय तक सीमित हूं, एक्टिंग करता हूं और घर चला जाता हूं। मेरी फिल्म कहां आएगी, कब रिलीज होगी, किस ओटीटी पर आएगी, इन सबसे मेरा कोई वास्ता नहीं रहता है। पता नहीं सेंसर बोर्ड में कौन लोग होते हैं जो तय करते हैं। हां, फिल्म को 'ए' सर्टिफिकेट मिला तो मुझे निराशा जरूर हुई थी। इस फिल्म का विषय टीनएजर्स के लिए है, अगर यह फिल्म उन्हीं तक नहीं पहुंचेगी तो क्या कहें? और, वह हमारे हाथ में नहीं है।

कुछ नहीं, एक महत्वपूर्ण कहानी है। मुझे लगा कि इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहिए। फिल्म में अक्षय सर है, उनका बैकअप है, उनको कहानी पसंद थी। मेरे लिए सौभाग्य था कि मुझे इस फिल्म में काम करने का मौका मिला। इससे बड़ी मेरे लिए और क्या बात हो सकती है।

इसका पूरा क्रेडिट फिल्म के निर्देशक अमित राय को जाता है। 'ओएमजी 2' की कहानी ही अमित राय ने ऐसी लिखी है कि हमारे किरदार पसंद किए जा रहे हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट हमारे लिए मैप जैसी होती है, उसी के हिसाब से हमें यात्रा करनी होती है, मार्ग दर्शन के लिए निर्देशक तो होते ही हैं। इसमें हमारा बहुत ही कम योगदान है। इसने मैंने मालवा की बोली अपने

संवादों में बोली है। इसके लिए इंदौर के रहने वाले विक्रम मेरे कोच बने। वह डेढ़ महीने मेरे साथ ही रहे और सिखाते रहे कि किस संवाद को कैसे बोलना है, इसलिए इसका क्रेडिट उनको ही जाता है।

यह सही बात है कि हम लोग जिस पारिवारिक पृष्ठभूमि आते है, नाटक करना और ऊपर से महिला किरदार निभाना अच्छा नहीं माना जाता है। लेकिन हमारे पिता जी कुछ नहीं बोलते थे। उनका तो यही कहना था कि जो अच्छा लग रहा है करो। मेरे घर में तो अभी भी किसी चीज का विरोध नहीं हुआ है। हम पूरी तरह से खुले माहौल में पले बढ़े हैं।

ऐसा कुछ नहीं कि उस फिल्म में मैंने कोई छाप छोड़ दी थी। जब लोग आज की फिल्मों को देखते हैं, तब उनको याद आता है कि मैने फलां फिल्म में भी काम किया था। फिल्मों में एक-एक दो-दो सीन करके यहां तक पहुंचा हूं। यह हमारी जीवन की यात्रा है, करते रहते हैं और आगे बढ़ते रहते हैं। यह काम का एक हिस्सा है। तब मैं दिल्ली में था एक दोस्त की पहचान कास्टिंग डायरेक्टर से थी, उसकी वजह से फिल्म में काम मिला था।

फिल्म इंडस्ट्री में किसी से मिलकर कोई भी सहूलियत नहीं होती है। यहां आपकी प्रतिभा चलती है। और, पहले तो प्रतिभा भी नहीं चलती है क्योंकि दो चार मिनट के सीन में क्या प्रतिभा दिखा देंगे ? प्रतिभा दिखाने के लिए एक अच्छा सा लिखा किरदार होना चाहिए। लेकिन आपकी मेहनत और ईमानदारी दिखती है। मैं देखता हूं कि एक छोटा सीन कोई कलाकार मेहनत करके कर रहा है तो डायरेक्टर तय करता है कि एक और अच्छा सा शॉट लेकर रख लेते हैं और एडिटिंग टेबल में तय करते हैं कि रखना है कि नहीं। क्योंकि उस आदमी का काम के प्रति जुनून और शूटिंग के दौरान उसका व्यवहार कैसा है, प्रभावित करता है।

प्रियदर्शन और मणि रत्नम सर के साथ काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा है। दोनो अलग स्कूल है, सिनेमा को लेकर सोच और काम करने का तरीका बहुत अलग है। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि दोनों के साथ साउथ में तीन-तीन महीने तक रहा। दोनों मुझे बहुत प्यार करते हैं, क्योंकि उन दोनों ने मेरी काम के प्रति समर्पण की भावना और मेरी मेहनत को नोटिस किया था। मैं सेट पर आकर चुपचाप बिना हिले डुले बैठ जाता था। शॉट नहीं होता तो देखता रहता था कि काम का तरीका क्या है? अगर इस चीज को ऐसा किया गया तो क्यों किया गया। बिना किसी से पूछे खुद से सवाल करता था और खुद ही उन सवालों का जवाब ढूंढता था कि ऐसा हुआ होगा । मैं खुश किस्मत हूं कि अलग -अलग अलहदा किस्म के निर्देशकों के साथ काम किया।

गोविंद नामदेव ने सेंसर बोर्ड पर निकाली भड़ास, आदिपुरुष के जरिए निशाना साधा

अक्षय कुमार की फिल्म 'ओह माय गॉड 2' यानी 'ओएमजी 2' बॉक्स ऑफिस पर काबिल-ए-तारीफ प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, एक्टर का भगवान शिव के रूप में चित्रण और फिल्म की थीम, यौन शिक्षा पर सेंसर बोर्ड की आपत्ति के कारण इसे भारी झटका लगा। फिल्म की रिलीज से पहले इस पर 24 कट लगाए गए, साथ ही इसे वयस्क प्रमाणपत्र मिला। टीम ने लड़ाई लड़ी लेकिन सेंसर बोर्ड की मांगों के आगे उन्हें आत्मसमर्पण करना पड़ा।

'ओएमजी 2' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, इस मूवी को सिर्फ वयस्क ही देख सकते हैं। इसी को लेकर 'ओह माय गॉड 2' के एक्टर गोविंद नामदेव का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है। पोस्ट में वयस्क शिक्षा पर आधारित आवश्यक फिल्म के साथ अनुचित व्यवहार के लिए

सेंसर बोर्ड की आलोचना की गई है। गोविंद ने इस दौरान 'आदिपुरुष' पर भी तंज कसा और इसे बेकार बताया।

वायरल हो रहे फेसबुक पोस्ट में 'ओएमजी 2' के एक्टर गोविंद नामदेव ने लिखा है, 'ओएमजी 2, ओह माय गॉड 2 आखिरकार 24 सेंसर कट्स और सेंसलेस ए सर्टिफिकेट के साथ रिलीज हो गई है ताकि किशोरों को यह फिल्म न देखनी पड़े जिनके लिए फिल्म बनाई गई है, और सेंसर ने इसे पास कर दिया है।' हालांकि, एक्टर ने 'आदिपुरुष' जैसी फिल्म को रिलीज होने देने में विडंबना की ओर इशारा किया और 'ओएमजी 2' जैसी फिल्म में इतने सारे कट पर आपत्ति जताई।

गोविंद नामदेव ने पोस्ट में जोड़ा, 'जो दिमाग सेंसर बोर्ड को आदिपुरुष जैसी बेहूदा फिल्म में लगाना चाहिए था, उसे उन्होंने 'ओह माय गॉड 2' जैसी विचारशील और प्रगतिशील फिल्म को काटने कूटने में खर्च कर दिया। वाह।' उन्होंने सेंसर बोर्ड को यह सोचने का सुझाव भी दिया कि उन्होंने क्या किया है और लिखा, 'यह एक बुद्धिमानी भरा कदम होगा यदि सेंसर अपनी गलती सुधार ले और कम से कम यूए प्रमाण पत्र दे ताकि हमारे समाज में किशोरों के पालन-पोषण की बेहतरी के लिए एक सकारात्मक क्रांति आ सके।'

'घूमर' से पर्दे पर डेब्यू करेगा यह दिग्गज फिरकी बॉलर, बाप बेटे की दूसरी जोड़ी के खुलासे से सब हैरान

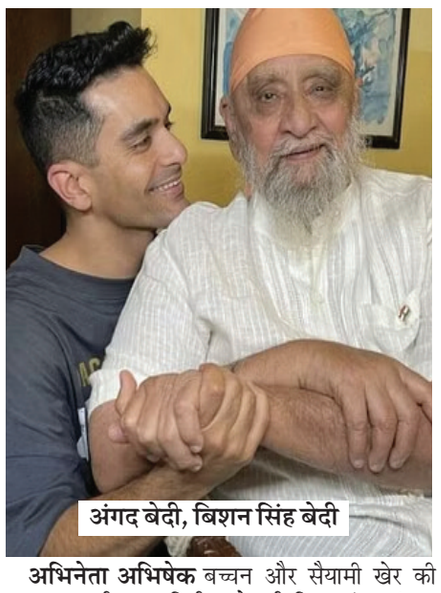

अंगद बेदी, बिशन सिंह बेदी

अभिनेता अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर की शुक्रवार यानी आज रिलीज हो रही फिल्म 'घूमर' का नाम अगर इसके साथ दिखने वाली क्रिकेट की गेंद के साथ सोचकर देखें तो एक घूमती हुई गेंद नजर आती है। क्रिकेट की भाषा में इसे गुगली या फिरकी कहते हैं और ऐसी गेंद फेंकने वाले को फिरकी गेंदबाज यानी स्पिन बोलर। भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल हो चुके कई फिरकी गेंदबाजों में गेंदबाज बिशन सिंह बेदी का नाम सम्मान से लिया जाता है। उनके बेटे अंगद फिल्म 'घूमर' में काम कर रहे हैं, ये तो अब सबको पता है लेकिन क्या आपको पता है कि इस फिल्म में अंगद के साथ उनके पिता भी होंगे।

जी हां, पूर्व क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी फिल्म 'घूमर' के साथ अभिनय की पारी खेलने को तैयार हैं। फिल्म में सैयामी खेर एक पैराप्लेजिक क्रिकेटर की भूमिका निभाएंगी, और अभिषेक बच्चन उनके क्रिकेट कोच की भूमिका निभाते दिखेंगे। शबाना आजमी ने सैयामी की दादी की भूमिका निभाई है। लेकिन रिलीज के ठीक एक दिन पहले बिशन सिंह बेदी को लेकर आई ये खबर क्रिकेट के शौकीनों के लिए काफी चौंकाने वाली है।

'पिंक', 'टाइगर जिंदा है' और 'सूरमा' जैसी फिल्मों में अपने बहुमुखी अभिनय के लिए जाने जाने वाले अंगद बेदी ने अपने पिता और 'घूमर' के उल्लेखनीय कलाकारों के साथ काम करने को लेकर उत्साह व्यक्त किया है। वह कहते हैं, 'यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मेरे पिता, जो न केवल एक महान क्रिकेटर हैं बल्कि एक अविश्वसनीय इंसान भी हैं, के साथ एक ही फिल्म में होना एक साथ काम करना एक सम्मान की बात है।'

अंगद कहते हैं, 'सैयामी और अभिषेक के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा है, और मैं दर्शकों द्वारा उस जादू को देखने का इंतजार नहीं कर सकता जो हमने एक साथ बनाया है। अभिषेक और बिग बी फिल्म में हैं। साथ में मेरे पिता और मैं भी इस फिल्म में साथ काम कर रहे हैं। ये सोचना ही मेरे लिए बहुत रोमांचक अनुभव रहा है। मैं उत्साहित हूं कि मेरे पिता इस अद्भुत फिल्म में स्क्रीन पर दिखाई देंगे, जो उस खेल को समर्पित है जिसे वह सबसे ज़्यादा प्यार करते हैं और जिसमें उन्होंने योगदान दिया है।'

फिल्म 'घूमर' के अलावा, अंगद दक्षिण में नानी और मृणाल ठाकुर के साथ तेलुगु फिल्म 'हाय नन्ना' के साथ अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसकी शूटिंग फिलहाल शूटिंग जोरों पर है। इन दिनों वह 'हाय नन्ना' की शूटिंग और अपनी फिल्म 'घूमर' का प्रमोशन एक साथ कर रहे हैं।

गदर के संगीतकार उत्तम सिंह का दर्द, मेरे गाने और बैकग्राउंड म्यूजिक गदर 2 में इस्तेमाल किया, कम से कम पूछ तो लेते

निर्माता-निर्देशक अनिल शर्मा की फिल्म 'गदर 2' इन दिनों सिनेमाघरों में खूब गदर मचा रही है। इस फिल्म के गाने 'उड़ जा काले कावा' और 'मैं निकला गड्डी लेके' पर दर्शक सिनेमाघरों में झूमे जा रहे हैं। 'गदर- एक प्रेम कथा' में इन गानों की रचना संगीतकार उत्तम सिंह ने की थी और 'गदर 2' में इन्ही गानों को रीक्रिएट करके संगीतकार मिथुन ने पेश किया है। एक समाचार पत्र ने उत्तम सिंह से यह जानने की कोशिश की, कि वह 'गदर 2' से क्यों नहीं जुड़े, तो उन्होंने बताया कि इस फिल्म के लिए उनसे किसी ने संपर्क ही नहीं किया!

बातचीत के दौरान संगीतकार उत्तम सिंह ने कहा, 'गदर 2' के लिए मुझे बोला ही नहीं गया। और, मेरी आदत नहीं है कि काम के लिए सामने से फोन करूं। साल 1962 में मेरी शुरुआत हुई थी और आज भी काम कर रहा हूं। आज भी मेरे गाने भगवान की कृपा से हिट हैं। 'वारिस', 'पेंटर बाबू' के गाने आज भी हिट हैं। 'दिल तो पागल है' को 27 साल हो गए, लेकिन लोग कहते हैं,

आज भी सारे गाने बिल्कुल ताजा हैं। ऐसा लगता है जैसे कल ही रिकॉर्ड किया है। 60 साल के करियर में मैंने आज तक किसी को फोन नहीं किया कि आप मुझे काम दीजिए। मुझे काम मांगने आता ही नहीं है, ऊपर वाले ने सिखाया ही नहीं।'

संगीतकार उत्तम सिंह कहते हैं, 'आज इन्होंने मुझे 'गदर 2' में नहीं लिया तो क्या फर्क पड़ गया मुझे? बिना काम किए ही इस वक्त पूरी दुनिया मेरा नाम ले रही है। मैंने सुना है कि फिल्म में पूरा बैकग्राउंड म्यूजिक मेरा ही उपयोग किया है। फिल्म में मेरा बैकग्राउंड म्यूजिक, मेरे दो गाने उपयोग किए। कम से कम शिष्टाचार के नाते पूछ तो लेते, बैठकर बात करते कि हमारे गाने उपयोग में ला रहे हैं।'

संगीतकार उत्तम सिंह का मानना है कि शिष्टाचार के नाते एक बार निर्माता -निर्देशक अनिल शर्मा को उनसे बात करनी चाहिए थी। वह कहते हैं, 'मुझे कोई पूछे न पूछे, कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे जितने भी गाने हैं, वह मेरे हैं। मैंने हर संगीतकार के साथ काम किया। नौशाद साहब के साथ 35 वर्षों तक काम किया। राम लक्ष्मण ने मेरे साथ 25 साल तक काम किया। आर डी बर्मन के साथ 25 साल वायलिन बजाया। देखिए, यह किस्मत की बात है कि फिल्म 'गदर 2' के सिर्फ दो ही गाने चल रहे हैं। आज भी लोग मुझे संदेश भेजते है कि क्या गाने चल रहे हैं? किसी ने बड़ी अच्छी बात कही कही कि आपने कुछ नहीं किया, लेकिन सब आपने ही किया।'

फिल्म 'गदर 2' में उत्तम सिंह के दो गानों 'उड़ जा काले कावा' और 'मैं निकला गड्डी लेके' को संगीतकार मिथुन ने रीक्रिएट किया है। उत्तम सिंह कहते हैं, 'पहले के गानों का अपना असर तो रहता ही है। जैसे हम पुराने गाने सुनते हैं 'प्यार किया तो डरना क्या' अब इस गाने की रीपैकेजिंग आप जो मर्जी कर लो, यह गाना सुपरहिट है। ऐसे ही 'गदर 2' के गाने के साथ भी हुआ है। ये गाने ऐसे हैं, इनकी कैसी भी पैकेजिंग करके पेश करो, चल रहे हैं। मैं किसी को बुरा नहीं बोल रहा हूं। जो चीजें जेहन से उत्पन्न होती हैं, जो चीज दिमाग से बनती हैं, जो चीजें तपस्या से बनती हैं, जो चीजें नॉलेज से बनती हैं। वह कभी मरती नहीं है। आज देख लीजिए परिणाम आपके सामने है। अनिल शर्मा ने 'गदर 2' देखने के लिए बुलाया था, लेकिन समय नहीं मिला, अपने कुछ कामों में बिजी था, लेकिन देखने जाऊंगा।'

फिल्म 'गदर- एक प्रेम कथा' के गानों के जुड़े अपने अनुभव को साझा करते हुए उत्तम सिंह कहते हैं, 'ऊपर वाले की कृपा रही, फिल्म के सभी गाने अच्छे बने। जब मेरे पास 'उड़ जा काले कावा' के सुर आए, मैंने ऊपर देखा और भगवान का शुक्रिया अदा किया कि तुमने मुझे दान दिया, तुमने मुझे सुर दिए। मैं कहता हूं कि कम काम करो, जो मर्जी करो, लेकिन चीज अपनी रखो, जिसमें आत्मा हो, संगीत का मूल्य हो। 'गदर -एक प्रेम कथा' को पहले फ्रेम से अंतिम फ्रेम तक सुन लीजिए। एक माला, एक हार लगेगा। एक ऐसा खूबसूरत हार, जिसके अंदर बहुत सारी खूबसूरत मोतियां हैं।'

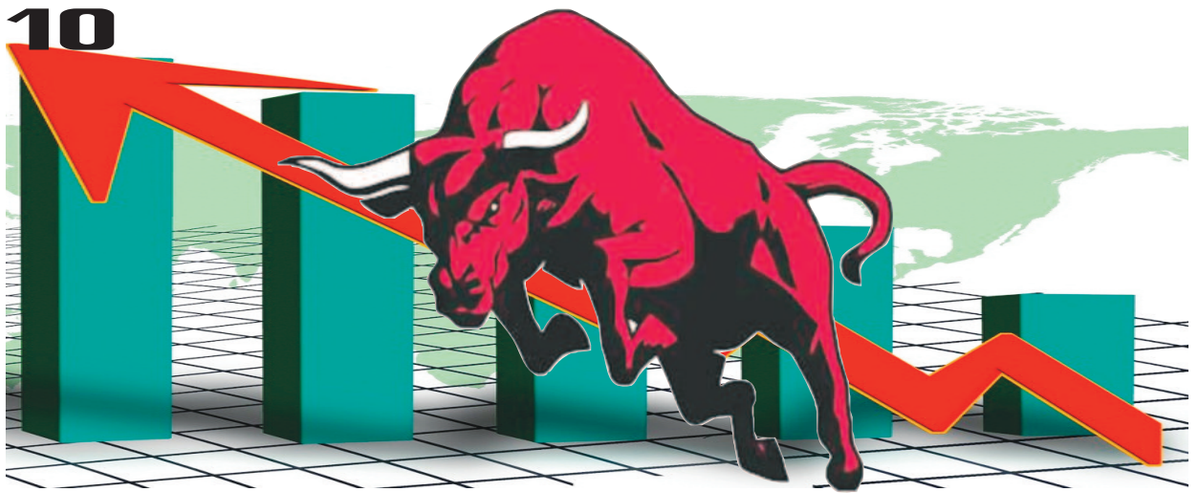

1400 करोड़ ठगी कर भागा चीनी नागरिक

अहमदाबाद, 17 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात पुलिस ने डिजिटल तरीके से धोखाधड़ी करने के एक चौंकाने वाले मामले का खुलासा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक चीनी नागरिक ने भारत पहुंच गुजरात में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर एक फुटबॉल सट्टेबाजी का ऐप बनाया। इस एप का इस्तेमाल कर उत्तरी गुजरात के 1,200 पीड़ितों को फंसाकर, उनसे लगभग 1,400 करोड़ रुपये की ठगी कर ली गई। ठगी के इस पूरे खेल को महज नौ दिनों के अंदर अंजाम दिया गया।

रिपोर्ट्स के अनुसार गुजरात पुलिस ने ठगी की खबर मिलने के बाद इस घटना का खुलासा करने के लिए एसआईटी टीम गठित की। पुलिस की तहकीकात में चीन के शेनझेन क्षेत्र के रहने वाले वू उयानबे नाम सामने आया। इस शख्स पर गुजरात के पाटन और बनासकांठा जिले में लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने का आरोप है। सीआईडी (अपराध) अधिकारियों ने कहा कि उन्हें जून 2022 में धोखाधड़ी के बारे में पता चला तब उन्होंने पाया कि कुछ ठग ₹दानी डेटा₹ ऐप के माध्यम से गुजरात और उत्तर प्रदेश में लोगों को निशाना बना रहे थे। आगरा पुलिस ने जांच शुरू की और सीआईडी (क्राइम) टीम ने उत्तरी गुजरात में कई लोगों से लिंक का पता लगाया।

उन्होंने कहा, 'हमारी जांच के दौरान हमें पता चला कि चीनी नागरिक 2020 और 2022 के बीच भारत में था। उसने पाटन और बनासकांठा में समय बिताया, जहां उन्होंने कई स्थानीय लोगों से मुलाकात की और उन्हें पैसे का लालच दिया। इसके बाद उसने और गुजरात में उसके अन्य साथियों ने मई 2022 में एप लॉन्च किया। इसने दांव लगाने के लिए लोगों को आमंत्रण दिया और पर्याप्त रिटर्न का वादा किया। अधिकारी ने कहा कि औसतन, उयानबे प्रति दिन 200 करोड़ रुपये की ठगी करने में कामयाब रहा, उसे मुख्य रूप से फुटबॉल गेम के माध्यम से 15 से 75 वर्ष की आयु के लोगों को अपना शिकार बनाया।

कुछ समय बाद लोगों को एहसास हुआ कि उनके निवेश किए गए पैसों की हेराफेरी की गई है। सीआईडी (अपराध) साइबर सेल ने बाद में मामले से जुड़े नौ लोगों को गिरफ्तार किया, इन लोगों ने कथित तौर पर मुखौटा कंपनियों की स्थापना करके हवाला नेटवर्क के माध्यम से धन जुटाने में उयंबे की मदद की। हालांकि, पाटन में आईटी अधिनियम के तहत धोखाधड़ी और उल्लंघन के लिए एफआईआर दर्ज करने के बाद अगस्त 2022 में जब तक गुजरात पुलिस हरकत में आई, तब तक साजिशकर्ता गायब हो चुका था, और चीन लौटने के लिए भारत से बाहर निकल चुका था।

सीआईडी (अपराध) उयानबे के खिलाफ पर्याप्त सबूत इकट्ठा नहीं कर सकी, और राज्य ने अभी तक उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाया है। पुलिस सूत्रों ने कहा कि मास्टरमाइंड चीन के शेन्ज़ेन, हांगकांग और सिंगापुर जैसे पड़ोसी क्षेत्रों में अपने नेटवर्क को ऑपरेट कर रहा है। वह अब भी धोखाधड़ी के लिए कई एप का संचालन करता करता है। मार्च में सीआईडी (अपराध) ने इस मामले में आरोपपत्र दायर किया था।

पीएफसी की सीएमडी चुनी गईं परमिंदर चोपड़ा

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन ने परमिंदर चोपड़ा को चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है। उनके नियुक्ति 14 अगस्त 2023 से प्रभावी होगी।

चोपड़ा देश की सबसे बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बन गई हैं। परमिंदर चोपड़ा इससे पहले जून से सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार संभाल रही थीं, साथ ही वे निदेशक (वित्त) के रूप में भी काम कर रही थीं। निदेशक (वित्त) के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान वित्त प्रभाग ने अपना उच्चतम शुद्ध लाभ, उच्चतम नेट वर्थ और सबसे कम एनपीए का स्तर हासिल किया। इससे पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन को 'महारत्न' का सर्वोच्च दर्जा प्राप्त हुआ। उन्होंने बिजली वितरण क्षेत्र के लिए 1.12 लाख करोड़ रुपये की तरलता निवेश योजना के सफल कार्यान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे आत्मनिर्भर भारत के हिस्से के रूप में शुरू किया गया था। परमिंदर चोपड़ा के पास बिजली और वित्तीय क्षेत्रों में काम करने का 35 से अधिक वर्षों का अनुभव है। पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन में चोपड़ा ने बैंकिंग, ट्रेजरी, संपत्ति देयता प्रबंधन और तनावग्रस्त संपत्ति समाधान जैसे प्रमुख वित्तीय कार्यों का नेतृत्व किया है।

आज सोने-चांदी में गिरावट

साढ़े 58 हजार के नीचे आया सोना, कैरेट के हिसाब से जानें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। आज यानी गुरुवार (17 अगस्त) को सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, आज सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 360 रुपए गिरकर 58,476 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 53,564 रुपए रह गई है।

आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार आज चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ये 401 रुपए फिसलकर 69,840 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को ये 70,241 रुपए पर थी।

केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार कुछ महीने हल्की राहत के बाद एक बार फिर महंगाई बढ़ने लगी है।

इसे कम करने के लिए अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला जारी है। इस बीच शेयर बाजार तेजी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में है। इससे सोने में निवेश की जमीन तैयार हो रही है। दो साल में यह 27% से ज्यादा रिटर्न दे सकता है।

वायदे में सोना अभी 60,000 रुपए और सर्राफा बाजार में 59,500 रुपए से नीचे है। इस साल यह 65,000 और जून 2025 तक 75,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। अभी निवेश करने पर दो साल में सोना 27% रिटर्न दे सकता है।

हर साल 800 टन सोने की खपत

हमारे देश में हर साल 800 टन सोने की खपत (डिमांड) होती है। इसमें से सिर्फ 1 टन का उत्पादन भारत में होता है और बाकी आयात किया जाता है। चीन के बाद भारत में ही सोने की सबसे ज्यादा खपत होती है।

वहीं वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के घरों में 2019 में 25,000 टन से ज्यादा सोना था और डिपार्टमेंट ऑफ द ट्रेजरी ब्यूरो ऑफ द फिस्कल सर्विस के 2021 के डेटा के मुताबिक अमेरिका के सरकारी खजाने में 8,000 टन से ज्यादा सोना जमा है। यानी अमेरिका के सरकारी खजाने से करीब तीन गुना ज्यादा सोना हमारे घरों में रखा है।

तेल के बाद डिस्काउंट पर गेहूं भी देगा रूस!

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। देश में गेहूं की बढ़ती कीमत को रोकने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक देश में गेहूं की सप्लाई बढ़ाने के लिए भारत रूस से डिस्काउंट पर आयात करने पर विचार कर रहा है। देश के कई राज्यों में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं और अगले साल आम चुनाव होंगे। उससे पहले सरकार अनाज की बढ़ती कीमत पर लगाम लगाना चाहती है। जुलाई में गेहूं की कीमत 15 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने कहा कि सरकार प्राइवेट ट्रेड और गवर्नमेंट-टू-गवर्नमेंट डील्स के जरिए आयात की सभी संभावनाओं पर विचार कर रही है। इस बारे में सोचसमझकर फैसला लिया जाएगा। भारत ने कई साल से डिप्लोमेटिक डील के जरिए गेहूं का आयात नहीं किया है। इससे पहले भारत ने 2017 में काफी मात्रा में गेहूं का आयात किया था। तब प्राइवेट ट्रेडर्स ने 53 लाख मीट्रिक टन गेहूं विदेश से मंगाया था। पिछले महीने फूड सेक्रेटरी संजीव चोपड़ा ने कहा था कि सरकार की रूस से गेहूं आयात करने की कोई योजना नहीं है। इस बारे में सरकार ने ईमेल का जवाब नहीं दिया। भारत को केवल 30 से 40 लाख मीट्रिक टन गेहूं की जरूरत है लेकिन रूस से 80 से 90 लाख मीट्रिक टन गेहूं का आयात किया जा सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि रूस ने डिस्काउंट पर भारत के गेहूं बेचने का संकेत दिया है। रूस के खाने-पीने की चीजों के एक्सपोर्ट पर कोई पाबंदी नहीं है।

ऑनलाइन गेमिंग पर 28% जीएसटी का असर

गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को चुकाना होगा 45 हजार करोड़ बकाया टैक्स जल्द जारी हो सकते हैं नोटिस

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स से 28% जीएसटी के हिसाब से बकाया टैक्स की वसूली शुरू होने वाली है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स के अधिकारियों के मुताबिक, 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद से इन कंपनियों ने 5,000 करोड़ रुपए से भी कम का टैक्स चुकाया है। इन पर कुल टैक्स की वास्तविक देनदारी 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की बनती है। इस लिहाज से इन कंपनियों से 45,000 करोड़ का टैक्स और वसूला जाएगा।

अप्रत्यक्ष कर विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, टैक्स संबंधी ताजा घोषणा के बाद ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर जीएसटी देनदारी को लेकर स्थिति साफ हो गई है। इन्हें 28% की दर से ही जीएसटी चुकाना होगा। पहले 18% की दर से चुकाए गए टैक्स का बकाया भी देना होगा।

गौरतलब है कि इस साल 11 जुलाई को जीएसटी काउंसिल ने फैसला किया था कि चाहे गेमिंग स्किल आधारित हो या चांस आधारित, उस पर लगाए गए दांव की पूरी फेस वैल्यू पर 28% की दर से ही GST लगेगा।

जीएसटी खुफिया महानिदेशालय जल्द ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी कर सकता है। इनमें वैसी विदेशी गेमिंग कंपनियां शामिल हैं, जिन्होंने 12 हजार करोड़ से अधिक की टैक्स चोरी की है। गेम्सकार्ट को पहले ही 21 हजार करोड़ की डिमांड भेजी जा चुकी है।

कुछ ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां भारत में हुई कमाई को क्रिप्टोकरंसी में बदलकर शेल (मुखौटा) कंपनियों के नेटवर्क से विदेश भेज रही हैं। मुंबई में डीजीजीआई ने ऐसे एक नेटवर्क का पता लगाया है। इस नेटवर्क ने गेमिंग ऐप्स के भारतीय यूजर्स से कमाए 700 करोड़ रुपए से ज्यादा के फंड को क्रिप्टोकरंसी में बदलकर विदेश भेज दिया था।

ऐसी अधिकांश गेमिंग कंपनियों का मुख्यालय टैक्स हेवन (कम या बिलकुल टैक्स नहीं लगाने वाले) देशों में है। ये अवैध रूप से भारत में काम कर रही हैं और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपनाती हैं।

टैक्स को लेकर फर्जीवाड़ा ऐसे

इन कंपनियों ने ड्राइवर, रेहड़ी वाले या अन्य छोटे दुकानदारों या मजदूरों को अपनी शेल कंपनियों का डमी डायरेक्टर बनाकर इनके नाम से अकाउंट खुलवा रखे हैं। इनके जरिए क्रिप्टोकरंसी खरीदकर रकम विदेश भेजी गई। अधिकारियों के मुताबिक, इनके माध्यम से ही हवाला भुगतान भी किया जा रहा था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	06-00 बजे
चंद्र-	सिंह में	कन्या..	08-07 बजे
मंगल	सिंह में	तुला...	10-12 बजे
बुध-	सिंह पें	वृश्चिक.	12-22 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	14-36 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	16-43 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	18-33 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	20-11 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	21-46 बजे
		वृष--	23-32 बजे
		मिथुन..	01-32 बजे
		कर्क...	02-45 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् -**1945**, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-**वर्षा**
महावीर निर्वाण संवत् -**2549**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **06-03** सूर्य अस्त- **18-36**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् -**5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - **20** -**01** तक उपरान्त तृतीया
मास - द्वि.श्रावण शुक्ल पक्ष , शुक्रवार **18 August**
नक्षत्र - पू.फाल्गुनी - **22-56** तक उप- उ.फाल्गुनी
योग - शिव - **20** - **26** - तक उप सिद्ध
करण- बालव - **06** -**49** - तक उप- कौलव
विशेष:- सिंजारा,श्री करपात्री जं.
व्रत -त्योहार - कन्या मे मंगल **15-54** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:45 से 12:20 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	06:03 - 07:36 शुभ	रोग.	18:36 - 20:04 अशुभ
लाभ	07:36 - 09:10 शुभ	काल.	20:04 - 21:30 अशुभ
अमृत	09:10 - 10:45 शुभ	लाभ.	21:30 - 22:55 शुभ
काल.	10:45 - 12:20 अशुभ	उत्पात	22:55 - 00:20 अशुभ
शुभ.	12:20 - 13:55 शुभ	शुभ	00:20 - 01:45 शुभ
रोग	13:55 - 15:29 अशुभ	अमृत.	01:45 - 03:10 शुभ
उत्पात	15:29 - 17:04 अशुभ	चंचल.	03:10 - 04:36 शुभ
चंचल	17:04 - 18:36 शुभ	रोग	04:36 - 06:03 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज का दिन बहुत व्यस्त रहेगा । बहुत सारे काम कतार में हैं । हालाँकि आप अपनी तरफ से उन सब कामों को निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे फिर भी सम्भावना यही है कि सब काम पूरे नही हो पायेंगे और आपको इस कारण तनाव होगा । काम पूरे करने में और किसी की सहायता लेने से ना हिचकें,नही तो आप समय पर काम पूरा नही कर पायेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज का दिन अपने सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एकदम सही है। आप किन्ही बाहरी कारणों से समय पर अपना काम खत्म नहीं कर पाये , इसलिए आपको शीघ्रता दिखानी होगी , क्योंकि आपका काफी कार्य लंबित है । आज नयी प्रतिबद्धताओं का दबाव कम होगा , इसलिए आप अपनी पुरानी प्रतिबद्धताओं को समय पर खत्म कर पाएंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा । अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे ।आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज का दिन मौज मस्ती के नाम रहेगा । आज सगे सम्बन्धियों से मुलाकात हो सकती है ,फोन या मेल के द्वारा भी संपर्क हो सकता है । वर्त्तमान समय अपने सामाजिक कौशलों को निखारने तथा आने वाली पार्टियों के लिए खुद को तैयार करने का बिलकुल सही समय है । नि के आगे बढ़ने के साथ साथ वित्तीय परेशानियां अपने आप दूर होती जायेंगी ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते । आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा । अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है । अपने माता -पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं । अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें । अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें । आपको यह जानकार आश्चर्य होगा की आपने इन पारिवारिक सत्रों से कितना कुछ सीखा है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवेश होगा ।आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है । आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा ।आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं,उसे सफलता में बदलने के लिए अपनी पूरी उर्जा को उसमें लगा दें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा , लेकिन आपको अपने जरुरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है । अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलती अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है , इसलिए अगर आपका मन बाहर जाने का कर रहा है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा ।अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें । अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें । महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोड़ा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेषण करें । यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है और आपको इसका उपयोग अपनी कमियां दूर करने के लिए इसका उपयोग जरुर करना चाहिए ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

यात्रा और यात्रा के व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए ये अच्छा समय है और आप इस से अच्छा धन लाभ कमा सकते है ! आप उच्च अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहे और जिससे आप जल्द ही कुछ लाभ पा सकते हैं । आप संपत्ति या कीमती धातुओं में भी निवेश कर सकते हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

थम गया दुनिया का इंजन, निकल गए कलपुर्जे, चीन से आ रहे डराने वाले संकेत

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। चीन को दुनिया की फैक्ट्री माना जाता है। इसकी वजह यह है कि पूरी दुनिया चीन में बने माल से पटी पड़ी है। दो दशक से अधिक समय तक दुनियाभर की कंपनियों में चीन में सस्ते में सामान बनाया और इसे पूरी दुनिया में बेचा। इसके दम पर चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बन गया। लेकिन हाल के दिनों में चीन से एक के बाद एक कई डराने वाली खबरें आई हैं। देश की इकॉनमी सुस्त पड़ गई है, एक्सपोर्ट गिर गया है, मैन्यूफैक्चरिंग का दम निकल गया है, कीमतों में गिरावट आई है और दुनियाभर की कंपनियों ने मुंह मोड़ना शुरू कर दिया है। खुद चीन के लोग आशंकित हैं। पैसे खर्च करने के बजाय वे पैसा बचाने में लगे हैं। चीन में बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है। हालत यह हो गई है कि चीन की सरकार ने युवाओं की बेरोजगारी से जुड़े आंकड़े जारी करना बंद कर दिया है। इसे चीन की आर्थिक मंदी के अहम संकेत के रूप में देखा जा रहा था। जून में चीन के शहरी क्षेत्रों में 16 से 24 साल के युवाओं के लिए बेरोजगारी दर 20 परसेंट से अधिक की रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। चीन में बेरोजगारी से जुड़े आंकड़े जारी करने वाली संस्था एनबीएस ने कहा है कि इस महीने अब बेरोजगारी डेटा को जारी नहीं करेगा। उसका कहना है कि वह इस बात पर फिर से विचार करेगा कि बेरोजगारी दर को किस तरह से मापा जाए। करीब तीन साल से चीन ने कोरोना से निपटने के लिए सख्त पाबंदी लगा रखी थी। इससे कंज्यूमर स्पेंडिंग में गिरावट आई। 2022 के अंत में जब पाबंदियां हटाई गईं तो लाखों लोगों ने रेस्टोरेंट्स और शॉपिंग मॉल्स का रुख किया और छुट्टियां मनाने चले गए। लेकिन यह जोश कुछ ही दिन में ठंडा पड़ गया। रिकवरी पटरी से उतर गई और लेबर मार्केट दबाव में आ गया। कंज्यूमर डिमांड में कमी के कारण कंपनियां लोगों को नौकरी नहीं दे रही हैं और इकनॉमिक स्थिति के कारण लोग खर्च करने की स्थिति में नहीं हैं। देश में हाउसहोल्ड डिपॉजिट 1.7 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है जो एक दशक में इसका सबसे बड़ा एक्सपेंशन है। चीन के एक्सपोर्ट में जुलाई में लगातार तीसरे महीने गिरावट रही। ग्लोबल डिमांड के सुस्त पड़ने से चीन का एक्सपोर्ट गिरा है। इससे चीन पर अपनी इकॉनमी में फिर से जान फूंकने के लिए दबाव बढ़ गया है। जून में चीन का एक्सपोर्ट पिछले साल के मुकाबले 14.5 परसेंट गिरा था जो फरवरी 2020 के बाद उसके एक्सपोर्ट में सबसे बड़ी गिरावट थी। जून की तुलना में जुलाई में देश का एक्सपोर्ट 0.9 परसेंट गिरा है।

दो दिन संभलने के बाद फिर फिसला बाजार, सेंसेक्स 388 अंक टूटा

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में वीकली एक्सपायरी के दिन बिकवाली दिखी। कमजोर वैश्विक संकेतों के बाद सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। गुरुवार को सेंसेक्स 388.40 (0.59%) अंक गिरकर 65,151.02 पर जबकि निफ्टी 99.75 (0.51%) अंक गिरकर 19,365.25 के लेवल पर बंद हुआ। बता दें कि इस हफ्ते के पहले दो कारोबारी दिन सोमवार और बुधवार को बाजार शुरुआती बिकवाली के बावजूद हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा था। मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2023) के मौके पर बाजार बंद था। एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में दिखी सबसे ज्यादा बिकवाली

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बाजार की बिकवाली के दौरान सबसे ज्यादा एफएमसीजी सेक्टर के शेयर टूटे। आईटीसी का शेयर दो प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। गुरुवार के कारोबारी सेशन के दौरान टाइटन का शेयर टॉप गेनर रहा। अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में चार प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वहीं जेएसडब्ल्यू के शेयरों में चार प्रतिशत की गिरावट दिखी। गुरुवार को रुपया डॉलर के मुकाबले चार पैसे की गिरावट के साथ अपने अब तक के सर्वकालिक निचले स्तर 83.12 रुपये पर बंद हुआ।

जीडीपी: 2031 तक सालाना 6.7% की दर से बढ़ेगी जीडीपी

वैश्विक सुस्ती और ब्याज दरों का नहीं होगा असर

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था 2031 तक सालाना औसतन 6.7% की दर से बढ़ेगी। विनिर्माण और सेवाओं के निर्यात, ग्राहकों की मांग और निकट समय में चुनौतियों के बावजूद यह वृद्धि दर जारी रहेगी। एसएंडपी ने कहा, ब्याज दरों के बढ़ने और वैश्विक धीमापन का बहुत असर अर्थव्यवस्था की तेजी पर नहीं दिखेगा।

स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (एसएंडपी) ने कहा, चालू वित्त वर्ष में देश की विकास दर 6 प्रतिशत रह सकती है। यही नहीं, जी20 (20 देशों के समूह) में भी भारत की जीडीपी सबसे तेज बढ़ेगी। पिछले माह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने चालू वित्त वर्ष के लिए विकास दर के अनुमान को 0.2% बढ़ाकर 6.1% कर दिया था। आरबीआई ने 6.5% का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 2031 तक बढ़कर 6.7 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगा, जो वित्त वर्ष 2023 में 3.4 लाख करोड़ डॉलर है। इसका मतलब प्रति व्यक्ति जीडीपी बढ़कर करीब 3.75 लाख रुपये हो जाएगी। यदि ऐसा होता है तो भारत जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विनिर्माण क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण की ओर बढ़ते

वैश्विक रुझान से नए अवसर उभरने की उम्मीद है, क्योंकि निर्माताओं को प्रोत्साहन के साथ बुनियादी ढांचे में सुधार हो रहा है। कर सुधारों से दक्षता लाभ, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे के लिए राज्य समर्थन और सरकारी सब्सिडी हस्तांतरण से रिसाव को कम करने से भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे चलकर लाभ होगा।जुलाई में फुटकर महंगाई के 15 महीने की ऊंचाई पर पहुंचने से शहरी गरीब सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। क्रिसिल ने कहा, शहरी क्षेत्रों में उच्च आय वर्ग को सबसे कम महंगाई के बोझ का सामना करना पड़ा, क्योंकि उनके खर्च में भोजन का हिस्सा कम था। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे गरीब वर्ग को अधिक महंगाई के बोझ का सामना करना पड़ा, क्योंकि वे खाने पर निर्भर हैं और जुलाई में खाद्य महंगाई सबसे ज्यादा बढ़ी है।

क्रिसिल ने कहा, इसमें 20 प्रतिशत कम आय वाले, 60 प्रतिशत मध्य आय वाले और 20 प्रतिशत ऊंची आय वालों को शामिल किया गया है। कम आय वालों में शहरों में कमाने वालों के लिए जुलाई में महंगाई 8.5 फीसदी रही जबकि गांवों में यह 7.9 फीसदी रही।

क्या अयोध्या को चारों तरफ से घेर रही आईएसआई

आसपास के 7 जिलों में यूपी एटीएस को मिले 15 एजेंट और स्लीपर सेल

अयोध्या, 17 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। जनवरी, 2024 में अयोध्या के राममंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। पीएम नरेंद्र मोदी समेत देश के बड़े नेता इकठ्ठा होंगे। हालांकि अयोध्या के आसपास के जिलों से लगातार आईएसआई एजेंट्स, आतंकी और स्लीपर सेल मेंबर्स की गिरफ्तारी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

9 नवंबर, 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया। इसके बाद से अगस्त 2020 में बलरामपुर से एक आतंकी, फरवरी-जुलाई और सितंबर 2021 में लखनऊ से 4 आतंकी, सितंबर 2021 में ही प्रयागराज, रायबरेली, और बहराइच से 3 आतंकी और अप्रैल 2022 में गोरखपुर से एक आतंकी गिरफ्तार हुआ। ये सिलसिला रुका नहीं है। सबसे नए मामले में यूपी-एटीएस ने 2 जुलाई को गोंडा से सद्दाम, 1 अगस्त को मुकीम, 16 जुलाई को रईस, 18 जुलाई को सलमान और अरमान नाम के आईएसआई एजेंट और आतंकी गिरफ्तार किए हैं। इसी केस में 6 जुलाई को गोरखपुर से तारिक नाम का शख्स भी गिरफ्तार हुआ है।

यूपी एटीएस को शुरुआती छानबीन में पता चला है कि इन सभी मामलों में आतंकियों को बाबरी मस्जिद के नाम पर भड़काया गया था। सभी स्लीपर सेल की तरह ट्रेंड किए गए थे और मिशन मिलने पर ही एक्टिव होने वाले थे। सवाल यही है कि क्या अयोध्या और राम मंदिर पर आतंकी खतरा मंडरा रहा है।

पहला आरोपीः सद्दाम शेख पर आरोपः अलकायदा, हिजबुल मुजाहिदीन और अंसार गजवातुल हिंद से कनेक्शन। सद्दाम की पत्नी बोली- मेरे पास पैसे नहीं कि उसके लिए वकील करूं। यूपी एटीएस ने सद्दाम को 2 जुलाई को लखनऊ से गिरफ्तार किया। इसी दिन उसके साथी रिजवान को जम्मू-कश्मीर से अरेस्ट किया गया। सद्दाम का घर गोंडा से करीब 20 किमी दूर जेल रोड पर पठानपुरवा गांव में है। सद्दाम की पत्नी रूबीना के मुताबिक, सद्दाम के गिरफ्तार होने के बाद से कोई कमाने वाला नहीं है। सद्दाम को आतंकी कहकर पकड़ा था इसलिए अब कोई हमारी मदद भी नहीं कर रहा, रिश्तेदार ताने मारते हैं। बच्चों को स्कूल में लोग परेशान करते हैं और सरकारी दुकान से राशन मिलना बंद हो गया है। डीलर कहता है कि मामला सुलझने के बाद राशन देंगे। रूबीना ने बताया कि सद्दाम पहले हिंदू था। उसका नाम रंजीत सिंह था। बेंगलुरु में एनटीसी कंपनी का ट्रक चलाता था। 14 जून, 2010 को हमारी शादी हुई थी। पहले सब ठीक था, लेकिन जब वो बाहर गया, तो मुझसे भी बात करना बंद कर दिया था। हमने पूछा कि क्या सद्दाम से मिलने लखनऊ जाओगी, उसके लिए वकील करोगी? रूबीना ने जवाब दिया, 'मेरे पास इतने पैसे नहीं कि बच्चों को ठीक से पाल सकूं, वकील कहां से करूंगी। हम किसी तरह दो वक्त के खाने का इंतजाम करते हैं। मेरे अंदर अब हिम्मत नहीं है।'

क्या आपको विश्वास है कि सद्दाम आतंकी है? इस सवाल पर रूबीना कहती हैं, 'अगर सब कह रहे हैं तो कुछ तो किया ही होगा, ऐसे ही कोई क्यों कहेगा।' रूबीना आगे बताती हैं, मुस्लिम बनकर मुझसे झूठी शादी की। अपने बीवी-बच्चों का नहीं सोचा, अपने मां-बाप-भाइयों को मार दिया, देश को धोखा दे दिया, तो उससे क्या उम्मीद की जा सकती है। हमें उस पर यकीन नहीं है।'

15 साल पहले पठानपुरवा आया था सद्दाम

सद्दाम को जानने वाले किस्मत अली बताते हैं, 'पठानपुरवा गांव से कुछ दूर लाला का पुरवा गांव है। इसी गांव में सद्दाम का जिगरी दोस्त राकेश रहता है। राकेश कमाने के लिए गांव से बाहर गया था, जहां वो सद्दाम से मिला था। सद्दाम ने राकेश को गाड़ी चलाना सिखाया, जिसके बाद दोनों में दोस्ती हो गई। 2007-08 में वो राकेश के साथ लाला का पुरवा आया और उस दौरान नमाज पढ़ने के लिए पठानपुरवा आया करता था।' किस्मत अली के मुताबिक, 'एक महीने पहले पुलिस आई, तो पता चला कि सद्दाम आतंकी था। पुलिस ने ही बताया कि उसका असली नाम रंजीत है। उसे ज्यादा से ज्यादा सजा मिले, उसने देश और परिवार सबके साथ धोखा किया है।'

रंजीत कब और कैसे बना सद्दाम

हमारे सामने सवाल था कि आखिर रंजीत सद्दाम कैसे बना? इसके लिए हम पठानपुरवा से लगभग 20 किमी दूर तरबगंज के गांव बरसड़ी पहुंचे। सड़क से लगभग 500 मीटर दूर गांव में घुसते ही एक पक्का मकान दिखा। लोगों ने बताया कि यही घर रंजीत का है। हमारी मुलाकात रंजीत की चाची कलावती से हुई।

कलावती बताती हैं, 'रंजीत का पूरा परिवार मुंबई में रहता है। उसके पिता भगवान सिंह फेरी लगाकर कपड़े बेचते हैं। पिछली बार कुंभ में आए थे। रंजीत को कुछ दिन पहले एटीएस लेकर आई थी, तब हमने उसे पहचाना था। एटीएस ने हमें बताया कि उसके साथ पढ़ने वाले आसिफ के पिता ने 1999 में उसका धर्मांतरण करा दिया था। इसके बाद उसे सद्दाम शेख नाम मिला था। हमारा तो उससे कोई मतलब नहीं।' इसी तरह दूसरा आरोपी मोहम्मद रईस आएसआई एजेंट बन पाकिस्तानी हैंडलर्स को गोपनीय सूचनाएं भेजीं। गोंडा के तरबगंज तहसील के दीनपुरवा गांव का रहने वाला मोहम्मद रईस, मुंबई में पुताई और मजदूरी का काम करता है। दीनपुरवा गांव में पेट्रोल पंप के बगल में उसका घर है। घर के बाहर दो दुकानें बनी हैं।

रईस के पिता हुसैन बताते हैं, 'बेटा तो जेल चला गया, लेकिन उसे आतंकी बताने के बाद से कोई दुकान पर भी नहीं आता। 6-7 साल पहले मुंबई कमाने गया था। 5-6 हजार भेज देता था, अब वो भी बंद हैं।' इसी बीच रईस की मां नूरजहां घर से बाहर आ गईं। वो कहती हैं, 'बेटे को बचाने के लिए क्या करें, कुछ समझ नहीं आ रहा। नूरजहां घर के अंदर से रईस की 10वीं की मार्कशीट निकाल लाईं। 10वीं में उसके 73% मार्क्स आए थे। मार्कशीट के हिसाब से रईस की उम्र 26 साल है। बातचीत में ही पता चला कि पाकिस्तान में नूरजहां की ननद रहती है, जिससे रईस बात किया करता था। हालांकि परिवार या रईस कभी पाकिस्तान नहीं गए।

रईस के घर से लगभग 500 मीटर की दूरी पर तीसरे आरोपी मुकीम का घर है। यहां हमारी मुलाकात मुकीम की मां सईदा से हुई। सईदा बताती हैं, 'मुकीम बहुत सीधा-साधा था। उसे तो रईस ने फंसा दिया है।' इस दौरान सईदा के पड़ोसी भी आ गए। कहने लगे कि मुकीम सीधा लड़का है, उसके खिलाफ कभी कोई शिकायत नहीं सुनी। रईस का दोस्त होने की वजह से मुकीम फंस गया। सईदा के पति नहीं है। चार बेटे हैं, जो मुंबई में काम करते हैं। मुकीम भी मुंबई में चूड़ी बेचने का काम करता है।

तरबगंज तहसील में रईस के घर से लगभग 30 किमी दूर चौथे आरोपी सलमान सिद्दीकी का घर है। सलमान को यूपी एटीएस ने 18 जुलाई को गिरफ्तार किया था। सलमान के पिता अली बताते हैं, 'मैं 35 साल से मुंबई में रहता हूं। वहां चूड़ी का काम करता हूं। सलमान भी हमारे साथ वहीं रहता और पुताई का काम करता है। 14 जून को मैं गोंडा आया था तो पीछे से पुलिस ने सलमान को उठा लिया।' अली आगे बताते हैं, 'मैंने सलमान से पूछा तो उसने बताया कि रईस ने उसे फंसाया है। उसने सलमान को 15 हजार रुपए दिए और कहा कि किसी के अकाउंट में ट्रांसफर कर दो। उसने कर दिए थे। रईस भी गोंडा का रहने वाला था, ऐसे ही दोनों की दोस्ती हो गई थी। बेटे को फंसाया गया है। लखनऊ में एक वकील से बात की है, कोई केस लड़ने के लिए भी तैयार नहीं हो रहा।' सलमान की मां हुसैना कहती हैं, 'मुहर्रम में घर आने को बोल रहा था, लेकिन पहले ही पुलिस ने उठा लिया। हमारा बच्चा तो बहुत सीधा था। उसे फंसा दिया गया।' सलमान के घर के बाहर खड़ी बुजुर्ग सहूरा बताती हैं, 'सलमान को बचपन से जानती हूं। बहुत ही सीधा लड़का है। बेगुनाह लड़के को फंसाया गया है।' एटीएस के एक बड़े अफसर ने नाम न जाहिर करते हुए बताया, 'सद्दाम आतंकी है और बाकी तीनों एजेंट हैं। इन सभी को बाबरी मस्जिद की शहादत के नाम पर भड़काया गया था। इन लोगों का मिशन बाबरी मस्जिद गिराने का बदला लेना था।' 'सद्दाम एटीएस की नजर में आया, उसकी छानबीन की तो पाकिस्तान से उसके लिंक मिले। उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की गई, तो उसने सच कबूल कर लिया। सद्दाम की निशानदेही पर ही एजेंसी गोंडा के बाकी लोगों को भी ट्रैक करने लगी।' 'सबसे पहले रईस पकड़ में आया। उसने बताया कि मुंबई में काम के दौरान उसकी मुलाकात अरमान से हुई। अरमान ने ही उसे बाबरी मस्जिद के नाम पर और भारत में मुस्लिमों पर जुल्म के नाम पर भड़काना शुरू कर दिया।'

'रईस दुबई में नौकरी करना चाहता था। अरमान ने उसे कहा कि पाकिस्तान के एक आदमी से तुम्हें कनेक्ट करा देता हूं, तुम काम के निकले, तो तुम्हें बाबरी मस्जिद का बदला लेने का मौका मिलेगा और मोटे पैसे के साथ दुबई में नौकरी भी दिला देंगे।'

'2022 में रईस को पाकिस्तानी नंबर से वॉट्सऐप कॉल आई। दूसरी तरफ से हुसैन बात कर रहा था। इसके बाद दोनों की बातचीत होने लगी। हुसैन ने रईस से कहा कि वो पाकिस्तानी जासूस है। उसने रईस से सैन्य प्रतिष्ठानों की तस्वीर मंगवाई और पैसे देने का वादा किया। रईस पाकिस्तानी जासूस हुसैन के लिए काम करता रहा और फिर उसने अपने दोस्त सलमान को भी जोड़ लिया।'

यूपी एटीएस के एक अधिकारी इस सवाल के जवाब में कहते हैं, 'अयोध्या पर 2005 में भी हमला हुआ था। तब 3 आतंकियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया और 4 गिरफ्तार हुए थे। उस केस की जांच में भी सामने आया था कि ये आतंकी नेपाल के रास्ते अयोध्या के पड़ोसी जिले अंबेडकरनगर पहुंचे थे और वहीं रहकर अयोध्या की रेकी करते थे।' अधिकारी आगे बताते हैं, 'बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद से अयोध्या में यूपी के बाकी जिलों के मुकाबले सुरक्षा व्यवस्था सख्त है। आतंकी संगठनों के निशाने पर भले ही अयोध्या हो, वे आस-पास के जिलों गोंडा, बलरामपुर, बहराइच, बाराबंकी, गोरखपुर और अंबेडकरनगर में घुसपैठ कर रहे हैं। आतंकी संगठनों के स्लीपर सेल यहां रह रहे हैं। 2019 के बाद से यहां लगातार आईएसआई एजेंट मिल रहे हैं।'

गोंडा के ताजे मामले के अलावा अयोध्या के आसपास के जिलों में लगातार आतंकी और आईएसआई एजेंट पकड़े गए हैं। अगस्त, 2020 के एक ऐसे ही मामले की पड़ताल के लिए हम गोंडा से लगभग 60 किमी दूर बलरामपुर पहुंचे। बलरामपुर की उतरौला तहसील में बढ़या भैंसाही गांव है। यहां से यूपी एटीएस ने मुस्तकीम को पकड़ा था।

मुस्तकीम के पिता कफील अहमद बताते हैं, 'मुस्तकीम उत्तराखंड में पीओपी का काम करता था। वहां एक एक्सीडेंट में उसे चोट लगी। हालत ठीक नहीं थी। लखनऊ में दिखाया गया। हालत इतनी खराब थी कि वह उठ-बैठ नहीं पाता था। हमने यहां से कुछ दूर उसकी कॉस्मेटिक की एक दुकान खुलवा दी।'

'अगस्त, 2020 में एक रिश्तेदार के यहां लखनऊ गया था। वहां से लौट रहा था कि गायब हो गया। हम लोग अगले दिन रिपोर्ट लिखाने थाने पहुंचे, तो देखा काफी फ़ोर्स लगी है। हम थोड़ा डर गए और घर लौटने लगे। रास्ते में चौकी इंचार्ज साहब मिले। वे हमें अपनी गाड़ी में बिठाकर घर ले आए। यहां भी पुलिस थी और एनआईए, एटीएस वालों की टीम भी आई थी।'

6 जुलाई को गोरखपुर से तारिक गिरफ्तार हुआ

गोरखपुर से बीती 6 जुलाई को यूपी एटीएस ने तारिक अतहर को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि तारिक अतहर आईएसआईएस से प्रभावित था। उसने पूछताछ में बताया कि उसे आईएसआईएस के आतंकी और बंदूकें प्रभावित करती हैं।

तारिक अबू बकर अल बगदादी के वीडियो भी देखता था, जिससे प्रभावित होकर वह मुजाहिद बनकर भारत में जिहाद करना चाहता है। शरिया कानून लागू कराना चाहता है। इसके लिए उसने प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस की शपथ भी ली है। उसने एक टेलीग्राम ग्रुप बनाया था और दूसरे युवकों को भी भड़का रहा था।

अयोध्या के पड़ोसी जिलों से गिरफ्तार आतंकी

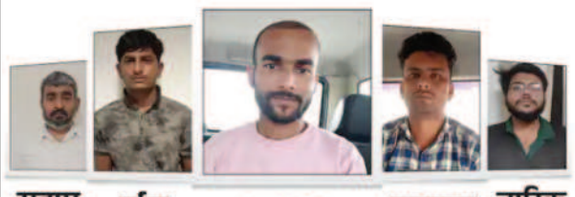

सद्दाम रईस मुकीम सलमान तारिक

- **अगस्त, 2020**
  बलरामपुर के मुस्तकीम को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया, ISIS से लिंक मिला
- **फरवरी, 2021**
  खालिस्तानी आतंकी जगदेव सिंह जग्गा को लखनऊ के जानकीपुरम से गिरफ्तार किया गया
- **जुलाई, 2021**
  अलकायदा के अंसार गजवातुल हिंद से जुड़े मिन्हाज अहमद और मसीरुद्दीन को लखनऊ से अरेस्ट किया गया
- **सितंबर, 2021**
  लखनऊ के आलमबाग से मोहम्मद आमिर, प्रयागराज के करेली से जीशान, रायबरेली के ऊंचाहार से लाला और बहराइच का अबु बकर अरेस्ट, ISI एजेंट होने का आरोप
- **अप्रैल, 2022**
  गोरखपुर से ISIS से जुड़ा अहमद मुर्तुजा अब्बासी अरेस्ट
- **जुलाई, 2023**
  गोरखपुर से तारिक, गोंडा से सद्दाम, रईस, सलमान और मुकीम गिरफ्तार, इन्हीं के साथ महाराष्ट्र के अरमान को गिरफ्तार किया गया

सुपरस्टार रजनीकांत राज्यपाल से मिले

रजरप्पा मंदिर पहुंचे, गुरु परमहंस योगानंद में है गहरी आस्था

रांची, 17 अगस्त (एजेंसियां)। अचानक सुपरस्टार रजनीकांत की तस्वीर रजरप्पा से वायरल होने लगी। बगैर किसी पूर्व सूचना के अचानक रजनीकांत रांची पहुंचे। रजनीकांत की गुरु परमहंस योगानंद पर गहरी आस्था है। रांची में योगदा सत्संग के कार्यक्रम में शामिल होने वह रांची पहुंचे थे। बताया जाता है कि यह पहली बार नहीं है इससे पहले भी रजनीकांत बगैर किसी सूचना के रांची आते रहे हैं और योगदा सत्संग के कार्यक्रम में शामिल होते रहे हैं।

राज्यपाल के किया झारखंड की धरती पर स्वागत

योगदा सत्संग सोसायटी का मुख्यालय रांची भी है। अपनी झारखंड यात्रा में रजनीकांत ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से राजभवन में मुलाकात की। राज्यपाल ने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए उनसे मुलाकात

की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, अपने मित्र, भारत के महान अभिनेताओं में से एक तथा एक शानदार इंसान रजनीकांत से मिलकर आह्लादित हूं। राजभवन में उनसे सद्भावना मुलाकात हुई। झारखंड की धरती पर उनका स्वागत है।

रजनीकांत की यह यात्रा बेहद गोपनीय रखी गयी थी। राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात के बाद रजनीकांत रजरप्पा में स्थित छिन्नमस्तिका मंदिर पहुंचे। साधारण व्यक्ति की तरह पूजा की। जैसे ही आसपास के लोगों को पता चला कि रजनीकांत यहां पहुंचे हैं उनकी एक झलक के लिए लोगों की भीड़ जमा होने लगी। कुछ लोगों ने सेल्फी के लिया आग्रह किया तो रजनीकांत ने तस्वीर भी खिंचवाई। मंदिर के अंदर मौजूद पंडित ने बताया कि मैं देखकर हैरान रह गया हमें पहले से सूचना नहीं थी कि वह आ रहे हैं अचानक वो सामने थे वह किसी सामान्य व्यक्ति की तरह आये पूजा की और चले गये। कई लोगों ने उन्हें पहचाना तो फिर कुछ तस्वीरें ली।

रजनीकांत का रांची से पुराना रिश्ता रहा है। वे यहां आध्यात्मिक साधना और प्रार्थना के लिए रांची आते रहे हैं। 2002 में पहली बार रजनीकांत उत्तराखंड के योगदा आश्रम पहुंचे थे। उन्होंने आश्रम के तत्कालीन संचालक स्वामी नित्यानंद गिरि महाराज से मुलाकात की थी।

25 किलो बारूद के साथ 4 नक्सली अरेस्ट

इनमें एक नाबालिग भी शामिल, 84 हजार कैश जब्त, हैदराबाद से लेकर आ रहे थे विस्फोटक

दंतेवाड़ा, 17 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पुलिस ने 25 किलो बारूद के साथ चार नक्सलियों को पकड़ा है। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। इन सभी के पास से करीब 84 हजार रूपए नगद भी बरामद किए गए हैं। साथ ही भारी संख्या में मोबाइल फोन और दैनिक उपयोग के सामान भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि ये हैदराबाद से विस्फोटक सामान लेकर आए थे। बीजापुर जिले में नक्सलियों तक पहुंचाना था। हालांकि, इससे पहले दंतेवाड़ा में पकड़ा गए।

15 अगस्त की रात ये सभी दंतेवाड़ा के बस स्टैंड में थे जो बीजापुर जाने वाले वाहन का इंतजार कर रहे थे। हालांकि, इसी बीच पेट्रोलिंग करते पुलिस की टीम उनके पास पहुंची। पुलिस गाड़ी को आता देख सभी भागने

लगे। पुलिस को उन पर शक हुआ। जिसके बाद सभी को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में इन्होंने अपना नाम सुभाष कुमार कड़ती (21) मनोज कुमार ओयाम (18), रमेश कुमार ओयाम (18) बताया। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। तलाशी के दौरान इनके पास से एक ट्रॉली बैग बरामद किया गया। जब बैग को खोलकर देखा गया तो उसमें से करीब 25 किलो बारूद बरामद हुआ।

साथ ही इन सभी के पास से मोबाइल फोन और 84 हजार रुपए नगद भी बरामद हुए। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार किया। इन्होंने पूछताछ में बताया कि, विस्फोटक समेत कई सामान हैदराबाद से बीजापुर नक्सलियों तक पहुंचाना था।

बीजापुर जिले के बेचापाल इलाके का ही एक नक्सली कमांडर शंकर ने इनसे विस्फोटक मंगवाया था। दंतेवाड़ा के एसपी गैराव राय ने कहा कि, टिफिन बन समेत विस्फोटक और दैनिक उपयोग का सामान इनके पास से बरामद किया गया है।

इतनी भारी संख्या में विस्फोटक मिलना यानी ये किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में थे। नक्सलियों की सप्लाई चेन को तोड़ दिया गया है। इनसे कई खुलासे भी हुए हैं।

जंगल में मिला कंकाल

मौके पर मिली चप्पल और कपड़े, डिस्पोजेबल ग्लास और शराब पीने के सबूत, डीएनए टेस्ट के लिए भेजे गए सैंपल

कोरबा, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कोरबा जिले के ग्राम रंगोले के जंगल में गुरुवार को नर कंकाल मिला है। इसकी पहचान के लिए इसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया। मौके पर फॉरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग बाघा को भी बुलाया गया। मामला पाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, रंगोले के जंगल में सुबह कुछ ग्रामीणों ने कंकाल और वहां पड़े हुए कपड़े देखे। जिसके बाद उन्होंने तुरंत पाली थाना पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस फॉरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग बाघा के साथ घटनास्थल पर पहुंची। मौके से कपड़े और चप्पल भी बरामद किए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेज दिया गया है।

आशंका जताई जा रही है कि ये नर कंकाल क्षेत्र के ही 15 दिनों से लापता प्रकाश सिंह कंवर का हो सकता है। उसके परिजनों को भी बुलाया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक अभिनवकांत सिंह ने बताया कि नर कंकाल किसका है, यह तो जांच के बाद ही साफ होगा। मौके से मिले कपड़े के आधार पर रंगोले निवासी प्रकाश सिंह कंवर (26 वर्ष) के रूप में कंकाल की पहचान हुई है। हालांकि अभी इसे पुष्ट नहीं माना जा रहा है, क्योंकि 26 जुलाई से लापता प्रकाश के परिजनों ने गुमशुदगी की कोई रिपोर्ट थाने में दर्ज नहीं कराई है। परिजनों के मुताबिक प्रकाश 10-15 दिनों के लिए बीच-बीच में कहीं चला जाता था और फिर खुद ही वापस आ जाता था। उन्होंने कहा कि पहले तो ये नर कंकाल किसका है, फिर ये हत्या है या आत्महत्या, ये जांच के बाद ही पता चल सकेगा। पुलिस ने बताया कि नर कंकाल की शिनाख्त के लिए उसका डीएनए टेस्ट भी कराया जाएगा। एएसआई डीआर ठाकुर ने बताया कि जिस जगह पर कंकाल मिला है, वो जंगल के भीतर का पगडंडी मार्ग है, जहां से दोपहिया वाहनों की आवाजाही होती रहती है। पाली की शराब भट्ठी से लगा हुआ यह इलाका है। भट्ठी के बाद नेशनल हाईवे पार कर इस जंगल से लोग आना-जाना करते हैं।

घटनास्थल के आसपास कई जगह पर डिस्पोजेबल ग्लास और शराब पीने के सबूत मिले हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि मृतक भी शराब पीने के लिए यहां पहुंचा होगा और कोई घटना हुई होगी। परिजनों ने लापता प्रकाश के आदतन शराबी होने की जानकारी पुलिस को दी है।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी उम्मीदवारों का ऐलान

21 सीटों की पहली लिस्ट जारी, पाटन से सांसद विजय बघेल लड़ेंगे चुनाव, कहा- कांग्रेस को देंगे पटखनी

रायपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने 21 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। गुरुवार को बीजेपी ने पहली लिस्ट जारी कर दी है जिसमें 21 प्रत्याशियों के नाम है। इसमें पाटन सीट से सांसद विजय बघेल को उतारा गया है। इसी सीट से वर्तमान में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विधायक हैं। प्रत्याशी बनाए जाने के बाद विजय बघेल ने कहा कि, जनता के आशीर्वाद से कांग्रेस को पटखनी देंगे।

10 सीटें अनुसूचित जनजाति की हैं, एक सीट अनुसूचित जाति वर्ग को दी गई है। बुधवार को ही बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति की मैराथन मीटिंग हुई थी। जिसमें छत्तीसगढ़ से भी डॉ रमन

सिंह, बीजेपी अध्यक्ष साव और नेता प्रतिपक्ष चंदेल समेत कई नेताओं से दिल्ली में चर्चा की गई थी। जिसके बाद गुरुवार को 21 नामों का ऐलान कर दिया गया है। खरसिया सीट की बात करें तो यहां से महेश साहू को उतारा गया, इससे पहले पूर्व आईएएस ओपी चौधरी को उतारा गया था। जिन्हें कांग्रेस के उमेश पटेल ने हराया था। उन्हें 94 हजार वोट मिले थे। जारी की गई लिस्ट में सांसद विजय बघेल का भी नाम है। उन्हें पाटन से चुनाव लड़ाया जाएगा। यहीं से प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चुनाव जीता था। बघेल सीएम बघेल के रिश्तेदार हैं, भतीजे लगते हैं। इस साल का ये चुनाव कका बनाम भतीजा होगा।

सर्कुलर रोड के सरकारी सर्किट हाउस में लगी आग

रांची, 17 अगस्त (एजेंसियां)। सर्कुलर रोड स्थित सर्किट हाउस में आग लग गई थी। यह आग सर्किट हाउस के ग्राउंड फ्लोर के कमरा नंबर 112 में लगी। आग लगने की वजह कमरे में लगे टीवी के शॉकेट के पास हुई शॉर्ट सर्किट को बताया जा रहा है। हालांकि यह पुख्ता नहीं है कि शॉर्ट सर्किट यहीं हुई थी। आग लगने की वजह से वहां कुछ देर के लिए अफरा तफरी का माहौल हो गया था। आग लगने की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी गयी। अब आग पर काबू पा लिया गया है। लालपुर थाना के सर्कुलर रोड स्थित सर्किट हाउस में दोपहर आग लगी। यहां कार्यरत कर्मचारियों ने बताया कि आग लगने की जानकारी पदाधिकारियों को दी गयी। इसके बाद यहां लगे फायर सेफ्टी गैस की मदद से आग बुझाने की कोशिश की गयी। वहीं फायर ब्रिगेड को इसकी जानकारी दी गयी। आड़े हाउस से आए फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया है।

बताया जा रहा है कि अगजनी के दौरान पूरे सर्किट हाउस में केवल एक गेस्ट थे, वो ऊपर वाले कमरे में थे। आग लगने पर हड़बड़ी में बाहर निकलने के लिए खिड़की का शीशा तोड़ने के दौरान वो घायल हुए। आग ग्राउंड फ्लोर के कमरा नंबर 112 में लगी। गेस्ट हाउस में डेकोरेशन का काम लकड़ी का किया गया है, इस वजह से आग काफी तेजी फैल गया। इस दौरान पूरे गेस्ट हाउस परिसर में धुआं भर गया था। आग पर काबू पाने के बाद अब स्थिति सामान्य होता बताया जा रहा है। इस अगजनी में कितनी क्षति हुई है, इसका आकलन करने के बाद ही पता चल पाएगा।

धार्मिक हिंसा अभिव्यक्ति नहीं

पाकिस्तान में कुरान से बेअदबी के नाम पर तोड़े चर्च, यूएस ने जताई चिंता

वाशिंगटन, 17 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बुधवार को कुरान की बेअदबी करने के नाम पर पांच चर्च तोड़े गए। इस घटना के सामने आने पर अमेरिका ने चिंता जताई और हमलों की जांच करने का आग्रह किया।

गौरतलब है, पाकिस्तान में धर्म के नाम पर अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार कोई नई बात नहीं है। यहां अक्सर ईशनिंदा के नाम पर हिंसा जैसे मामले सामने आते रहते हैं। ऐसा ही कुछ बुधवार को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के फैजलाबाद शहर में जरानवाला इलाके में सामने आया। यहां भीड़ ने कथित तौर पर कुरान की बेअदबी करने के नाम पर पांच चर्च तोड़ डाले। इतना ही नहीं, चर्च के आस-पास रहने वाले लोगों के घरों को भी जला दिए उनके साथ मारपीट की और लूटा भी। इस दौरान मौके पर पुलिस भी मौजूद थी, जो तमाशबीन बनी रही। बाद में, स्थिति को नियंत्रित करने और चमरा मंडी जरनवाला में रहने वाले ईसाई समुदाय की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान रेंजर्स को बुलाया गया है।

हिंसा अभिव्यक्ति का रूप नहीं

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि हम इस बात से बहुत चिंतित हैं कि पाकिस्तान में कुरान के अपमान के जवाब में चर्चों और घरों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि अमेरिका स्वतंत्र अभिव्यक्ति का समर्थन करता है, लेकिन हिंसा या हिंसा की धमकी को कभी भी अभिव्यक्ति के रूप में स्वीकार्य नहीं कर सकते।

कुरान का अपमान करने का आरोप

जानकारी के मुताबिक, भीड़ ने पहले आरोप लगाया कि चर्च इस्लाम विरोधी बातें करते हैं, फिर आरोप लगाया कि कुरान का अपमान किया गया है। बाद में इस्लाम के साथ बेअदबी का

आरोप लगाते हुए भीड़ ने पेट्रोल बम और पत्थर मार-मारकर पांच चर्च को तबाह कर दिया।

वहीं, भीड़ इतने पर ही नहीं रुकी। हमला करने वाले लोगों ने वहां रहने वाले ईसाई लोगों के घरों में भी पेट्रोल बम फेंके, उनके साथ लूटपाट की और घरों में तोड़फोड़ की। इस दौरान किसी ने भी विरोध की कोशिश की, तो उसे लाठी, डंडे, लात-घूंसे से बुरी तरह पीटा गया।

इस घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इनमें लोग चर्चों को बेअदबी का ठिकाना बताते हुए उन्हें जलाने की बात कर रहे हैं। इतना ही नहीं, कई लोग चर्च के लोगों को मारने और जिंदा जलाने की बात भी कर रहे हैं। वायरल वीडियो में यह भी दिख रहा है कि मौके पर कई पुलिसकर्मी मौजूद थे, जो वहां खड़े होकर बस देख रहे थे।

फैसलाबाद के असिस्टेंट कमिश्नर ने पाकिस्तान रेंजर्स को हालात को काबू में लाने के लिए बुलाया है। पंजाब गृह विभाग को लिखे गए एक पत्र में उन्होंने कहा कि इलाके में पुलिस के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, कानून-व्यवस्था की स्थिति अभी भी बहुत संवेदनशील और कमजोर है। ऐसे में आपसे अनुरोध है कि जरानवाला तहसील फैसलाबाद में कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए रेंजर्स की कम से कम दो कंपनियां भेजें।

पंजाब पुलिस प्रमुख उस्मान अनवर ने कहा कि पुलिस प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत कर रही है और इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। चर्च ऑफ पाकिस्तान के प्रमुख बिशप आजाद मार्शल ने कहा, उसके बाद कुछ कहने की हिम्मत नहीं बचती है। इस खौफनाक घटना को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। चर्च जलाए जा रहे हैं।

ताइवान को लेकर आग से खेल रहे हैं

अमेरिका पर भड़का चीन, रक्षा मंत्री ने दे डाली धमकी

मॉस्को, 17 अगस्त (एजेंसियां)। हाल ही में ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई ने अमेरिका का दौरा किया था। इसे लेकर चीन नाराज है और वह लगातार अमेरिका के खिलाफ बयानबाजी कर रहा है। अब चीन के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर ताइवान मुद्दे पर अमेरिका को धमकी दे डाली है और चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान को लेकर आप आग से खेल रहे हैं।

'ताइवान मामले में बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं'

अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर मॉस्को कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू ने कहा कि 'ताइवान का इस्तेमाल करके चीन को काबू करने की कोई भी कोशिश विफल होगी। ली शांगफू ने ये भी कहा कि ताइवान का चीन की मुख्य भूमि से मिलना अपरिहार्य है और इसे टाला नहीं जा सकता। चीनी रक्षा मंत्री ने कहा कि ताइवान चीन का आंतरिक मामला है और इसमें कोई भी बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं है।' ली शांगफू ने अपने

बयान में कहा कि 'ताइवान को लेकर आग से खेलना और ताइवान की मदद से चीन को काबू करने की कोई भी कोशिश निसंदेह असफल होगी।' यूक्रेन युद्ध के बीच मॉस्को में दिए गए चीनी रक्षा मंत्री के इस बयान के बड़े मतलब निकाले जा रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी चीन का समर्थन किया है और अमेरिका पर वैश्विक संघर्षों को भड़काने का आरोप लगाया। पुतिन ने अमेरिका पर यूक्रेन की मदद का भी आरोप लगाया।

विलियम लाई के अमेरिका दौरे से बढ़ा तनाव

बता दें कि विलियम लाई, ताइवान के उपराष्ट्रपति हैं और आगामी राष्ट्रपति चुनाव में ताइवान के राष्ट्रपति बनने की रेस में प्रमुख उम्मीदवार हैं। विलियम लाई ने हाल ही में पराग्वे का दौरा किया और पराग्वे जाते हुए वह अमेरिका में रुके। जिसे लेकर चीन की भौंहे चढ़ी हुई हैं। चीन ने विलियम लाई को लेकर कहा है कि वह बार-बार परेशानी खड़ी करते हैं। हाल के समय में कई बार ताइवान के मुद्दे पर चीन और अमेरिका में तनातनी बढ़ी है।

नेपाल ने भारत से मांगा 1 लाख टन चावल

त्योहार के सीजन में चावल-चीनी की कमी का डर, बदले में टमाटर सप्लाई कर रहा पड़ोसी

काठमांडू, 17 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल ने भारत से चावल की मांग की है। दरअसल, अगले कुछ महीनों में त्योहार का सीजन आने वाला है। ऐसे में इस दौरान खाने के सामानों की कमी से बचने के लिए नेपाल ने ये मांग की है। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, नेपाल के कॉमर्स एंड सप्लाई मिनिस्ट्री के जॉइंट सेक्रेटरी राम चंद्र तिवारी ने बताया की पिछले हफ्ते उन्होंने भारत से चावल, चीनी और धान उपलब्ध कराने की अपील की है।

नेपाल ने भारत से 10 लाख टन धान, एक लाख टन चावल और 50 हजार टन चीनी उपलब्ध कराने की मांग की है। तिवारी ने कहा- भारत ने हाल ही में घरेलू कीमतों में कंट्रोल लाने के लिए गैर बासमती चावल की सप्लाई में रोक लगा दी थी। व्यापारियों को जैसे ही ये पता चला, उन्होंने भारी मात्रा में चावल की जमाखोरी शुरू कर दी। इसकी वजह से नेपाल में

गैर-बासमती चावल की कीमतें बढ़ गईं। नेपाल इसके बदले भारत को टमाटर की सप्लाई कर रहा है। भारत में टमाटर की कीमतें आसमान छू रही हैं। ऐसे में नेपाल ने मदद का हाथ बढ़ाया है। गर्मी और बारिश के कारण टमाटर की कीमत बढ़ गई है।

चावल-चीनी के दाम बढ़ने का डर

नेपाल के जॉइंट सेक्रेटरी ने कहा- फिलहाल बाजार में चावल और चीनी की कोई कमी नहीं है, लेकिन अक्टूबर-नवंबर के बीच त्योहार के समय में चावल और चीनी की खपत बढ़ जाती है। इसका सीधा असर कीमतों पर पड़ता है। आम जनता को भविष्य में किसी तरह की कमी का सामना न करना पड़े, इस वजह से सरकार पहले से तैयार रहना चाहती है।

भारत ने चावल के सप्लाई पर बैन क्यों लगाया?

20 जुलाई को भारत ने डोमेस्टिक सप्लाई को बढ़ने और त्योहार के वक्त रिटेल कीमतों को कंट्रोल में रखने के लिए गैर-बासमती सफेद चावल की सप्लाई में रोक लगा दी थी। देश से करीब 25% सप्लाई गैर-बासमती सफेद चावल की होती है। नेपाल में मुख्य रूप से चावल खाया जाता है इसलिए चावल की कमी पूरी करने के लिए एक बड़ा हिस्सा वहां भारत से जाता है।

सऊदी अरब सरकार ने अमेरिकी नागरिक को दी मौत की सजा

अब तक 19 विदेशियों की ली जान

रियाद, 17 अगस्त (एजेंसियां)। सऊदी अरब में बुधवार को एक अमेरिकी नागरिक को मौत की सजा दी गई। जिस अमेरिकी नागरिक को सजा ए मौत दी गई, उस पर अपने मिस्त्र मूल के पिता को यातना देने और फिर उनकी हत्या करने का आरोप था। इसके साथ ही इस साल सऊदी अरब की सरकार 19 विदेशी नागरिकों को मौत की सजा दे चुकी है। मौत की सजा पाए अमेरिकी नागरिक की पहचान बिशॉय शरीफ नाजी नसीफ के रूप में हुई है।

पिता की हत्या के आरोपी को दी मौत की सजा

बिशॉय शरीफ नाजी नसीफ के बारे में मीडिया में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है और ना ही ये बताया गया है कि नाजी नसीफ को कैसे मारा गया। चूंकि सऊदी अरब में आमतौर पर गर्दन काटकर लोगों को मौत की सजा दी जाती है तो माना जा रहा है कि

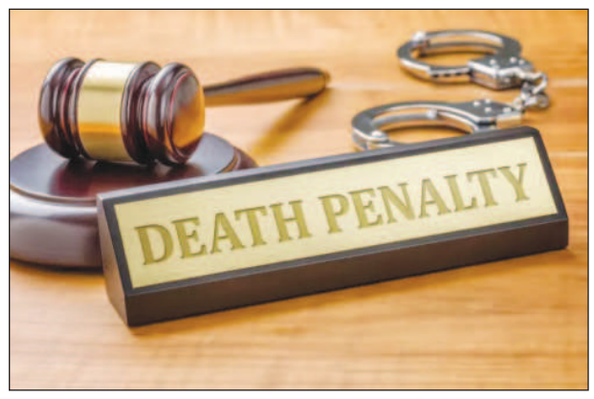

इस मामले में भी ऐसी ही सजा मिली होगी। नसीफ पर आरोप था कि उसने अपने पिता को पहले मारा-पीटा और फिर गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद नसीफ ने शव को क्षत-विक्षिप्त कर दिया। आरोपी ड्रग्स का आदी था और जब उसे गिरफ्तार करने की कोशिश की गई तब भी उसने एक अन्य व्यक्ति पर जानलेवा हमला किया। मानवाधिकार संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल के आंकड़ों के अनुसार, साल 2022 में चीन और ईरान के बाद सऊदी अरब में सबसे ज्यादा लोगों को मौत की सजा दी गई। इसे लेकर सऊदी अरब सरकार की लगातार आलोचना भी होती है। सऊदी अरब सरकार अपने विजन 2030 के तहत अपनी कट्टरपंथी छवि को मिटाकर सामाजिक और आर्थिक सुधार करने की दिशा में काम कर रही है लेकिन इतनी बड़ी संख्या में लोगों को मौत की सजा मिलने से सऊदी अरब की छवि धूमिल हो रही है।

इस साल अब तक 19 विदेशी नागरिकों को दी मौत की सजा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सऊदी किंग मोहम्मद बिन सलमान के साल 2015 में सत्ता संभालने के बाद से सऊदी अरब में 1000 से ज्यादा लोगों को मौत की सजा दी गई है।

इस साल ही 91 लोगों को अब तक मौत की सजा दी जा चुकी है। साथ ही अमेरिका, बहरीन, बांग्लादेश, मिस्त्र, भारत, जॉर्डन, नेपाल, पाकिस्तान, यमन और फिलीपींस के 19 नागरिकों को भी इस साल सऊदी अरब में मौत की सजा दी गई है। बीते साल सऊदी अरब में 147 लोगों को मौत की सजा दी गई। वहीं 2021 में यह आंकड़ा 69 था।

56 करोड़ सोने की तस्करी का मामला

नेपाल ने भारत-चीन से मांगी मदद

नेपाल, 17 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में सोने की तस्करी की एक बड़ी घटना को लेकर प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने भारत और चीन से मदद मांगी हैं। उन्होंने इस घटना की जांच के लिए भारत, चीन और इंटरपोल से संपर्क किया है। गौरतलब है, नेपाल के राजस्व विभाग ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 19 जुलाई को 100 किलोग्राम सोना जब्त किया है, जिसकी कीमत 56 करोड़ से अधिक है। खास बात यह है कि नेपाल के सीमा शुल्क विभाग की तरफ से पहले इसे मंजूरी दे दी गई थी। जांच में सामने आया कि यह खेप चीन के हांगकांग से आई थी और इसे दिल्ली पहुंचाना लक्ष्य था।

नेपाल पीएम ने विपक्ष पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री प्रचंड ने करीब दो घंटे मीडिया से बातचीत की। इस

दौरान उन्होंने विपक्ष और उसके नेता केपी ओली पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने पूछा कि विपक्ष जांच में सरकार का सहयोग क्यों नहीं कर रहा है? पीएम ने कहा कि विपक्ष व उसके नेता संसद को बाधित कर रहे हैं, जहां कई महत्वपूर्ण कानून पारित होने हैं।

बता दें, नेपाल के प्रधानमंत्री इसी साल जून में भारत यात्रा पर आए थे। इस दौरान उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ मुलाकात की थी। इस दौरान भारत-नेपाल सीमा को लेकर हुए विवाद पर भी चर्चा हुई थी।

बता दें कि बीते वर्ष भारत और नेपाल के बीच उत्तराखंड सीमा पर बॉर्डर को लेकर काफी विवाद हुआ था।दहल ने कहा कि भारत की यात्रा के दौरान पड़ोसी देश सीमा विवाद सुलझाने और नेपाल से 10 हजार मेगावाट बिजली खरीदने पर सहमत हुआ था।

उन्होंने कहा कि हम नेपाल-चीन सीमा पर दो ट्रांसमिशन लाइनें स्थापित करने के लिए चीन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। बता दें, दहल 23 सितंबर से तीन दिवसीय यात्रा पर चीन जाने वाले हैं।

कोरोनाकाल में नशे में धुत हो दोस्त को ट्रक से घसीटा, तोड़े सारे नियम

भारतवंशी युवक को भेजा गया जेल

सिंगापुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। सिंगापुर की एक अदालत ने मंगलवार को भारतीय मूल के व्यक्ति को 21 महीने से अधिक जेल की सजा और 5,000 डॉलर यानी 305627 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया है। एक भारतवंशी व्यक्ति ने कोरोनाकाल में अपने दोस्तों के साथ शराब पी। बाद में नशे में धुत होकर लड़ाई की। झगड़ा बढ़ने पर शख्स ने अपने दोस्त को ट्रक से घसीटा।

तीन साल पहले की घटना

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 41 वर्षीय प्रदीप राम पर एक पुलिस अधिकारी को धमकी देने और दूसरे अधिकारी को अपशब्द कहने का भी आरोप लगा था। बता दें, घटना साल 2020 की है। उस दौरान आरोपी के खून में शराब की निर्धारित सीमा से दोगुना अधिक पाई गई थी, जिसके बाद उसे 10 साल के लिए

गाड़ी चलाने से अयोग्य घोषित कर दिया था। अब उसे 21 महीने और दो सप्ताह जेल की सजा सुनाई गई।

राम पर चार आरोप लगाए गए थे, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया है। इनमें से एक मामला खतरनाक ड्राइविंग के कारण गंभीर चोट पहुंचाने का था और दूसरा एक पुलिस अधिकारी के प्रति अपमानजनक शब्दों का उपयोग करने का था।

उप लोक अभियोजक टिमोथियस कोह ने बताया कि 24 मई, 2020 को रात करीब नौ बजे राम और उसका दोस्त प्रवीण एक अन्य दोस्त के घर पर रात का खाना खाने और शराब पीने के लिए मिले थे। उस समय सिंगापुर में कोविड-19 महामारी को रोकने के लिए कई कड़े प्रतिबंध लगाए गए थे। इन प्रतिबंधों के बावजूद यह लोग एक जगह एकत्र हुए।

रात में पार्टी करने के बाद सुबह करीब पौने पांच बजे राम और प्रवीण घर से निकल गए। राम ने प्रवीण से कहा कि वह अपने ट्रक से उसे घर छोड़ देगा। ट्रक चोआ चू कांग हाउसिंग एस्टेट में एक कार पार्क में खड़ा था। कार पार्क में पहुंचते ही नशे में धुत दोनों आपस में झगड़ने लगे। झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों ने एक-दूसरे को मारना शुरू कर दिया। करीब एक घंटे बाद, प्रवीण कार पार्क में सड़क के किनारे पर लेट गया। इसके बाद राम ने ट्रक को खतरनाक तरीके से चलाना शुरू कर दिया।

राम नशे में इतना धुत था कि ट्रक चलाते समय उस होश नहीं रहा और वह सड़क पर सामानों से टकराता चला गया। बाद में, राम गाड़ी चलाकर उस जगह पहुंच गया जिस पर प्रवीण लेटा हुआ था और बिना धीमे या रुके उस पर गाड़ी चला दी। प्रवीण के कपड़े ट्रक में फंस गए और वह सड़क पर घसीटता हुआ चला गया। ट्रक ने कार पार्क का एक चक्कर लगाया और गेट पर रुक गया।

बाद में, जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रवीण को अस्पताल भेजा। प्रवीण को कई गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने अपराधी से पूछताछ की तो उसने आक्रामक तरीके से व्यवहार किया। इस दौरान उसने कई अश्लील बातें कीं। साथ ही एक पुलिस अधिकारी के प्रति धमकी भरे और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया।

अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान की बैठक आज

इससे बाइडन प्रशासन को क्या उम्मीदें

वाशिंगटन, 17 अगस्त (एजेंसियां)। संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान कल यानी 18 अगस्त को कैंप डेविड में त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। उम्मीद है कि चीन के विरोध के बावजूद इस दौरान तीनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा के लिए एक सतत त्रिपक्षीय रक्षा प्रणाली बनाने पर सहमत होंगे। इसके साथ ही तीनों देशों के नेताओं के बीच उत्तर कोरिया, यूक्रेन और अन्य मुद्दों को लेकर सुरक्षा सहयोग पर चर्चा हो सकती है।

इस शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, उनके दक्षिण कोरियाई समकक्ष यूं सुक येओल और जापानी प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा शामिल होंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका अपनी दो संधि संबंधों को मजबूत करने और क्षेत्र में अपनी भूमिकाओं का विस्तार करने के लिए भी इस बैठक का इस्तेमाल कर सकता है।

जॉर्ज डब्ल्यू बुश प्रशासन के दौरान पूर्वी एशिया और प्रशांत मामलों के लिए कार्यवाहक सहायक सचिव के रूप में काम करने वाले इवांस रेवरे का कहना है कि तीनों नेता एक एक संयुक्त बयान में अपनी योजनाओं को बता सकते हैं।

उन्होंने कहा कि बयान यह साफ कर देगा कि उत्तर कोरिया एकमात्र चिंता का विषय नहीं है, जो तीनों देशों को कैंप डेविड में इस त्रिपक्षीय सभा के लिए एक साथ लाया है।

फ्लाइट के बॉथरूम में पायलट की मौत

मियामी, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मियामी से चिली जा रही एक फ्लाइट के पायलट की बाथरूम में मौत हो गई। इससे फ्लाइट की पनामा में रविवार रात को इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। फ्लाइट में 271 यात्री सवार थे। न्यूज वेबसाइट 'द सन' की रिपोर्ट के मुताबिक पायलट का नाम कैप्टन इवान एनडौर है, जिनकी उम्र 56 साल थी। एनडौर लाटम एयरलाइन के विमान को उड़ा रहे थे, उसी वक्त उन्हें सीने में दर्द उठने लगा। वो बाथरूम में गिर पड़े। रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट में मौजूद एक नर्स और दो डॉक्टर यात्रियों ने उन्हें बचाने की कोशिश की। इसके चलते फ्लाइट के दो को-पायलेट ने पनामा में इमरजेंसी लैंडिंग कराई। मियामी से सेटिंयागो जा रही फ्लाइट ला505 को, हेल्थ इमरजेंसी के चलते पनामा सिटी के टोक्युमेन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड करना पड़ा।

बीजेपी ने जारी की 39 प्रत्याशियों की सूची

कांग्रेस के कब्जे वाली सीटों पर ऐलान, पिछली बार हारे 14 चेहरों को मौका

भोपाल, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के लिए बीजेपी ने अपने 39 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। ऐसे पहली बार हुआ है, जब बीजेपी ने चुनाव की घोषणा से पहले उम्मीदवारों का ऐलान किया है। ये सभी वो सीटें हैं जहां वर्तमान में कांग्रेस का कब्जा है। इनमें भी ज्यादातर वो सीटें हैं, जहां बीजेपी लगातार दो या तीन बार से चुनाव हार रही है।

बीजेपी की पहली सूची में 2018 में चुनाव हारे 14 चेहरों को फिर से मौका दिया है। इनमें चार पूर्व मंत्री ललिता यादव, लाल सिंह आर्य, ओम प्रकाश धुर्वे और नाना भाऊ मोहोड़ भी शामिल है। भोपाल मध्य से ध्रुवनारायण सिंह और भोपाल उत्तर से पूर्व महापौर आलोक शर्मा को टिकट दिया गया है। इंदौर के राऊ से मधु वर्मा को फिर से मैदान में उतारा गया है। जबलपुर पूर्व से अंचल सोनकर पर पार्टी ने भरोसा जताया है। भिंड के गोहद से पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री लाल सिंह आर्य को टिकट दिया गया है। इस सीट से सिंधिया समर्थक पूर्व विधायक रणवीर जाटव का टिकट काटा गया है। जबकि पिछोर सीट से प्रीतम लोधी को मैदान में उतारा गया। छतरपुर से पूर्व मंत्री ललिता यादव मौका दिया गया है। सुमावली से सिंधिया समर्थक अदल सिंह कंसाना को टिकट मिला है। पेटलावद से निर्मला भूरिया को उतारा गया है।

बीजेपी ने 2018 में हारे इन प्रत्याशियों पर दोबारा किया भरोसा

राऊ - मधु वर्मा पेटलावद - निर्मला भूरिया कसरावद - आत्माराम पटेल गोहद - लाल सिंह आर्य छतरपुर - ललिता यादव पथरिया - लखन पटेल गुन्नौर - राजेश वर्मा चित्रकूट - सुरेंद्र सिंह गहरवार शाहपुरा - ओमप्रकाश धुर्वे सौंसर - नाना भाऊ मोहोड़ महेश्वर - राजकुमार मेव पेटलावद - निर्मला भूरिया कसरावद - आत्माराम पटेल सुमावली - एंदल सिंह कंसाना (ये उपचुनाव में हारे थे)

सिंधिया समर्थक पूर्व विधायक का टिकट कटा

भाजपा की पहली लिस्ट में सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आए एक पूर्व विधायक का टिकट कट गया है। भिंड जिले की गोहद सीट से कांग्रेस के टिकट पर 2018 में विधायक बने रणवीर जाटव को बीजेपी ने उम्मीदवार नहीं बनाया है। रणवीर जाटव 2020 में हुए उपचुनाव में बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ा। इस चुनाव में वे हार गए थे। 2023 के चुनाव के लिए बीजेपी ने इस सीट से पूर्व मंत्री और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य को उतारा है।

नेताओं के बेटे और बहू को भी टिकट

सबलगढ़ के पूर्व विधायक स्वर्गीय मेहरबान सिंह रावत की बहू सरला रावत को उम्मीदवार बनाया गया है। जबलपुर के पाटन सीट से पूर्व विधायक प्रतिभा सिंह के बेटे नीरज सिंह ठाकुर को टिकट दिया गया है। छतरपुर जिले के महाराजपुर में पूर्व विधायक मानवेंद्र सिंह भंवर राजा के बेटे कामाख्या प्रताप सिंह को मैदान में उतारा है।

बीजेपी की इलेक्शन कमेटी में वसुंधरा राजे का नाम नहीं

राजस्थान में चुनाव प्रबंधन की कमान पंचारिया को; केंद्रीय मंत्री को मेनिफेस्टो का जिम्मा

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनावों को लेकर हलचल तेज हो गई है। बीजेपी ने भी गुरुवार को स्टेट इलेक्शन मैनेजमेंट और मेनिफेस्टो कमेटी का गठन कर दिया है। इसमें पूर्व सांसद व केंद्रीय मंत्री को कमान सौंपी गई है। वहीं, किसी भी कमेटी में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को जगह नहीं देकर पार्टी ने सभी को चौंका दिया है।

दरअससल, बीजेपी की ओर से इलेक्शन कमेटियों के नामों की घोषणा को लेकर गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई थी। इसमें प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह और प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी दोनों मौजूद थे। दोनों पदाधिकारियों की ओर से इन कमेटियों के नामों की घोषणा की गई। पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार पार्टी ने मेनिफेस्टो कमेटी को संकल्प पत्र नाम दिया है। गठित कमेटियों में प्रदेश

नारायण पंचारिया | अर्जुनराम मेघवाल

उपाध्यक्ष व पूर्व सांसद नारायण पंचारिया को चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जबकि केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को स्टेट मेनिफेस्टो कमेटी का संयोजक बनाया है।

वहीं, वसुंधरा राजे की चुनाव में भूमिका के सवाल पर प्रदेश अध्यक्ष व प्रभारी ने गोलमोल जवाब देते हुए कहा कि पार्टी में कई वरिष्ठ नेता हैं, वे पार्टी के लिए प्रचार करेंगे।

प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति में 21 नेताओं को जगह

प्रदेश में विधानसभा चुनावों को देखते हुए चुनाव प्रबंधन समिति में 21 नेताओं को जगह दी गई है। इसमें 1 संयोजक, 6 सह संयोजक और 14 सदस्य बनाए गए हैं। इसमें नारायण पंचारिया को संयोजक, पूर्व प्रदेश महामंत्री ओंकार सिंह लखावत, सांसद राज्यवर्द्धन राठौड़, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, पूर्व राज्य सूचना आयुक्त सीएम मीणा और कन्हैयालाल बैरवाल को सह संयोजक बनाया गया हैं।

प्रदेश संकल्प पत्र समिति में 25 नेताओं को किया शामिल

वहीं विधानसभा चुनाव के लिए तैयार होने वाले घोषणा पत्र के लिए बीजेपी ने प्रदेश संकल्प पत्र (मेनिफेस्टो) समिति का भी गठन किया हैं। इस कमेटी में 1 संयोजक, 7 सह संयोजक और 17 सदस्य बनाए गए हैं। इस कमेटी की जिम्मेदारी केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को सौंपी गई हैं और संयोजक बनाया गया हैं। वहीं उनके साथ राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा, राष्ट्रीय मंत्री अल्का सिंह गुर्जर, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेन्द्र सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष मेहरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुलाल सैनी और पार्षद राखी राठौड़ को कमेटी में सह-संयोजक बनाया गया हैं।

गहलोत ने पायलट को लेकर किया ट्वीट

बोले- राजेश पायलट का अपमान कर भाजपा वायुसेना का अपमान कर रही

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय के मिजोरम की राजधानी आइजॉल पर 1966 में हुई बमबारी में राजेश पायलट के शामिल होने का दावा करने के बाद राजस्थान में विवाद तेज हो गया है। सचिन पायलट के पलटवार के बाद अब सीएम अशोक गहलोत ने बीजेपी पर पलटवार किया है। गहलोत ने ट्वीट कर अमित मालवीय और बीजेपी पर निशाना साधा है।

गहलोत ने लिखा- कांग्रेस नेता राजेश पायलट भारतीय वायुसेना के वीर पायलट थे। उनका अपमान करके भाजपा भारतीय वायुसेना के बलिदान का अपमान कर रही है। इसकी पूरे देश को निंदा करनी चाहिए।

सीएम के राजेश पायलट को लेकर किए गए ट्वीट की सियासी हलकों में भी चर्चा हो रही है। यह मामला अब इंदिरा गांधी सरकार और कांग्रेस नेताओं से जुड़ गया है।

अमित मालवीय

अशोक गहलोत

गहलोत के इस बयान के बाद अब कांग्रेस के कई नेता अमित मालवीय पर निशाना साध रहे हैं।

अमित मालवीय के ट्वीट से विवाद की शुरुआत

मालवीय ने दो दिन पहले ट्वीट कर यह दावा किया था कि मिजोरम की राजधानी आइजॉल पर 5 मार्च 1966 को जिन फाइटर जेट ने बमबारी की, उनमें राजेश पायलट और सुरेश कलमाड़ी पायलट थे। सचिन पायलट ने मालवीय को जवाब देते हुए पलटवार किया कि राजेश पायलट 29 अक्टूबर 1966 में वायुसेना में अफसर बने, ऐसे में मार्च 1966 में बमबारी कैसे कर सकते थे? राजेश पायलट ने पूर्वी पाकिस्तान पर बमबारी की थी, मिजोरम पर बमबारी करने का दावा झूठा है।

मोदी ने संसद में कहा था- कांग्रेस ने मिजोरम में असहाय नागरिकों पर हमला करवाया

पीएम नरेंद्र मोदी ने 10 अगस्त को लोकसभा में कहा था कि 5 मार्च 1966 को कांग्रेस ने मिजोरम में असहाय नागरिकों पर वायु सेना से हमला करवाया था। कांग्रेस को जवाब देना चाहिए कि क्या यह किसी अन्य देश की वायु सेना थी? क्या मिजोरम के लोग हमारे देश के नागरिक नहीं थे? क्या उनकी सुरक्षा भारत सरकार की जिम्मेदारी नहीं थी?

राजस्थान में आइजॉल बमबारी पर सियासी विवाद

मिजोरम की राजधानी पर बमबारी को लेकर मोदी के लोकसभा में दिए भाषण से विवाद की शुरुआत हुई। अब इस पर राजस्थान में विवाद बढ़ गया है। सचिन पायलट के बाद अब सीएम गहलोत समर्थक नेता भी अमित मालवीय के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पायलट और गहलोत के समर्थक अमित मालवीय के खिलाफ केस दर्ज कर एक्शन लेने की मांग कर रहे हैं।

जयपुर कांग्रेस में टिकटों के लिए दावेदारों की लंबी कतार

चुनावी तैयारियों पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मंथन, जिलाध्यक्ष से चर्चा करेंगी ऑब्जर्वर

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों में टिकट बांटने से लेकर फील्ड में काम करने की रणनीति पर काम शुरू हो चुका है। जयपुर में कांग्रेस के नेताओं ने टिकटों के लिए लॉबिंग शुरू कर दी है। हर सीट पर बड़ी संख्या में नेता टिकटों के लिए दावेदारी जता रहे हैं। जयपुर लोकसभा की ऑब्जर्वर अनुराधा मिश्रा आज राजधानी के कांग्रेस नेताओं के साथ प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बैठक कर रही हैं। इस बैठक में टिकट के दावेदारों पर भी चर्चा होगी। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में होने वाली बैठक में दावेदारों पर मुख्य फोकस रहेगा। पिछले दिनों कांग्रेस वॉर रूम में सभी 25 लोकसभा सीटों के ऑब्जर्वर की बैठक हुई थी, जिसमें यह तय हुआ था कि 17 अगस्त को सभी ऑब्जर्वर फील्ड में जाकर बैठकें लेंगे। इन बैठकों में टिकट के दावेदारों की जमीनी हालत और चुनावी तैयारियों पर चर्चा करने का टास्क दिया था।

कांग्रेस ने इस बार जल्दी टिकट देने का दावा किया है, इसके तहत पूरी एक्सरसाइज शुरू की गई है। जयपुर शहर में आने वाली सीटों पर दावेदारों की लंबी कतार है। टिकट के दावेदारों ने पर्यवेक्षकों से लेकर हर नेता को अपने बायोडाटा सौंपे हैं। आज भी बड़ी संख्या में टिकटों के दावेदार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे।

जयपुर में टिकट के दावेदारों ने कई स्तर पर नेताओं को अपने बायोडाटा दिए हैं। लोकसभा सीट के ऑब्जर्वर औसतन आठ विधानसभा सीटों पर राय ले रहे हैं। जयपुर शहर की सीटों पर जिलाध्यक्ष आरआर तिवारी भी अपनी राय देंगे। ब्लॉक अध्यक्षों से भी राय ली जाएगी। जयपुर में टिकट के दावेदारों को लेकर गुटबाजी भी शुरू हो गई है। जयपुर में जलदाय मंत्री महेश जोशी, खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के अपने अपने गुट हैं। दोनों नेताओं के समर्थक और विरोधी भी सक्रिय हो गए हैं। पर्यवेक्षकों और वरिष्ठ नेताओं के पास टिकट चाहने वाले नेताओं की भीड़ लगनी शुरू हो गई है। कई नेता तो दिल्ली तक जाकर दावेदारी जता आए हैं।

टिकटों को लेकर 19 अगस्त को प्रदेश चुनाव समिति की बैठक बुलाई गई है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में टिकट के मापदंडों और अब तक के दावेदारों पर चर्चा होगी।

हमले में घायल कांग्रेस नेता की मौत

इलाज के दौरान जयपुर में तोड़ा दम, तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस जाब्ता तैनात

बारां, 17 अगस्त (एजेंसियां)। थाना क्षेत्र के बंमोरी कस्बे के पास 24 जुलाई को हमले में गंभीर घायल कांग्रेस नेता ने इलाज के दौरान जयपुर में दम तोड़ दिया। पुलिस ने गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। वहीं, मामले में हत्या की धारा जोड़कर जांच शुरू कर दी है। घटना से मीना समाज में काफी आक्रोश बना हुआ है। ऐसे में पुलिस ने एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया है। पुलिस के अनुसार 24 जुलाई की शाम को झारखंड निवासी कांग्रेस नेता दिनेश मीणा, उसका चाचा मोहनलाल मीणा, लखन मीणा, सुरेंद्र मीणा सहकारी चुनावों के लिए दो अलग-अलग बाइकों से बमोरी गांव में गए थे। जहां से लौटते वक्त एक बाइक पर दिनेश मीणा और लखन आटोन की ओर जा रहे थे। तभी बंमोरी निवासी पंकज नागर के मकान के पास पहुंचे, तो वहां मौजूद पंकज नागर, ललित नागर द्वारकालाल नागर, जगदीश, जगमोहन नागर और उनके 15-20 साथी खड़े थे। उन्होंने बाइक सवार दिनेश और लखन पर फावड़े से हमला किया। बाइक सवार दोनों जने मौके से जान बचाकर निकल गए। आरोपियों ने उनका पीछाकर गांव से कुछ ही दूर घेरकर रोक लिया। जहां आरोपियों ने दिनेश मीणा और लखन मीणा पर लाठी-डंडों, तलवार, सरिए और धारदार हथियारों से हमला किया। कुछ देर बाद दूसरी बाइक सवार मोहन लाल और सुरेंद्र भी मौके पहुंचे तो उन पर भी हमला कर दिया था।

पहली बार आर्मी अफसर को कर्मचारी चयन बोर्ड की कमान

रिटायर्ड मेजर जनरल होंगे चेयरमैन; पेपरलीक से विवादों में रही हैं कई भर्तियां

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की कमान पहली बार आर्मी अफसर को सौंपी है। रिटायर्ड मेजर जनरल आलोक राज कर्मचारी चयन बोर्ड के नए अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। गहलोत सरकार ने नियुक्ति संबंधी आदेश जारी कर दिए।

आलोक राज का कार्यकाल 3 साल तक का रहेगा। गौरतलब है कि पेपरलीक और भर्तियों में लेटलतीफी के चलते बोर्ड के कामकाज पर सवाल उठते रहे हैं।

इसको लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार भी घिरती रही है। यहां भर्तियों में पारदर्शिता को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट अनशन भी कर चुके हैं। बेरोजगारों के मुद्दों को लेकर उन्होंने पदयात्रा भी निकाली थी।

राजधानी के बनी पार्क के रहने वाले आलोक राज भारतीय सेना में 37 वर्ष से अधिक समय तक सेवाएं दे चुके हैं। उन्हें जून, 1983 में सिख लाइट इन्फैंट्री की पहली बटालियन में कमीशन

मिला था। वह UN सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में अंगोला में विदेशी मिशन के साथ भी काम कर चुके हैं।

दरअसल, पिछले लंबे वक्त से प्रदेशभर में लंबित भर्ती परीक्षाओं को समय पर पूरा करने की मांग के साथ पेपरलीक जैसे मुद्दों को लेकर विरोध किया जा रहा था।

पायलट भी बेदाग छवि वाले व्यक्ति को बोर्ड अध्यक्ष बनाने की मांग कर चुके हैं। अब किसी IAS-IPS की जगह सैन्य अफसर को चुना गया है।

अक्टूबर में पूरा होना था हरिप्रसाद शर्मा का कार्यकाल

कर्मचारी चयन बोर्ड के निवर्तमान अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने जुलाई में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल इसी साल 7 अक्टूबर को पूरा होना था। तभी से नए अध्यक्ष की नियुक्ति की मांग को लेकर प्रदेशभर में प्रदर्शन हो रहा था। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव पिछले 5 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे थे।

सचिवालय पहुंची ईडी की टीम, अफसरों को पूछताछ के लिए बुलाया

योजना भवन में मिले करोड़ों रुपए और गोल्ड मामले में आईटी सचिव को नोटिस

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में सचिवालय स्थित योजना भवन की सरकारी अलमारी से 2.31 करोड़ रुपए और एक किलो सोना मिलने के मामले में अब इन्फोर्समेंट डायरेक्ट्रेट(ED) ने इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट(IT) की सचिव आनंदी के नाम का नोटिस आईटी आयुक्त इंद्रजीत को दिया है। लेटर देकर आनंदी को ईडी ऑफिस बुलाया गया है।

ईडी के तीन अधिकारियों का दल योजना भवन पहुंचा था। ईडी टीम को देखते ही विभाग में हड़कंप मच गया। ईडी अधिकारियों ने आईटी सचिव के नाम का नोटिस सर्व कर दिया।

इस दौरान ईडी ने योजना भवन के कमरा नम्बर 207 में आईटी आयुक्त इंद्रजीत से बातचीत भी की। योजना भवन से पहले ईडी की एक टीम सचिवालय भी पहुंची थी। यहां पर अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा और आईटी सचिव आनंदी से टीम मिलना चाह रही थी। दोनों ही अधिकारी इस दौरान कार्यालय में मौजूद नहीं थे।

जानकारी के अनुसार चार दिन के ईडी रिमांड के दौरान आईटी विभाग के निलंबित जॉइंट डायरेक्टर वेद प्रकाश यादव ने पैसे और गोल्ड को लेकर कई जानकारी दी है। गोल्ड कहां से आया, किसने दिया, क्यों दिया? ईडी को कई सबूत मिले हैं। इससे पता चलता है कि भ्रष्टाचार का पैसा किसका है।

जिम्मेदार लोग कहां इसका उपयोग करने वाले थे। 15 अगस्त के बाद कई अधिकारियों को ईडी के सर्च और नोटिस की जानकारी मिल गई थी। इसके चलते 16 अगस्त को कई अधिकारी ऑफिस नहीं पहुंचे। नोटिस उनके घर पर भी भिजवा दिए गए हैं।

क्या है मामला

योजना भवन में 1 किलो सोना और 2 करोड़ 30 लाख रुपए वेद प्रकाश की आलमारी में मिलने के मामले में जांच पहले एंटी करप्शन ब्यूरो(एसीबी) के पास थी। एसीबी ने वेद प्रकाश से कुछ दिनों तक पूछताछ की थी। एसीबी को वेद प्रकाश ने कुछ नहीं बताया था। इसके बाद एसीबी ने उसे जेल भेज दिया था।

जेल से जमानत पर बाहर आने पर ईडी ने उसे 9 अगस्त को गिरफ्तार कर कोर्ट मे पेश किया था। ईडी ने चार दिन का रिमांड लिया था। रविवार को रिमांड खत्म होने पर वेद प्रकाश को दोबारा से कोर्ट में पेश किया था। उसे जेल भेज दिया गया था। वेद प्रकाश से पूछताछ में ईडी के कई अहम सबूत हाथ लगे हैं, जो एसीबी नहीं निकाल सकी। वेद प्रकाश से मिली जानकारी के बाद अब ईडी के रडार पर जिम्मेदार अधिकारी भी है।

सरकारी ऑफिस के बेसमेंट में अलमारी से मिले करोड़ों रुपए, गोल्ड केस में अब तक...

20 मई 2023 को योजना भवन के बेसमेंट में एक कर्मचारी को अलमारी तोड़ने के दौरान 2 करोड़ 30 लाख रुपए और एक किलो गोल्ड मिला था।

21 मई को इस मामले को एसीबी को ट्रांसफर कर दिया गया था। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज सामने आए, इसमें डीओआईटी अधिकारी वेद प्रकाश पैसा रखते हुए दिखाई दे रहा था।

23 मई को वेद प्रकाश को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया था। इसके बाद आरोपी वेद प्रकाश जमानत पर जेल से बाहर आ गया था।

9 अगस्त को ईडी ने वेद प्रकाश को पूछताछ के लिए डिटेन किया था। फिर गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया था।

जरख ने ग्रामीणों पर किया हमला

जमवारामगढ़ क्षेत्र में 2 महीने से घूम रहे 10 लकड़बग्घे, 7 लोगों को किया घायल

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर जिले के जमवारामगढ़ उपखंड क्षेत्र में जरखों (लकड़बग्घों) ने 2 महीने से आतंक मचा रखा है। इलाके में करीब 10 जरख घूम रहे हैं, जो आए दिन ग्रामीणों पर हमला कर उनको घायल कर रहे हैं। पिछले 2 महीने में जरखों के हमले में 7 लोग घायल हो चुके हैं। गुरुवार को भी जरख ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया। एक ग्रामीण दौड़कर एक दीवार के पीछे छुप गया, लेकिन जरख ने उस पर हमला कर दिया और कई जगह से काट दिया।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत राहौरी और गांव रानियावास में पिछले 2 महीनों से 8-10 जरख (लकड़बग्घा) ने आतंक मचा रखा है। ग्रामीणों ने इसको लेकर कई बार वन विभाग को सूचना दी, लेकिन वन विभाग की टीम जरखों को नहीं पकड़ रही है।

स्थानीय निवासी सोहन ने बताया कि गुरुवार को भी एक जरख ने रानियावास गांव के गणपति सिंह पर हमला कर दिया। गणपति सिंह जरख से बचने के लिए दीवार के पीछे छुपा था, लेकिन वह जरख को नजर आ गया और जरख ने उस पर हमला कर कई जगहों से काट लिया। राहोरी सरपंच बदाम देवी ने बताया कि यहां 8-10 की संख्या में जरख घूम रहे हैं। इन जरखों ने कई बार ग्रामीणों के मवेशियों और पालतू जानवरों का शिकार कर लिया है। अब तो यह पुरुषों-महिलाओं और बच्चों पर भी हमाल करने लगे हैं। इसको लेकर कई बार उपखण्ड स्तर, जिला स्तर के फॉरेस्ट विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया, लेकिन अधिकारियों के कान में जूं तक नहीं रेंगती है। वन विभाग के अधिकारी केवल झूठे आश्वासन देकर चले जाते हैं। यह जरख आए दिन मवेशियों पर हमला कर रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में जरखों को लेकर काफी डर बना हुआ है। अब उन्होंने समस्या को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है।

वन विभाग का कहना है कि सूचना मिलने पर टीमों को मौके पर भेजा जाता है, लेकिन जरख तब तक जंगल की ओर चले जाते हैं। जंगल और गांव के बीच में दीवार नहीं होने के कारण परेशानी अधिक हो रही है। जानकारी में आया है कि एक व्यक्ति पर जरख ने हमला कर दिया है। सूचना के बाद टीम को मौके पर भेजा है। जरख आबादी वाली जगह से दूर रहे, इसके प्रयास किए जा रहे हैं।

चोरी करने आए 4 बदमाशों को ग्रामीणों ने पकड़ा

बंदूक और धारदार हथियार बरामद, वारदात को अंजाम देने से पहले पकड़े गए

भरतपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भरतपुर में चोरी करने आए 4 बदमाशों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। बदमाशों के पास से एक बंदूक और धारदार हथियार भी बरामद किए है। घटना जिले के रूपवास थाना इलाके के कारई गांव में ग्रामीणों ने बदमाशों को पकड़ पुलिस को भी सौंप दिया। ग्रामीणों ने बताया कि 4 बदमाश चोरी करने के इरादे से गांव में आए थे। इस बीच कुछ ग्रामीणों को पता चल गया कि इन बदमाशों के पास हथियार है और गांव में बड़ी वारदात को अंजाम देने वाले हैं। इस पर ग्रामीणों ने रणनीति बनाई और उनकी घेराबंदी कर दी। इधर, भनक लगते ही बदमाश भागने की फिराक में थे लेकिन ग्रामीणों ने इससे पहले ही चारों बदमाशों को पकड़ लिया। बदमाशों के पास से एक टोपीदार बंदूक समेत धारदार हथियार भी मिले हैं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और चारों को पुलिस के हवाले किया।

119 आरएएस अधिकारियों के ट्रांसफर: सरकार ने किया बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य सरकार प्रदेश में लगातार प्रशासनिक फेरबदल कर रही हैं। पिछले दिनों सरकार ने नए जिलों में कलेक्टर-एसपी के बाद एडीएम लगाए थे। इसको लेकर आईएएस और आरएएस अधिकारियों के ट्रांसफर हुए थे।

अब एक बार फिर सरकार ने 119 आरएएस अधिकारियों के ट्रांसफर कर दिए। इन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव ने से नई जगह जॉइन करने के निर्देश कार्मिक विभाग की ओर से दिए गए हैं।

माना जा रहा है कि विधानसभा चुनावों के मद्देनजर राज्य सरकार अधिकारियों की पोस्टिंग कर रही है। ताकि आचार संहिता लगने से पहले सरकारी योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जा सके और इसका फायदा सरकार को चुनावों में मिले। देर रात किए गए प्रशासनिक फेरबदल में सरकार ने राजस्थान विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार लगा दिया हैं। यह पद खाली चल रहा था। आरएएस मूलचंद को आरयू में रजिस्ट्रार लगाया गया है। वहीं अतिरिक्त संभागीय आयुक्त से लेकर कई जिलों में अतिरिक्त जिला कलेक्टर बदल दिए हैं।

आरएएस अधिकारी परशुराम धानका को अतिरिक्त संभागीय आयुक्त भरतपुर, महावीर खराड़ी को अतिरिक्त संभागीय आयुक्त उदयपुर, ओमप्रकाश विश्नोई को संभागीय आयुक्त बीकानेर लगाया गया है। इसी तरह से आरएएस अधिकारी चेतन चौहान को एडीएम झालावाड़, निशु कुमार अग्निहोत्री को एडीएम करौली, राकेश कुमार प्रथम को एडीएम नागौर, धीरेन्द्र सिंह को एडीएम ब्यावर, ओमप्रकाश सहारण को एडीएम अनूपगढ़, चम्पालाल को एडीएम जोधपुर लगाया हैं।

प्रदेश के निगमों में बदले उपायुक्त

इस प्रशासनिक फेरबदल में सरकार ने प्रदेश के नगर निगमों में उपायुक्त व अतिरिक्त आयुक्त बदल दिए हैं। वहीं जहां यह पद खाली थे, वहां अधिकारियों को लगाया गया हैं। इसी क्रम में आरएएस अधिकारी सुधांशु सिंह को उपायुक्त नगर निगम उदयपुर, करतार सिंह को उपायुक्त नगर निगम हेरिटेज जयपुर, मनीषा चौधरी उपायुक्त नगर निगम ग्रेटर जयपुर, जवाहर लाल जैन को उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण, कार्तिकेय मीणा को उपायुक्त नगर निगम कोटा उत्तर लगाया गया है।

कई विभागों में बदले अधिकारी

इसी क्रम में सरकार ने कई विभागों में महत्वपूर्ण पदों पर आरएएस अधिकारियों को बदला है। राजस्थान रोडवेज में लंबे समय से खाली चल रहे कार्यकारी निदेशक (प्रशासन) के पद पर लगाया गया है। वहीं आरएएस अधिकारी गोविंद सिंह राणावत को कार्यकारी निदेशक खान एवं खनिज लिमिटेड में लगाया हैं। अजीत सिंह राजावत को अतिरिक्त आयुक्त सीएडी आईजीएनपी बीकानेर लगाया है।

'भर्ती में महिलाओं का चेस्ट मेजरमेंट अपमानजनक'

हाईकोर्ट ने निर्धारित मापदंड पर आश्चर्य जताया, कहा- ये महिला गरिमा का अपमान

जोधपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भर्ती परीक्षाओं में महिलाओं के चेस्ट मेजरमेंट को हाईकोर्ट ने मनमाना, अपमानजनक और महिला की गरिमा का अपमान बताया है। हाईकोर्ट जस्टिस दिनेश मेहता ने महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए कहा कि किसी भी महिला की छाती माप का मापदंड न केवल वैज्ञानिक रूप से निराधार है बल्कि अशोभनीय है।

ये फैसला 10 अगस्त का है। दरअसल, भर्ती में असफल रही तीन महिला अभ्यर्थियों ने याचिका पेश करते हुए कहा था कि छाती माप के बाद निर्धारित मापदंडों पर उनको असफल घोषित किया गया है। उन्होंने शारीरिक दक्षता परीक्षण पास किया था। हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि प्रतिवादी निर्धारित मापदंडों को पूरा करने में असफल रहे इसलिए याचिका में राहत नहीं दी जा सकती हैं।

कोर्ट ने कहा कि- भर्ती अब पूरी हो चुकी है और याचिकाकर्ता सहित सभी ने परीक्षा दी है, इसलिए भर्ती में कोई बाधा नहीं होगी। लेकिन, हाईकोर्ट ने कड़े शब्दों में महिला अभ्यर्थियों के शारीरिक मानकों के आधार के लिए निर्धारित मापदंड पर आश्चर्य जताया। कोर्ट ने कहा कि प्रतिवादियों के छाती के माप को एक मापदंड बनाने का कार्य विशेष रूप से महिला उम्मीदवार के लिए बिल्कुल मनमाना है और अपमानजनक है, यह एक महिला की गरिमा को स्पष्ट आघात है।

याचिका कर्ता वंदना कंवर, ओम कंवर व मंजू कंवर राठौड़ ने याचिका दायर कर फोरेस्ट गार्ड पद के लिए शारीरिक मानक परीक्षण (पीएसटी) के दौरान अपनी अस्वीकृति का विरोध किया था। उन्होंने बताया कि शारीरिक दक्षता परीक्षा पास करने के बावजूद अधिकारियों ने निर्धारित छाती माप आवश्यकताओं को पूरा नहीं करने के आधार पर उनका चयन रोक दिया। इसको चुनौती देने के लिए उन्होंने याचिका दायर की जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया।

स्पष्ट मतदाता सूची बनाने के लिए कड़ी मेहनत करें अधिकारी : ज्वाइंट सीईई

कुमरम भीम आसिफाबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त सीईओ सरफराज़ अहमद ने कहा कि संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट मतदाता सूची तैयार करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। बुधवार को हैदराबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सभी जिलों के कलेक्टरों और चुनाव अधिकारियों के साथ मतदाता सूची निर्माण और रन कार्यक्रम की समीक्षा की गई। इस अवसर पर संयुक्त सीईओ ने कहा कि नये मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता सूची में परिवर्तन, संशोधन एवं विलोपन की प्रक्रिया सुव्यवस्थित ढंग से की जाये। उन्होंने कहा कि चूंकि यह चुनावी साल है, इसलिए हमें चुनाव कराने के लिए पूरी तैयारी के साथ तैयार रहना चाहिए. भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इस माह की 19 तारीख को प्रातः 6 बजे "आई वोट फॉर श्योर" के नारे के साथ राज्य भर में 5के दौड़ को सफल बनाने के लिए कदम उठाए जाएं। जिला केंद्र में एकीकृत कलेक्ट्रेट भवन के वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव, जिला अतिरिक्त कलेक्टर दसारी वेणु, आरडीओ सुरेश राजेश्वर और नोडल अधिकारी सुरेंद्र उपस्थित थे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिलों में 18 वर्ष के लड़के-लड़कियों, ट्रांसजेंडरों और दिव्यांगों के वोट दर्ज कराने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं। जिले के आयु पात्र ट्रांसजेंडर एवं दिव्यांग व्यक्तियों के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति जो 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है।उन्होंने कहा कि सभी लोग अपना वोट दर्ज करा सकें इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं और विभिन्न मीडिया के माध्यम से व्यापक अभियान चलाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में दिव्यांग मतदाताओं की पहचान की जाएगी और उनके लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी, महिला संघों के सदस्य, बूथ स्तर के अधिकारी, आशा और आंगनवाड़ी कर्मचारी घर-घर जाकर जागरूकता पैदा करेंगे और समझाएंगे कि कैसे सभी पात्र हैं। आयु कॉलेजों में मतदान के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि गांवों में टॉम टॉम और सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान चलाया जा रहा है और मतदान केंद्रों पर सुविधाओं के लिए विशेष उपाय किये जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि लोगों को मतदाता पहचान पत्र वितरण और वोट के प्रयोग के बारे में समझाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्पष्ट मतदाता सूची तैयार करने के लिए विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें आयोजित की गयी हैं और सुझाव लिये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस महीने की 19 तारीख को 5के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अधिकारियों के साथ समन्वय में विशेष उपाय किए जा रहे हैं।इस कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग के पदाधिकारी, संबंधित पदाधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

हमेशा दूसरों की मदद के लिये तैयार रहें : पं. भानु प्रताप दुबे

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री बालाजी मठ मंदिर लोकन्यास ग्वालियर (म.प्र.) के चेयरमैन, अनुष्ठान एवं ज्योतिष के विद्वान श्री गौ माता गौ रक्षा मंच फाउंडेशन के राष्ट्रीय मंत्री संघ विचारक भानु प्रताप दुबे ने हैदराबाद स्थित चंदुलाल बारादरी में सत्संग कार्यक्रम में अपने वक्तव्य में कहा कि सत्य को जानना हर चीज़ से बड़ा है और उससे भी बड़ा है सच्चाई के साथ जीना।

जब आप किसी की मदद करते है तो ईश्वर आपकी मदद के लिये तैयार है, इसलिये हमेशा दूसरों की मदद के लिये तैयार रहें। जो लोग पैसों के लिये अपना ईमान नहीं बेचते है भगवान उनकी हर जरूरत पूरी करते है।

हिन्दी महाविद्यालय के परिणाम घोषित, प्राचार्य ने दी बधाई

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय (स्वायत्त) के बी.ए., बी.एस.सी., बी.कॉम एवं बी.बी.ए. के परिणाम आज घोषित किए गए। इसकी विशेषता यह है कि इस वर्ष अंतिम परीक्षा 14 जुलाई 2023 को संपन्न हुई थी। उस्मानिया वि.वि. के परीक्षा नियंत्रक प्रो. रामलु, एडिश्नल कंट्रोलर प्रो. कृष्णमराजू एवं प्रो. श्रीनिवास ने आज इन परीक्षा परिणाओं को स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर हिन्दी महाविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक श्रीमती अश्विनी सनपूरकर एवं एडिशनल कंट्रोलर श्रीमती पायल हर्ष उपस्थित थी। हिन्दी महाविद्यालय में जुलाई तक चली इन परीक्षाओं ने लगभग 1000 विद्यार्थियों ने अलग-अलग सेमिस्टरों की परीक्षाएँ एवं बैक लॉग परीक्षाएँ दीं। हिन्दी महाविद्यालय प्रबंधन समिति एवं परीक्षा विभाग के अथक प्रयासों से मात्र 35 दिनों में दी परीक्षा परिणाम घोषित किए। इस अवसर पर हिन्दी महाविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक श्रीमती अश्विनी सनपूरकर ने बताया कि इस वर्ष बी.ए. में 78 प्रतिशत, बी.एस.सी. में 91 प्रतिशत बी.कॉम में 85 प्रतिशत बी.बी.ए. में 94 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। अच्छे परिणाम प्राप्त होने पर प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने सभी विद्यार्थियों तथा परीक्षा विभाग से जुडे सभी अधिकारी व कर्मचारियों को बधाई दी।

ऑनर होम्स ने 'ऑनर सिग्नैटिस' का शुभारम्भ किया

हैदराबाद का सबसे बड़ा गेटेड सामुदायिक प्रोजेक्ट

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रियल एस्टेट उद्योग में एक प्रमुख नाम ऑनर होम्स ने गर्व से अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना 'ऑनर सिग्नैटिस' का शुभारम्भ किया। 8 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, ऑनर होम्स ने लगातार लक्ष्य बनाए रखा हैआधुनिक घर खरीदारों की आवश्यकताओं और जीवनशैली के अनुरूप परियोजनाएं विकसित करना। अपनी पिछली दो परियोजनाओं में 3.2 मिलियन एसएफटी, ऑनर होम्स ने आईडीएल रोड पर 56 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जिसमें 1.2 मिलियन एसएफटी वर्तमान में 28.4 एकड़ में विकासाधीन है जो सबसे शानदार विला है प्रोजेक्ट, ऑनर रिचमोंट् है।

अब, शेष 28 एकड़ में, उनका नवीनतम उद्यम, "ऑनर सिग्नैटिस," 7.8 मिलियन वर्ग फुट और 3266 अपार्टमेंट के साथ विकसित किया जा रहा है। प्रमोटर व निदेशक पी. वेंकटेश्वरलु ने परियोजना की जानकारी देते हुए बताया कि यह शहर के हदय में सबसे बड़ा गेटेड समुदाय है। 18 टावरों, 3-स्तरीय पार्किंग, 2 क्लब हाउसों के साथ 27.5 एकड़ में फैला हुआ है। इसके साथ भूतल+25 मंजिल 1695 और 1885 वर्ग फुट के बीच 3 बीएचके इकाइयां और 2160 से 2875 तक 3.5 बीएचके इकाइयों की पेशकश है। विशेष अध्ययन कक्षों के साथ परियोजना में 4 बीएचके अल्ट्रा-प्रीमियम के चार विशेष टावर भी हैं अपार्टमेंट, जहां प्रत्येक मंजिल के सभी चार अपार्टमेंट एक अलग नौकर वाले कमरे के साथ कोने वाले अपार्टमेंट हैं और प्रत्येक अपार्टमेंट के प्रवेश द्वार पर एक विशेष लॉबी स्थान है। ऑनर सिग्नैटिस दो विशाल क्लब हाउसों के साथ खड़ा है जो इस गेटेड समुदाय, क्लब का पूरक हैं सिग्नेटिस और क्लब एलिसिया, जो कुल 1.31 लाख वर्ग फुट पर कब्जा करते हैं। जबकि क्लब सिग्नेटिस दैनिक पर ध्यान केंद्रित करता है क्लिनिक, लॉकर सुविधा वाला बैंक और सुपरमार्केट आदि जैसी आवश्यक सुविधाओं के लिए क्लब एलिसिया सबसे अलग है।

विशेष खेल और फिटनेस कॉम्प्लेक्स जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग से पहले कभी नहीं बनाया गया जिम भी है लगभग 20000 एसएफटी तक फैला हुआ, जो पहली बार है। इसके अलावा 5 एकड़ का केंद्र स्थित खुला पार्क और वाहन-मुक्त पोडियम क्षेत्र परियोजना के आकर्षण को बढ़ाता है। लॉन्च के इस अवसर पर, प्रमोटर-निदेशक, स्वप्नकुमार ने कहा कि हम अपनी पेशकश कर रहे हैं। ग्राहकों के लिए एक सीमित समय की अनूठी लॉन्च कीमत है और हम आशा करते हैं कि सभी घर चाहने वाले हमारे पास आएंगे और लेंगे। एक अन्य प्रमोटर-निदेशक, बालू चौधरी ने कहा कि हमारी ईमानदारी और भरोसा हमारे अंतिम ग्राहकों के लिए काफी मायने रखती है। पिछली परियोजनाओं में देखी गई सफलता ने हमें 1976 से अधिक परिवारों का विश्वास दिलाया है। प्रमोटर-निदेशक राजमौली ने कहा कि हमारे पच्चीस वर्ष से अधिक के संयुक्त व्यावसायिक अनुभव में सभी का सहयोग मिला है। ऑनर होम्स तेलंगाना और आंध्र में लैंड बैंक के साथ रियल एस्टेट उद्योग में एक अग्रणी नाम है। प्रदेश, आधुनिकता की उभरती जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने वाली परियोजनाएं बनाने के लिए समर्पित है।

पंचाक्षरी है सभी मंत्रों का राजमंत्र : डॉ. अत्तलूरी मृत्युंजय शर्मा

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शैव महापीठम के नगर ध्वय विभाग के तत्वावधान में आज 252वें मासिक शिवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया। नागोल में श्री काशी विशालाक्षी समेत श्री विश्वेश्वर मंदिर में आयोजित किया। कार्यक्रम में, बारह शैव आराध्य गुरुओं को सर्वोच्च 36 उपचारों के साथ एक विशेष गणार्चन गुरुपद पूजा की। इस अवसर पर श्री शैव महा पीठाधीश्वर शिवश्री डॉ. अत्तलूरी मृत्युंजय शर्मा स्तुति प्रस्तुत करते हुए कहा कि श्रौत शैव परंपरा को समृद्ध करने वाले द्वादश उपासकों के प्रतीक के रूप में, बारह पूज्य पारंपरिक गुरुओं को इस तरह विशेष सम्मान देना बहुत सराहनीय है। गणार्चन, सोमवार को अभिषेक अर्चना और हर महीने शिवरात्रि महोत्सव अनिवार्य रूप से आयोजित किया जाना चाहिए। हिंदू सनातन वैदिक और श्रौत धर्म के सभी मंत्रों का मूल है। राज मंत्र "पंचाक्षरी" वह है "न म शि वा य" यह महान मंत्र है। उन्होंने कहा कि हर किसी को इस बीजाक्षर जप का जाप करना चाहिए, जो उनकी मानसिक इच्छाओं को प्राप्त करने और जन्महीन होने का सबसे आसान तरीका है। शैव महापीठ के पंडित मंडल के अध्यक्ष डॉ.मुदिगोंड अमरनाथ शर्मा ने कहा कि सद्गुरु शिवानंद मूर्ति के आदेशानुसार 2003 से हर माह शिवरात्रि के दिन रुद्र होम, अभिषेक और गुरु पूजा शुरू की गई और तब से आज तक 252 शिवरात्रि महोत्सव नियमित रूप से आयोजित किए जा चुके हैं। वे कहां की शैवमहा पीठ अध्यक्ष शिव श्री मुदिगोंडा मल्लिकार्जुन शर्मा के निर्देशन में कई आध्यात्मिक और धर्मार्थ कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। शैव महा पीठ नगर ध्वय शाखा के अध्यक्ष मुदिगोंडा मल्लिकार्जुन शर्मा ने कहा कि ऐसे गुरुपद की पूजा करना एक बहुत ही पवित्र कार्य है क्योंकि पूजनीय गुरु जो शिव लिंग धारण करते हैं, वे साक्षात महेश्वर रूप के समान हैं। कार्यक्रम मे शैव महापीठ सचिव एस.पी. कोटेश्वर राव, कोषाध्यक्ष शिवलेंका उदय भास्कर, अन्य सदस्य, प्रसिद्ध भाषण कार श्री मडिपल्ली दक्षिणा मूर्ति तेलंगाना मास पत्रिका के अष्टकला राममोहन राव और शहर ध्वों के उपासकों ने परिवार के साथ भाग लिया।

तेंदुए से मुठभेड़ के बाद टीटीडी श्रद्धालुओं के लिए लकड़ी की छड़ी की व्यवस्था

तिरूपति, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरूपति देवस्थानम (टीटीडी) ने तेंदुओं के हालिया हमलों के मद्देनजर तिरुमला मंदिर जाने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को एक लकड़ी की छड़ी उपलब्ध कराने के अपने फैसले का बचाव किया है। टीटीडी के अध्यक्ष बी. करुणाकर रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि लाठी उपलब्ध कराने का निर्णय वन विभाग के सुझाव पर लिया गया है। पहाड़ी मंदिर पर ट्रैकिंग करने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को आत्मरक्षा के उपाय के रूप में एक लकड़ी की छड़ी प्रदान की जाएगी। उन्होंने श्रद्धालुओं को लाठी मुहैया कराने के फैसले को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हो रही ट्रोलिंग की निंदा की। उन्होंने कहा कि लाठियां देकर हमने अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ा है। तेंदुओं को पकड़ने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, हमने भक्तों की सुरक्षा के लिए लाठी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। हमारा कोई अन्य इरादा नहीं है। टीटीडी के अध्यक्ष और कार्यकारी अधिकारी ए.वी. धर्मा रेड्डी ने गुरुवार को उस स्थान का दौरा किया जहां वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में एक तेंदुआ फंस गया था। 11 अगस्त की घटना के बाद एक सप्ताह से भी कम समय में अलीपिरी फुटपाथ मार्ग पर पकड़ा जाने वाला यह दूसरा तेंदुआ है, जिसमें एक छह वर्षीय लड़की को तेंदुए ने मार डाला था।

एनएसटीआई के 400 छात्रों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराएगा ईसीआईएल

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) ने वर्ष 2023-24 के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के लिए 534.33 लाख रुपये का बजट आवंटित किया है।

इस वर्ष का विषय स्वास्थ्य एवं पोषण है, जैसा कि सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा तय किया गया है। सीएसआर गतिविधियों के हिस्से के रूप में ईसीआईएल ने राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) के 400 छात्रों को रुपये की लागत से मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने के लिए सीएसआर परियोजना शुरू की है। एक साल के लिए 57.60 लाख रुपये के अलावा ईसीआईएल ने 72 लाख रुपये की लागत से मन्नानूर नगरकुर्नूल जिले, तेलंगाना राज्य में सरकारी आईटीआई के नवीनीकरण की पहल भी की है। इस संबंध में सी. मुनिकृष्ण एजीएम, ईसीआईएल और श्रीनिवास राव क्षेत्रीय निदेशक, एनएसटीआई और केवी नागेश संयुक्त निदेशक, आईटीआई ने पहले समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। श्रीमती रानी कुमुदिनी, आईएएस, (सेवानिवृत्त), विशेष मुख्य सचिव, सरकारी श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कारखाना विभाग, तेलंगाना सरकार एमओयू पर हस्ताक्षर और आदान-प्रदान सचिवालय, तेलंगाना में हुआ और ईसीआईएल से सी. मुनिकृष्ण, एजीएम (एचआर), भवानी शंकर वी, डीजीएम (एचआर) और पी. दुर्गा प्रसाद, डीएम (एचआर) ने भाग लिया और एनएसटीआई से श्रीनिवास राव, क्षेत्रीय निदेशक, उशेन्द्र राव, सहा. निदेशक एवं आयुक्त (रोजगार एवं प्रशिक्षण) श्री के.वी. नागेश, संयुक्त निदेशक, श्रीमती। जयम्मा, आईटीआई प्रिंसिपल, मन्नानूर ने भाग लिया।

विश्व मंगल गौशाला मेडचल में अमावस्या पर सभी गौ भक्तों ने सेवा दी और सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। जगदीश भारती दरिया मठ, विशनाराम सुथार, शेरदास गौशाला आंगन में भूमिदान की गई। बाबूजी गोपाल दास बंसल परिवार पेमाराम सीरवी ओमप्रकाश, गोगाराम सीरवी, राजूराम प्रजापत, मेडचल, टीवी सुरेश, धर्माराम सुथार, प्रभुराम और उपस्थित रहे। डूंगाराम सीरवी, भंवरलाल, भीम सिंह, जामताराम चौधरी, फतेहनगर बिश्नोई समाज की ओर से कुट्टी की व्यवस्था की गई। नारायण राम, विनोद जांगिड़ ने धन्यवाद प्रकट किया।

आन्नाभाऊ साठे जयंती मनाई गई

मदनूर, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अन्ना भाऊ साठे जयंती के पावन अवसर पर स्थानिक सरपंच सुरेश दरसवार की अध्यक्षता में प्रदेश अल्प संख्याक अध्यक्ष राजेश्वर, पूर्व विधायक गंगाधर, डोंगाली सोसायटी अध्यक्ष राम पाटिल, गडगू गंगाधर, लक्ष्मीकांत राव, भारत राष्ट्र समिति अध्यक्ष बंशी पटेल ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए गुरुवार के दिन सोनाला एक्स रोड स्थित अन्ना भाऊ साठे प्रतिमा को पूजा-अर्चना करने के बाद माल्यार्पण किया गया। इस समय अन्नदान का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में जनता उपस्थित थी।

वासवी फाउंडेशन ने जेडपीएचएस मचाबोल्लारम में किया कक्षाओं का शुभारंभ

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र की प्रगति और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए वासवी फाउंडेशन ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला परिषद हाईस्कूल के नवनिर्मित कक्षाओं का अनावरण किया। जेडपीएचएस मचाबोल्लारम सेकेंडरी स्कूल में आयोजित उद्घाटन समारोह में आशा, उत्साह और देशभक्ति की भावना से भरा माहौल देखा गया। वासवी फाउंडेशन के दूरदर्शी प्रयास का उद्देश्य हमारे देश के युवा दिमागों को अनुकूल सीखने का माहौल प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है। ये अत्याधुनिक कक्षाएँ आधुनिक तकनीक और संसाधनों से सुसज्जित हैं। इस अवसर पर येरम विजय कुमार, राजीव कुमार अग्रवाल, चंदा श्रीनिवास, श्रीमती चंदा इंदिरा, चंदा अभिषेक, श्रीमती चंदा सौम्या सहित स्थानीय शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से मुलाकात कर राधा कृष्णजी की मूर्ति भेंट कर उनका सम्मान करते हुए बीआरएस नेता भबूतसिंह राजपुरोहित, उदय सिंह चौहान, किशोरसिंह राजपुरोहित, समाजसेवी दीप सिंह राठौड, रणमल सिंह राजपूत, गंगासिंह व अन्य।

अमावस्या पर कापरा मंडल के मलकाराम, जवाहरनगर स्थित श्री आईजी गौशाला में गोसेवा करते हुए पदाधिकारी व गौभक्त। भजन-कीर्तन करती हुईं महिला मंडल की सदस्याएं व प्रसाद ग्रहण का दृश्य।

आईडीओसी सूर्यापेट सौर संयंत्र का 20 अगस्त को उद्घाटन करेंगे मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में सरकारी कार्यालयों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की पहल के तहत, तेलंगाना राज्य नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम ने एकीकृत जिला कार्यालय परिसर, सूर्यापेट में 100 किलोवाट का सौर छत शीर्ष बिजली संयंत्र स्थापित किया है। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव 20 अगस्त को सौर ऊर्जा इकाई का उद्घाटन करने वाले हैं। रेडको के अध्यक्ष वाई. सतीश रेड्डी के अनुसार, सूर्यापेट कलेक्टरेट कांप्लेक्स सौर ऊर्जा इकाई 1.44 लाख यूनिट बिजली पैदा करेगी ।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य अपनाने के लिए एक सरलीकृत दस्तावेज़ प्रदान करना है, जो भूमि विकास और भवन निर्माण को नियंत्रित करने वाले नियामक तंत्र को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद करेगा।

बीआईएस हैदराबाद शाखा कार्यालय के निदेशक और प्रमुख केवी राव ने अपने संबोधन में सम्मानित मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने उद्देश्यों के बारे में संक्षेप में बताया। उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी और कहा कि सभी अधिकारियों के सामूहिक इनपुट चर्चा के माध्यम से तकनीकी और वैज्ञानिक मुद्दों को हल करने के लिए एक साझा मंच सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आई. गणपति रेड्डी, इंजीनियर-इन-चीफ, सड़क और भवन विभाग, तेलंगाना ने कार्यवाही का उद्घाटन किया। अपने मुख्य भाषण में, भवन निर्माण को नियंत्रित करने वाले नियामक तंत्र के विकास का उद्देश्य लोगों को बेहतर और पारदर्शी सेवाएं सुनिश्चित करना और निर्माण के क्षेत्र में व्यवसाय को सुधार करना है। बीआईएस सीईडी की संयुक्त निदेशक श्रीमती मधुरिमा माधव ने निर्माण कार्यों के क्षेत्र में बीआईएस और एनबीसी की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने निर्माण से संबंधित गतिविधियों के मामले में व्यवसाय को आसान बनाने के लिए भवन विनियमों के विकास के महत्व से भी अवगत कराया क्योंकि पूरे देश में नियमों और विनियमों में पर्याप्त समानता होगी, और लोगों को तेजी से, सुरक्षित और बेहतर भवन बनाने की अनुमति मिलेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राष्ट्रपति मुर्मू ने ...

इसकी अधिकतम स्पीड 52 किलोमीटर प्रतिघंटा है। इस पर 35 अफसरों सहित 226 नौसैनिक सवार हो सकते हैं।

अगर यह 52 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से चले तो इसकी रेंज 4600 किलोमीटर रहेगी। अगर 30-33 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चले तो यह 10,200 किलोमीटर तक जा सकता है। इसमें इमरजेंसी बचाव या हमला करने के लिए दो बोट्स हैं।

आईएनएस विंध्यगिरी प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट का छठा जहाज :

आईएनएस विंध्यगिरी प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट का छठा जहाज है। इसे गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) में बनाया गया है। प्रोजेक्ट 17ए के तहत मझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) की तरफ से 4 और जीआरएसई की तरफ से तीन जहाज बनाए जा रहे हैं। पहले 5 जहाज 2019 से 2022 के बीच लॉन्च हो चुके हैं।

यूपी समेत 9 ...

गुंटूर-बीबीनगर के बीच 1 किमी, चोपन-चुनार के बीच मौजूदा लाइन का दोहरीकरण और सामाखियाली-गांधीधाम के बीच चार ट्रैक बिछाने का काम शामिल है। इनके अलावा हरियाणा के 16 स्टेशनों का कायाकल्प भी इस योजना में शामिल है, जिसपर 608 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

लोकसभा चुनाव से पहले स्लीपर वंदे भारत

2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मोदी सरकार वंदे भारत के दो नए वेरिएंट लाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक चेन्नई में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री डिजाइन तैयार कर रही है। बताया जा रहा है कि दिसंबर तक यह काम पूरा हो जाएगा। मोदी सरकार की योजना है कि मार्च तक दोनों वर्जन के कम से कम आधा दर्जन ट्रेन लॉन्च किया जा सके। वंदे भारत की बढ़ती लोकप्रियता के बीच लंबी दूरी के लिए वंदे स्लीपर ट्रेन की मांग होने लगी थी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मंत्रिमंडल ने डिजिटल इंडिया के तहत 12 करोड़ कॉलेज छात्रों के लिए साइबर जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू करेगी। डिजिटल इंडिया के तहत सरकार 14,903 करोड़ रुपये से 6.25 लाख आईटी के लोगों का भविष्य निखारेगी। वहीं सरकार ने एआई-सक्षम बहुल भाषा अनुवाद उपकरण अब आठवीं अनुसूची की सभी 22 भाषाओं में शुरू करेगी। अभी तक यह सिर्फ 10 भाषाओं में उपलब्ध है। सरकार टियर 2 और टियर 3 शहरों में 1,200 स्टार्टअप को समर्थन करेने की तैयारी कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का विस्तार हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा, सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान करेगा और हमारे आईटी तंत्र को मजबूत करेगा।

आयरलैंड से पहला टी-20 आज - भारत की पॉसिबल-11

बुमराह की फिटनेस और कप्तानी का टेस्ट, डेब्यू कर सकते हैं रिंकू सिंह

डबलिन, 17 अगस्त (एजेंसियां)। टीम इंडिया अब आयरलैंड दौरे पर है। टीम को वहां 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। पहला मुकाबला 18 अगस्त को खेला जाएगा। यह सीरीज कई मायनों में अहम है। आने वाले 3 मैचों में युवा टीम इंडिया के प्रदर्शन पर टीम मैनेजमेंट सहित सिलेक्टर्स की नजरें भी टिकी रहेंगी, क्योंकि उन्हें युवाओं के प्रदर्शन से कई सवालों के जवाब मिल सकते हैं। मुकाबले से एक दिन पहले देखिए टीम इंडिया की पॉसिबल प्लेइंग-11...

तीन मायनों में सीरीज अहम...?

फिटनेस टेस्ट एशिया कप से पहले आयरलैंड सीरीज भारतीय खिलाड़ियों का फिटनेस टेस्ट होगा, क्योंकि चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से दूर रहे जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा जैसे तेज गेंदबाज वापसी कर रहे हैं। इसमें सिलेक्टर्स बुमराह-कृष्णा की फिटनेस और फॉर्म परखेंगे। बुमराह करीब 10 महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं।

बुमराह का लीडरशिप टेस्ट आयरलैंड में बुमराह की लीडरशिप क्वॉलिटी की भी परीक्षा होगी, क्योंकि वे पहली बार किसी बाइलेटरल सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी करने जा रहे हैं। इससे पहले, वे इंग्लैंड में एक टेस्ट के लिए कप्तान बनाए गए थे।

टीम चयन के लिए ऑप्शन आयरलैंड दौरा एशिया कप और वर्ल्ड कप टीम चयन के लिहाज से भी अहम है, क्योंकि 3 मुकाबलों की इस सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा और सिलेक्टर्स को कई सवालों के जवाब मिलने वाले हैं। जैसे पंत-राहुल के फिट न होने की स्थिति में विकेटकीपर कौन होगा। पंत की जगह राहुल के फिट होने पर दूसरा विकेटकीपर कौन होगा। टीम अय्यर के फिट न होने की स्थिति में नंबर-4 के विकल्प भी तलाशेगी। इस पोजिशन के लिए सूर्यकुमार यादव और युवा तिलक वर्मा पर नजरें रहेंगी।

जायसवाल-गायकवाड कर सकते हैं ओपन

वेस्टइंडीज दौरे पर यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करने वाले शुभमन गिल को आराम दिया गया है। ऐसे में जायसवाल के साथ उपकप्तान ऋतुराज गायकवाड ओपनिंग करते नजर आ सकते हैं। यहां जायसवाल के साथ गायकवाड के पास भी खुद को साबित करने का मौका होगा। जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टी-20 में 45 की औसत से रन बनाए हैं। उन्होंने दूसरे टी-20 में अपना पहला अर्धशतक जमाया। उन्होंने 51 गेंदों पर नाबाद 84 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में 8 रन पर आउट होने वाले गायकवाड ने इस सीजन में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर टीम इंडिया में वापसी की है। गायवाड़ ने सीएसके से इस सीजन के 16 मैचों में 42.14 की औसत से 540 रन बनाए थे। स्ट्राइक रेट भी 147 का रहा। आंकड़े ग्राफिक्स में देखिए...

संजू के पास लास्ट चांस, शर्मा को भी आजमा सकते हैं

नंबर 3 पर विकेट कीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मौका मिल सकता है, यह सैमसन के पास खुद को साबित करने का आखिरी मौका होगा। विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा को भी आजमाया जा सकता है। टीम मैनेजमेंट चाहेगा कि एशिया कप से पहले केएल राहुल के फिट होने पर उनके साथ दूसरे विकेटकीपर के लिए फैसला ले लिया जाए। पंत का विकल्प अभी टीम को नहीं मिला है। वेस्टइंडीज दौरे पर किशन को संजू से ज्यादा मौके मिले। ऐसे में टीम संजू को और मौका देकर उन्हें अजमाना चाहेगी।

नंबर-4 पर टीम मैनेजमेंट तिलक वर्मा को अजमाएगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू करने वाले तिलक वर्मा ने 5 टी-20 मैचों में लगभग 58 की औसत से 173 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट भी 140 से ऊपर रहा है। वेस्टइंडीज दौरा खत्म होने के बाद टीम इंडिया के चीफ कोच ने भी तिलक की तारीफ की और कहा था कि चौथे बैटिंग ऑर्डर के लिए तिलक बेहतर साबित हो सकते हैं। वे लेफ्टी भी हैं। ऐसे में टीम के लिए वे काफी योगदान दे सकते हैं। ऐसे में टीम मैनेजमेंट तिलक को चौथे नंबर पर एशिया कप से पहले परखेगा, ताकि टीम के पास अय्यर के साथ ही तिलक वर्मा का विकल्प हो। तिलक लिस्ट ए में भी मुंबई के लिए 57 की औसत से रन बना चुके हैं।

नंबर-5 पर आईपीएल स्टार रिंकू सिंह को मौका दिया जा सकता है। वे इस दौरे पर डेब्यू कर सकते हैं। रिंकू ने आईपीएल में कई मौकों पर अपनी टीम केकेआर को जिताया है। उन्होंने आखिरी ओवर में 5 छक्के लगाकर जीटी के जबड़े से जीत छीन ली थी। रिंकू ने पिछले सीजन में करीब 43 की औसत से 343 रन बनाए हैं। ऐसे रिंकू को नंबर-5 पर मौका देकर अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए तैयार किया जा सकता है।

ऑलराउंडर्स : सुंदर-दुबे के प्रदर्शन पर नजरें

ऑलराउंडर्स के तौर पर शिवम दुबे और चोट के बाद वापसी कर रहे वाशिंगटन सुंदर के प्रदर्शन को परखा जाएगा। शिवम दुबे मीडियम पेसर ऑलराउंडर हैं, जबकि सुंदर स्पिन ऑलराउंडर हैं।

मैनेजमेंट दुबे को 6 नंबर पर बल्लेबाजी का मौका दे सकता है। हार्दिक पंड्या को सीरीज से ब्रेक दिए जाने पर उनकी टीम में वापसी हुई है। टीम मैनेजमेंट चाहता है कि पंड्या के साथ और भी ऑलराउंडर विकल्प टीम को मिले, जो फास्ट बॉलिंग के साथ ही बल्ले से भी योगदान दे सके।

शिवम टीम इंडिया के लिए खेले 13 टी-20 मैचों में 10.04 की इकोनॉमी से 5 विकेट भी ले चुके हैं। वे 135 की स्ट्राइक रेट से 105 रन बना चुके हैं। साथ ही स्पिनर वाशिंगटन सुंदर की चोट के बाद टीम में वापसी हुई है। अक्षर-जडेजा को ब्रेक दिए जाने से उन्हें मौका मिला है। सुंदर टीम इंडिया के लिए अब तक खेले 35 टी-20 आई में 32 विकेट लेने के साथ ही 150 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उन्हें 7 नंबर पर बल्लेबाजी के लिए अजमाया जाएगा।

बॉलिंग : बुमराह-कृष्णा की फिटनेस पर नजरें

आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में तेज गेंदबाजों में कप्तान जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका मिल सकता है। टीम इंडिया चाहेगी कि एशिया कप से पहले प्रसिद्ध कृष्णा और बुमराह की फिटनेस की परख हो सके और दोनों अपनी लय हासिल कर सकें।

साथ ही स्पिन बॉलिंग डिपार्टमेंट में रवि बिश्नोई को चुना जा सकता है। लेग स्पिनर बिश्नोई को वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल एक मैच में ही मौका मिला था। ऐसे में उन्हें भी मौका दिया जा सकता है।

टीम में बेटियां हैं तो महिला कोच की तैनाती जरूरी

साई ने एशियाड से पहले 13 खेल संघों को सख्त निर्देश दिए

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। साई की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि यह फैसला लिया गया है कि किसी भी टीम में अगर कोई महिला सदस्य शामिल होगी तो उसके साथ कम से कम एक महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ भेजना अनिवार्य होगा।

टीम में अगर बेटियां हैं तो अब कम से कम एक महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ की तैनाती जरूरी होगी। एशियाई खेलों में टीम भेज रहे 13 खेल संघों की टीमों को साई ने अब तक इस लिए हरी झंडी नहीं दी है, क्यों कि उनकी टीम में महिला सदस्य होने के बावजूद एक भी महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ नहीं है। साई ने इन खेल संघों से अपने दल में कम से कम एक महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ को तैनात करने के लिए कहा है।

साई की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि यह फैसला लिया गया है कि किसी भी टीम में अगर कोई महिला सदस्य शामिल होगी तो उसके साथ कम से कम एक महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ भेजना अनिवार्य होगा। नियमों के मुताबिक टीम सदस्यों का 25 प्रतिशत हिस्सा कोच और सपोर्ट स्टाफ का होगा। साई ने कहा है कि इन्हीं नियमों के दायरे में रहकर ही खेल संघों को अपनी टीम में महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ की तैनाती करनी होगी।

तैराकी, वॉलीबाल समेत 13 खेल संघों ने नहीं की तैनाती

साई ने ब्रिज, शतरंज, गोल्फ, सॉफ्ट टेनिस, वूशु, कुराश, ब्रेकडांस, वॉलीबॉल, स्पोर्ट्स क्लाइंबिंग, रोलरस्केटिंग, जिम्नास्टिक, घुड़सवारी और तैराकी की टीम में कम से कम महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ की तैनाती करने को कहा है। इन खेल संघों की टीम में महिला सदस्य हैं, लेकिन एक भी महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ नहीं है। इन खेल संघों से तत्काल अपनी टीम में महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ रखने के लिए कहा गया है। इसके बाद ही उनकी टीम को एशियाई खेलों के लिए मंजूरी दी जाएगी।

विराट या रोहित नंबर-4 पर बैटिंग करें

रवि शास्त्री बोले, 'ईशान-शुभमन से ओपनिंग कराएं, टॉप-7 में 3 लेफ्ट हैंडर्स रखे टीम इंडिया'

मुंबई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। रवि शास्त्री बोले, 'रोहित शर्मा या विराट कोहली को वनडे वर्ल्ड कप में नंबर-4 पर बैटिंग करना चाहिए। ईशान के साथ शुभमन को ओपनिंग करनी चाहिए। टीम को टॉप-7 में 3 लेफ्ट हैंडर्स भी रखने ही चाहिए।' टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच ने कहा कि केएल राहुल और श्रेयस अय्यर के साथ टीम इंडिया को जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। उनकी जगह तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव को एशिया कप में मौका देना चाहिए। स्टार स्पोर्ट्स ने मंगलवार को टीम इंडिया सिलेक्ट करने के लिए 'सिलेक्शन डे' नाम से स्पेशल शो लॉन्च किया। शो की पैनल में टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री के साथ पूर्व सिलेक्टर एमएसके प्रसाद और संदीप पाटिल को भी रखा।

टॉप-7 में 3 लेफ्ट हैंडर्स जरूरी

रवि शास्त्री बोले, 'टॉप-7 में 3 लेफ्ट हैंडर्स होना ही चाहिए। यहां सिलेक्टर्स का रोल अहम है, अगर यशस्वी और तिलक वर्मा अच्छा कर रहे हैं तो दोनों को टीम में रखना चाहिए। अगर आप ईशान को 6-8 महीनों से खिला रहे हैं तो उन्हें टीम में भी रखना ही चाहिए। जड्डू को मिलाकर भारत के टॉप-7 में 3 लेफ्ट हैंडर्स जरूरी है।'

राहुल और श्रेयस के साथ जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए

'आप ऐसे खिलाड़ी (केएल राहुल) को सीधे प्लेइंग-11 में नहीं खिला सकते जो घुटने की इंजरी से रिकवरी कर रहा हो। उसमें भी अगर आप उनसे विकेटकीपिंग कराएंगे तो ये बहुत बड़ा रिस्क होगा। श्रेयस के साथ भी जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। अगर मैं सिलेक्टर होता तो मिडिल ऑर्डर में तिलक वर्मा को रखता। जिस फॉर्म में वह इस वक्त हैं मैं उन्हें टीम में जरूर रखना चाहूंगा। उनके साथ सूर्यकुमार एशिया कप मे होना चाहिए।'

ईशान से ओपनिंग कराएं; रोहित, शुभमन और कोहली अपनी पोजिशन बदलें

'ईशान को टॉप ऑर्डर में बैटिंग करना चाहिए। रोहित, विराट और शुभमन गिल में 2, 3 और 4 नंबर की पोजिशन का समाधान निकालना चाहिए। 2023 में शुभमन ने शानदार परफॉर्म किया। रोहित अनुभवी खिलाड़ी हैं, वह टॉप-4 में कहीं भी बैटिंग कर सकते हैं। इसलिए मैं रोहित को नंबर-4 पर देखना चाहूंगा।'

शिखर धवन की तारीफ की

'मुझे अपने कोचिंग पीरियड में भी लगा कि लोग शिखर धवन को ज्यादा क्रेडिट नहीं देते। वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। 2019 के वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में अगर धवन इंजर्ड नहीं रहते तो वह प्लेइंग-11 में भी जरूर रहते। अगर वह टीम में रहते तो सेमीफाइनल में राइट हैंडर को जो गेंदें बाहर की तरफ स्विंग होकर परेशान कर रही थी, धवन वहां टीम को बचा ले जाते।'

चोट के कारण पृथ्वी शॉ वनडे-कप से बाहर

क्लब के लिए दोहरा शतक लगाकर रचा था इतिहास; अभी बीसीसीआई की मेडिकल टीम की निगरानी में

लंदन,17 अगस्त (एजेंसियां)। पृथ्वी शॉ इंग्लैंड में चल रहे वनडे-कप कॉम्पिटिशन 2023 से बाहर हो गए हैं। शॉ वनडे-कप कॉम्पिटिशन में नॉर्थम्पटनशायर के लिए खेलते हैं। रविवार को डरहम के खिलाफ खेले गए एक मैच में फील्डिंग के दौरान उनके घुटने में चोट लग गई है।

नॉर्थम्पटनशायर ने एक बयान में कहा, स्कैन के नतीजों से पता चला है कि चोट काफी गंभीर है। शॉ की फिलहाल भरतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मेडिकल टीम निगरानी कर रही है और वह शुक्रवार को लंदन में एक एक्सपर्ट से मिलने वाले हैं।

समरसेट के खिलाफ खेली थी रिकॉर्ड 244 रन की पारी

23 साल के शॉ ने समरसेट के

खिलाफ 153 गेंदों पर 244 रन की पारी खेली। शॉ ने इस टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने ओली रॉबिन्सन के 206 रन (2022 में केंट के लिए) को पीछे छोड़ा।

इसी के साथ शॉ 50 ओवर मैच यानी लिस्ट A मैचों में टॉप स्कोर बनाने वाले छठे बल्लेबाज बने थे। इस लिस्ट में पहला नाम तमिलनाडु के नारायण जगदीशन का है, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 277 रन की पारी खेली थी।

शॉ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर

दाएं हाथ के बल्लेबाज शॉ वर्तमान में वन-डे कप 2023 में चार मैचों में 143 की शानदार औसत के साथ 429 रन बना कर टूर्नामेंट के टॉप रन-स्कोरर है। उनके नाम चार पारियों में दो शतक दर्ज हैं, जिसमें समरसेट के खिलाफ 153 गेंदों में 244 रन शामिल है। उन्होंने अपनी अन्य तीन पारियों में 125*, 26 और 34 रन बनाए।

शॉ को 2021 से टीम इंडिया में मौका नहीं मिला

2018 में भारत को अपनी कप्तानी में अंडर-19 वर्ल्ड कप जिता चुके पृथ्वी शॉ ने 2018 में ही इंटरनेशनल डेब्यू भी कर लिया था। उन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट में ही शतक लगाया, लेकिन इंटरनेशनल लेवल पर गेंदबाजों के सामने उनकी टेक्नीक कमजोर नजर आई। उन्होंने जुलाई 2021 में श्रीलंका के खिलाफ आखिरी इंटरनेशनल मैच वनडे के रूप खेला और तब से ही वह भारत के लिए कोई मुकाबला नहीं खेल सके।

शॉ को इसी साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के स्क्वॉड में शामिल किया गया था, लेकिन शुभमन गिल और ऋतुराज गायकवाड की मौजूदगी में उन्हें प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बनाया गया।

इंग्लैंड विमेंस फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल में

ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में 3-1 से हराया; रविवार को स्पेन से खिताबी मुकाबला

सिडनी, 17 अगस्त (एजेंसियां)। यूरो कप चैम्पियन इंग्लैंड ने विमेंस फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 के अंतर से हराया। इंग्लैंड टीम पहली बार विमेंस वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है। फाइनल में टीम का सामना स्पेन से होगा। मुकाबला रविवार को सिडनी के स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया में दोपहर 3:30 बजे से होगा।

सिडनी में मेजबान ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। इंग्लैंड ने फर्स्ट हाफ से ही अटैकिंग गेम खेला, जिसका फायदा उन्हें मिला और टीम ने 36वें मिनट में गोल स्कोर कर दिया। टीम से एला टून ने गोल किया। इस गोल के बाद इंग्लैंड ने लगातार बढ़त बनाए रखी। फर्स्ट हाफ खत्म होने के बाद भी इंग्लैंड ने 1-0 की

बढ़त कायम रखी। सेकेंड हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने अटैक किया। 63वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया की सैम केर ने गोल किया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। 1-1 की बराबरी के बाद इंग्लैंड ने मैच में पकड़ बनानी शुरू की। 71वें मिनट में टीम की लौरेन हैम्प ने गोल किया और स्कोर लाइन 2-1 से इंग्लैंड के पक्ष में कर दी। 86वें मिनट में इंग्लैंड की एलिसिया रुसो ने भी गोल किया और टीम ने 3-1 की बढ़त बना ली।

स्कोर लाइन 3-1 होने के बाद मैच में कोई और गोल नहीं लगा। फुल टाइम के बाद भी स्कोर 3-1 ही रहा और इंग्लैंड ने मुकाबला जीतकर पहली बार फाइनल में जगह बना ली।

19 अगस्त को मिल्टन के सनकॉर्प स्टेडियम में स्वीडन और ऑस्ट्रेलिया के बीच थर्ड प्लेस के लिए मैच होगा। मुकाबला शनिवार दोपहर 1:30 बजे (भारतीय समयानुसार) से शुरू होगा। थर्ड प्लेस मैच के बाद रविवार को स्पेन और इंग्लैंड के बीच फाइनल होगा।

स्पेन ने पहले सेमीफाइनल में स्वीडन को 2-1 से हराया था। स्पेन और इंग्लैंड दोनों ही टीमों ने अब तक विमेंस फीफा वर्ल्ड कप का खिताब नहीं जीता है। ऐसे में रविवार का फाइनल जीतने वाली टीम पहली बार विमेंस वर्ल्ड चैम्पियन बनेगी।

प्राइवेट प्लेन, 25 बेडरूम का घर और महंगी गाड़ियां

सऊदी अरब में नेमार को फ्री में मिलेंगी ये सुविधाएं

खेल डेस्क, 17 अगस्त (एजेंसियां)। ब्राजील के स्टार फॉरवर्ड और दुनिया के टॉप-5 खिलाड़ियों में शामिल किए जाने वाले नेमार जूनियर अब सऊदी अरब में खेलते दिखेंगे। नेमार ने अल हिलाल क्लब के साथ दो साल के लिए करार किया है। अल हिलाल ने 31 साल के इस खिलाड़ी को 90 मिलियन यूरो (लगभग 817 करोड़ रुपये) में अपने साथ जोड़ा है। नेमार इससे पहले फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की ओर खेल रहे थे। नेमार अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी और फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे के साथ टीम में थे। अब तीनों में पीएसजी की टीम में सिर्फ एम्बाप्पे ही बचे हैं। नेमार सऊदी अरब चले गए और मेसी ने हाल ही में अमेरिका के क्लब इंटर मियामी के साथ करार किया था। एम्बाप्पे के भी दूसरे क्लब में जाने की खबरें थीं, लेकिन उन्होंने अपने आप को रोक लिया है और वह इस सीजन में पीएसजी के लिए ही खेलेंगे।

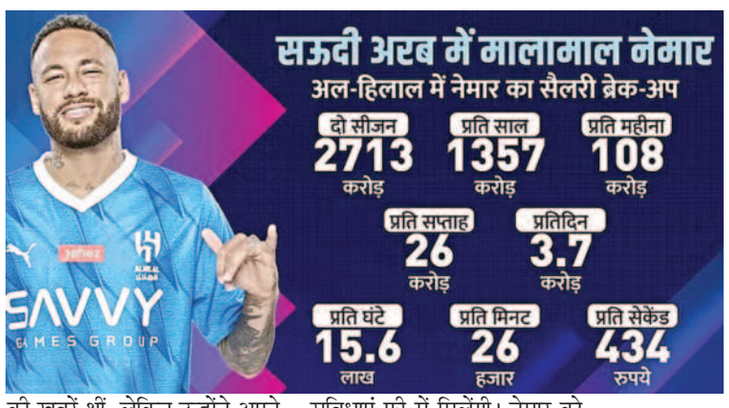

नेमार को अल हिलाल के साथ जुड़ने पर सिर्फ 817 करोड़ रुपये ही नहीं बल्कि कई महत्वपूर्ण सुविधाएं फ्री में मिलेंगी। नेमार को अल हिला की हर जीत पर बोनस भी दिए जाएंगे। क्लब ने उन्हें हर जीत पर 80,000 यूरो (करीब 72 हजार रुपये) मिलेंगे।

नेमार को सऊदी अरब में रहने के लिए 25 बेडरूम का घर दिया जाएगा। इसमें 40x10 मीटर का स्विमिंग पूल होगा। साथ ही तीन सॉना भी घर में बना होगा। इससे वह खुद को मैच के बाद आराम दे सकते हैं। सॉना का उपयोग मांसपेशियों को आराम देने के लिए किया जाता है। इसके इस्तेमाल से रक्त प्रवाह में सुधार होता है। आमतौर पर खिलाड़ी प्रैक्टिस या मैच के बाद 15-20 मिनट में इसमें बिताते हैं। नेमार के घर में पांच पूर्णकालिक कर्मचारी होंगे।

नेमार के लिए प्राइवेट प्लेन उपलब्ध होगा। इसके अलावा अल हिलाल ने उन्हें बड़ी-बड़ी गाड़ियां देने का भी वादा किया है। वह सऊदी अरब में बेंटले कॉन्टिनेंटल जीटी, एस्टन मार्टिन डीबीएक्स, लेम्बोर्गिनी हुराकैन से चलेंगे। इसके लिए नेमार को कोई कीमत नहीं चुकानी होगी। उनके लिए ड्राइवर 24 घंटे उपलब्ध होंगे।

उनके अवकाश के दिनों के दौरान होटल, रेस्त्रां और विभिन्न सेवाओं के सभी बिल भुगतान के लिए क्लब मुख्यालय को भेजे जाएंगे। इसके अलावा सऊदी अरब को बढ़ावा देने वाले प्रत्येक सोशल मीडिया पोस्ट के लिए 500,000 यूरो (करीब 4.5 करोड़ रुपये) दिए जाएंगे।

अल हिलाल की टीम रिकॉर्ड 18 बार सऊदी प्रो लीग जीत चुकी है। वह पहले लियोनल मेसी को अपनी टीम में शामिल करना चाहती थी, लेकिन सफलता नहीं मिली।

मैनचेस्टर सिटी ने पहली बार यूईएफए सुपर कप खिताब जीता

पेनल्टी शूटआउट में सेविला को हराया; 1973 से खेला जा रहा है टूर्नामेंट

खेल डेस्क,

चैंपियंस लीग 2023 चैंपियन मैनचेस्टर सिटी ने पेनल्टी शूटआउट में यूरोपा लीग चैंपियन सेविला को हराकर पहली बार यूईएफए सुपर कप का खिताब जीत लिया है। एथेंस के कारेस्काकिस स्टेडियम में 16 अगस्त को खेले गए फाइनल मुकाबले का रिजल्ट पेनल्टी शूटआउट में निकला। फुल टाइम तक मुकाबला 1-1 से बराबर रहा। मैनचेस्टर सिटी ने सेविला को को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर सुपर कप जीता।

सेविला के यूसुफ एन-नेसिरी (25वें मिनट) ने पहले हाफ में हेडर की मदद से शानदार गोल किया और टीम को बढ़त दिला दी। वहीं मैच के 63वें मिनट में सिटी के कोल पामर ने हेडर से गोल करते हुए टीम को बराबरी पर ला दिया और मुकबला पेनल्टी शूटआउट में जा पहुंचा।

लीग की सबसे सफल टीमें बार्सिलोना, मिलान और रियल मैड्रिड हैं, जिन्होंने पांच-पांच बार ट्रॉफी जीती है।

यूईएफए सुपर कप का यह 48वां सीजन है। टूर्नामेंट की शुरुआत 1973 में हुई थी। इसे यूरोपियन यूनियन ऑफ फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया जाता है। टूर्नामेंट में केवल एक मुकाबला खेला जाता है। यह मुकाबला यूईएफए चैंपियंस लीग (मैनचेस्टर सिटी विजेता) और यूईएफए यूरोपा लीग (सेविला विजेता) के विजेता के बीच खेला जाता है।

विश्व कप तीरंदाजी : भारतीय पुरुष टीम ने कोरिया और महिलाओं ने इंग्लैंड को हराया

पेरिस, 17 अगस्त (एजेंसियां)। यूरो हाल ही में विश्व चैंपियन ओजस देओताले के शानदार प्रदर्शन ने कोरिया पर जीत में भूमिका निभाई। दोनों टीमें 235-235 की बराबरी पर थीं। शूटआउट में भी स्कोर 30-30 रहा, लेकिन ओजस का अंतिम तीर कोरियाई तीरंदाज के मुकाबले 10 अंक पर ज्यादा सटीक था। भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन का क्रम जारी रखते हुए विश्वकप स्टेज-4 के फाइनल में प्रवेश कर दो पदक पक्के कर लिए हैं। पुरुष और महिला दोनों टीमों ने

सेमीफाइनल में जीत हासिल की। पुरुष टीम ने कोरिया को शूटआउट में पराजित किया, जबकि महिलाओं ने ब्रिटेन को 234-233 से हराया। पुरुष टीम फाइनल में अमेरिका से और महिला टीम मैक्सिको से भिड़ेगी।

हाल ही में विश्व चैंपियन ओजस देओताले के शानदार प्रदर्शन ने कोरिया पर जीत में भूमिका निभाई। दोनों टीमें 235-235 की बराबरी पर थीं। शूटआउट में भी स्कोर 30-30 रहा, लेकिन ओजस का अंतिम तीर कोरियाई तीरंदाज के मुकाबले 10 अंक पर ज्यादा सटीक था। जिस पर भारत को विजेता घोषित किया गया। भारतीय टीम में ओजस के अलावा प्रथमेश जावकर और अभिषेक वर्मा शामिल थे, जबकि कोरियाई टीम में चोई यांगही, किम जांगहो, यांग जेईवान थे। पुरुष टीम ने इससे पहले इटली को 239-235 और मैक्सिको को 237-235 से हराया। वी ज्योति सुरेखा, हाल ही में विश्व चैंपियन बनीं 17 वर्षीय अदिति स्वामी और पटियाला की परणीत कौर की टीम ने ब्रिटेन को कड़े संघर्ष में हराया। पहले दो सेट में भारतीय टीम 59-60 और 175-176 से पिछड़ी हुई थी, लेकिन भारतीय तीरंदाजों ने अंतिम सेट में जबरदस्त वापसी करते हुए 234-233 से मुकाबला जीत लिया। इससे पहले महिलाओं ने एस्टोनिया को 232-230 से हराया था। ज्योति और ओजस व्यक्तिगत रैंकिंग दौर में भी सर्वोच्च स्थान पर रहे हैं।

आदिवासियों के साथ-साथ राज्य के पिछड़े क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध : केटीआर

मंत्री ने यादाद्री के समान भद्राद्री का विकास करने की बात कही

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामाराव ने आदिवासियों के साथ-साथ राज्य के पिछड़े क्षेत्रों के समग्र विकास और कल्याण के लिए तेलंगाना सरकार के अटूट समर्पण को दोहराया। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार यदाद्री मंदिर के साथ-साथ भद्राचलम में श्री सिताराम स्वामी मंदिर के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हम लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने को लेकर आश्वस्त हैं। इसके तुरंत बाद राज्य सरकार भद्राद्री मंदिर का पुनर्निर्माण कराएगी। इस संबंध में किसी को भी संदेह करने की जरूरत नहीं है।

वह गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय तेलंगाना भवन में पूर्व विधायक डॉ. तेलम वेंकट राव और कांग्रेस के अन्य नेताओं को औपचारिक रूप से बीआरएस में शामिल करने के बाद एक समारोह में बोल रहे थे। वेंकट राव, जो पूर्व सांसद पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी के प्रमुख सहयोगी थे, हाल ही में उनके साथ कांग्रेस में शामिल हुए थे, लेकिन उन्होंने बीआरएस में लौटने का फैसला किया। उन्होंने उनके राजनीतिक विकास का समर्थन करने के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। वेंकट राय और अन्य नेताओं का बीआरएस में वापस स्वागत करते हुए रामाराव ने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव क्रांतिकारी आदिवासी नेता कुमराम भीम के "जल, जंगल, जमीन" के नारे को साकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के लिए आरक्षण कोटा बढ़ाकर 10 प्रतिशत करना, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में सुधार के साथ-साथ दूरदराज के गांवों में पाइप से पीने के पानी की आपूर्ति, 4.5 लाख एकड़ पोडु भूमि के लिए स्वामित्व वितरित करना और आदिवासियों के सपने को साकार करने के लिए नई आदिवासी ग्राम पंचायतें स्थापित करना, स्व-शासन, ये सभी हाशिये पर पड़े समुदायों के उत्थान के लिए बीआरएस सरकार की प्रतिबद्धता के प्रमाण है।

कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ की तुलना करते हुए, मंत्री ने सवाल किया कि क्या गोदावरी नदी के दूसरी तरफ के आदिवासियों के लिए तेलंगाना जैसा विकास किया गया है। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले राज्यों में रायथु बंधु, रायथु बीमा या कृषि के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति जैसी पहल की अनुपस्थिति की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि इसके बजाय, तेलंगाना की प्रगति निर्विवाद है क्योंकि छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे क्षेत्रों के किसान अपनी उपज बेचने के लिए तेलंगाना की ओर जा रहे थे। इसके अलावा, रामा राव ने बीआरएस सरकार की उपलब्धियों के बिल्कुल विपरीत अपने 60 साल के शासनकाल में पर्याप्त कल्याणकारी उपाय लागू करने में कांग्रेस पार्टी की असमर्थता की आलोचना की। अंतर पर जोर देते हुए, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जहां कांग्रेस ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के रूप में मात्र 200 रुपये की पेशकश की थी, वहीं बीआरएस सरकार लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे 4,000 रुपये वितरित कर रही थी।

उन्होंने कांग्रेस पार्टी के हाल ही में पेंशन के रूप में 4,000 रुपये के वादे के बारे में लोगों के संदेह को उजागर किया, और उनकी क्षमताओं में विश्वास की कमी का हवाला दिया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने पार्टी कैडर से बीआरएस सरकार की उपलब्धियों के बारे में लोगों के बीच प्रचार करने का आह्वान किया। उन्होंने अप्रभावी शासन के ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, आगामी विधानसभा चुनावों में एक और अवसर के लिए कांग्रेस पार्टी के दावों के आगे झुकने के प्रति आगाह किया। उन्होंने खम्मम जिले के लोगों से आगामी चुनावों में बीआरएस के विकास और कल्याण पहल का समर्थन करने का आग्रह किया, जिससे इसे विधानसभा और संसदीय चुनावों में विजयी सफलता मिलेगी।

लोगों को बेहतर पुलिस सेवा प्रदान करने के लिए काम करें : एसपी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस ने आज कुमरम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस मुख्यालय में जिला पुलिस अधिकारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक की।

इस मौके पर पुलिस अधिकारियों से लंबित (जांचाधीन) मामलों में गंभीर और गैर-गंभीर मामलों के बारे में पूछा गया। इस मौके पर जिले के एसपी ने कहा कि गंभीर और गैर-गंभीर मामलों में जांच कैसे की जाए, किन पहलुओं की जांच की जाए आदि के बारे में बताया गया है। उन्होंने कहा कि कार्ययोजना के साथ कार्य करें और जिले का नाम रोशन करें।

हर मामले की गुणवत्तापूर्ण जांच होनी चाहिए। मामले की जांच पूरी पारदर्शिता से होनी चाहिए. मामले के पंजीकरण से लेकर आरोप पत्र तक हर चीज पर गहन शोध कर उसे अंतिम रूप दिया जाना चाहिए। फॉक्सो और ग्रेव मामले में जांच तेजी से पूरी कर कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया जाना चाहिए। सुझाव है कि हर अधिकारी को पूरी जांच और स्टेशन प्रबंधन की जानकारी होनी चाहिए।लंबे समय से लंबित मामलों का जल्द निपटारा किया जाए। मामलों के निपटारे में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाए। बढ़ती तकनीक का इस्तेमाल किया जाए, कर्तव्यों को चुनौती दी जाए और सार्वजनिक माफी ली जाए, मामले की जांच तेजी से पूरी की जाए। महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया जाए। संबंधित एसआई को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिदिन सीसीटीएनएस में डेटा प्रविष्टि की निगरानी करें। रिसेप्शन, क्राइम वर्टिकल, टेक टीम, स्टेशन राइटर, कोर्ट ड्यूटी ऑफिसर सहित अन्य वर्टिकल में कर्मचारियों की ड्यूटी करने वाले अधिकारियों को विभिन्न निर्देश देकर अपने प्रदर्शन में सुधार लाने की सलाह दी गई है। केस दर्ज करने से लेकर आरोप पत्र तक हर चीज की गहनता से जांच कर अंतिम रूप दिया जाना चाहिए। जिले में सर्वाधिक अपराध वाले क्षेत्रों में हॉट स्पॉट बनाये गये हैं तथा उन्नत तकनीक का उपयोग कर क्राइम मैपिंग की गयी है तथा वहां अपराधों पर नियंत्रण हेतु किये जाने वाले उपायों की जानकारी दी गयी है।यह सुझाव दिया गया है कि कस्बों और गांवों में संबंधित गांवों के वीपीओ को सक्रिय पुलिस सिंह कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और लोगों को साइबर अपराध को नियंत्रित करने के लिए सीसी कैमरों की आवश्यकता के बारे में शिक्षित करना चाहिए। अपराध जांच और कई मामलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एस.वेंकटेश, अदालती ड्यूटी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले डी.बाबाजी (एचसी) पीएस कौताला और एमडी असीमुद्दीन (एचसी) पीएस सिरपुर (टी) को जिला एसपी के सुरेश कुमार आईपीएस द्वारा सम्मानित किया गया।

कुष्ठ रोग से बचाव के सशक्त उपाय : जिला कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने अधिकारियों को जिले में कुष्ठ रोग की रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाने का आदेश दिया. जिला केंद्र स्थित एकीकृत कलक्ट्रेट कार्यालय भवन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में होने वाले कुष्ठ रोग सर्वेक्षण से संबंधित पंपलेट का विमोचन जिला चिकित्सा अधिकारी रामकृष्ण के साथ किया गया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिले में कुष्ठ रोग की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कुष्ठ रोगियों की पहचान कर उन्हें छह से 12 माह तक लगातार इलाज के लिए आवश्यक दवाएं दी जाएं तो बीमारी से बचाव संभव है।

इसकी पहचान के लिए शासन के निर्देशानुसार इस माह की 16 से 31 तारीख तक घर-घर जाकर सर्वे कराया जाए। उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोग के मरीजों को तुरंत ''रिफैम्पियन'' दवा दी जायेगी। ऐसा कहा जाता है कि यदि यह तीसरे स्तर पर है, तो विकलांगता के गठन के साथ-साथ पूर्ण हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें तत्काल इलाज मुहैया कराने के लिए कदम उठाया जाये और ऐसे लोगों का ऑपरेशन भी कराया जायेगा। यह सुझाव दिया गया है कि यह सर्वेक्षण पूरी ताकत से किया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम में उप जिला चिकित्सा अधिकारी सुधाकर नायक, डीपीओ धर्म सिंह, डीपीएमओ रमेश, डीईएमओ राशिद, एचईओ श्यामलाल, स्टाफ और अन्य लोगों ने भाग लिया।

एनएच 65 पर सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो घायल

नलगोंडा, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के नारकेटपल्ली में राष्ट्रीय राजमार्ग 65 पर गुरुवार को एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब एक निजी ट्रैवल बस ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिस पर तीन लोग यात्रा कर रहे थे। घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

शिक्षा क्षेत्र की समस्याओं का समाधान हो : एसएफआई

सिरपुर कागजनगर, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया एसएफआई तेलंगाना राज्य समिति के आह्वान के तहत आज कागजनगर मंडल एमएमएआरओ कार्यालय के सामने धरना दिया गया और उसके बाद तहसीलदार रघुनाथ को एक याचिका दी गई।

तेलंगाना सरकार ने अपने अस्तित्व के 9 वर्षों के बाद से शिक्षा क्षेत्र में किसी भी समस्या का समाधान नहीं किया है। यह सरकार छात्रों के प्रति सौतेली माँ के जैसा व्यवहार कर रही है। नतीजतन, जिले में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है। कुमरमभीम जिले में शिक्षकों के 600 से अधिक पद खाली हैं।32 स्कूलों में केवल एक शिक्षक हैं। ऐसे परिस्थितियां दिखाई दे रही है। एसएफआई कुमरम भीम जिला समिति की ओर से मांग करते हैं कि राज्य सरकार छात्रों की समस्याओं का तुरंत समाधान करें। मांगों में लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति जारी करने, स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए वर्दी, पाठ्य पुस्तकें, गुरुकुल, केजीबीवी छात्रों के लिए नोट बुक तुरंत उपलब्ध कराने, मिड-डे मील के लंबित बिल जारी किए जाएं, मिड-डे मील की धनराशि बढ़ाने, मन उरु-मन बस्ती-मनाबादी योजना सभी स्कूलों में लागू करने, इंटर कॉलेज के छात्रों के लिए मध्याह्न भोजन योजना लागू करने, लंबित मेस, कॉस्मेटिक चार्जेज के बिल जारी करने व कॉस्मेटिक चार्जेज बढ़ाने, गुरुकुल, केजीबीवी, कॉलेज छात्रावास एवं किराये के भवनों में चलने वाले छात्रावासों को अपना भवन बनाने, जिले में रिक्त एमईओ के पद भरे जाएं तथा रिक्त शिक्षकों के पद भरने, प्रत्येक शिक्षण संस्थान में शौचालय का निर्माण कराया जाए तथा सफाई कर्मियों के पद भरने, बीसी प्रबंधन को छात्रावासों के लिए स्वयं के भवन का निर्माण करने आदि आदि शामिल हैं। इस अवसर पर एसएफआई जिला सहायक सचिव सुनकारी साईकृष्णा जिला समिति सदस्य डिगिडा प्रकाश, जिला नेता नवीन, अंजना, प्रसाद, प्रियंका, वीणा, प्रशांति और अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

गरीबों की जमीन छीन रहे हैं सीएम केसीआर : इटेला

निर्मल, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और विधायक इटेला राजेंदर ने आरोप लगाया कि निर्मल ही नहीं बल्कि हैदराबाद में जमीनें लूटी जा रही हैं। कहा जा रहा है कि केसीआर की नजर हैदराबाद के आसपास की जमीनों पर है।

भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, विधायक इटेला राजेंदर ने भाग लिया और नगर पालिका के नए मास्टर प्लान को रद्द करने और निर्मल टाउन सेंटर में जीओ 220 को रद्द करने की मांग को लेकर पूर्व विधायक महेश्वर रेड्डी के भूख हड़ताल अभियान के लिए समर्थन व्यक्त किया। इस मौके पर इटेला राजेंदर ने कहा कि केसीआर के आने के बाद लोग सोचते हैं कि उन्होंने नया रूप ले लिया है, जमीन बेच दी और दलाल बन गये। उन्होंने आरोप लगाया कि जोन परिवर्तन के नाम पर केसीआर जमीनों को गरीबों के हाथों से छीन रहे है, आवंटित जमीनों को हड़पने, उद्योगों के नाम पर जमीनें इकट्ठा करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास, मास्टर प्लान और धरणी के नाम पर जमीन लूटी जा रही है। उन्होंने सवाल किया कि जब पुराने क्षेत्र में उद्योग आ ही नहीं रहे तो नए मास्टर प्लान क्यों हैं। उन्होंने कहा कि ग्रीन बेल्ट की जमीनों को 220 जिवो में लाकर किसानों की आंखों में धूल झोंक रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति है कि कोई भी अच्छी कीमत वाली जमीन नहीं खरीद सकता। उन्होंने पूछा कि सरकार को किसानों का पेट मारने का अधिकार किसने दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं। विकास के नाम पर रियल स्टेट कारोबार और किसानों की जमीन कम कीमत पर लेने की साजिश की आलोचना की गयी। मंत्री इंद्रकरण रेड्डी पर विरोध जताया कि क्या उनके ही गांव की जमीन को आवासीय क्षेत्र घोषित करना उचित है। उन्होंने कहा कि अगर पहले चिंताएं थीं तो पीछे हटना और मास्टर प्लान को दोबारा सामने लाना एक बड़ी साजिश है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों के साथ न्याय करने के लिए होती है, नेताओं के लिए मुनाफा कमाने के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पुलिस विपक्ष को परेशान कर रही है वह दुखद है। उन्होंने लोगों के पक्ष में होने के बजाय विपक्ष के साथ सम्राट की तरह व्यवहार करने के लिए केसीआर की आलोचना की। अगर ऐसा है तो बीजेपी ने निर्मल मास्टर प्लान को रद्द करने की मांग करते हुए कल निर्मल बंद का आह्वान किया है। इस कार्यक्रम में नेता अयन्न गारी भुमैया, रावुला रामनाथ, रमादेवी, रामा राव पटेल, समा राजेश्वर रेड्डी, चित्याल सुहासिनी रेड्डी, मल्लिकार्जुन रेड्डी, हरिनायक, जानुबाई, कार्यकर्ता, मास्टर प्लान प्रभावित किसान और लोग शामिल हुए।

सरकार ने बिजली कंपनियों में हड़ताल पर रोक को छह महीने तक बढ़ा दी

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने 25 अगस्त से छह महीने के लिए ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ तेलंगाना लिमिटेड और दो वितरण कंपनियों- टीएसएनपीडीसीएल और टीएसएसपीडीसीएल के तहत सभी सेवाओं में हड़ताल पर रोक लगा दी है। तेलंगाना आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम के प्रावधानों के तहत हड़तालों पर रोक लगा दी गई थी। सरकार के विशेष मुख्य सचिव सुनील शर्मा ने कहा कि इस आशय का निर्णय ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ तेलंगाना लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक की एक रिपोर्ट की जांच के बाद लिया गया।

एसएफआई ने आश्रम स्कूल स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

कोत्तागुडेम, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एसएफआई जिला समिति ने शिकायत की कि जिले के डुम्मुगुडेम मंडल के रामचंद्रुनिपेटा में आश्रम सरकारी हाई स्कूल (गर्ल्स) के हेडमास्टर, वार्डन और कर्मचारी स्कूली बच्चों को अपने घरों में घरेलू काम में लगा रहे हैं। गुरुवार को यहां एक बयान में स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के जिला अध्यक्ष गरलापति पवन कुमार और इसके जिला सचिव बी. वीरभद्रम ने स्कूल कर्मचारियों की कथित कार्रवाई की कड़ी निंदा की और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि एचएम, वार्डन और कर्मचारियों के घरों में खाना पकाने, झाड़ू लगाने और कपड़े धोने वाले छात्रों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं और यह अक्षम्य है। उन्होंने कहा कि बच्चों के माता-पिता अपने बच्चों को शिक्षा के लिए स्कूल भेजने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन दुख की बात है कि कर्मचारियों द्वारा उनका शोषण किया जा रहा है। पवन कुमार और वीरभद्रम ने अधिकारियों से घटना की तुरंत जांच करने और दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ बाल श्रम अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू की जानी है।

आंध्र प्रदेश में मृत पाए गए दो तेंदुए

अमरावती, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि श्री सत्य साईं जिले के मेलावोई गांव के पास दो दिनों के भीतर दो उप-वयस्क तेंदुए संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। पहला शव मादा तेंदुआ, बुधवार दोपहर को आरक्षित वन क्षेत्र के बाहर एक कृषि क्षेत्र में पाया गया, जिसके मुंह से झाग निकल रहा था और नाक से खून बह रहा था। श्री सत्यसाई जिला वन अधिकारी रवींद्रनाथ रेड्डी ने बताया कि गुरुवार को सुबह 9 बजे के आसपास पहले शव के आसपास खोज करते समय, हमें एक बकरी के शव सहित एक पहाड़ी पर एक और मृत तेंदुआ, नर मिला। हमें संदेह है कि क्या तेंदुए की मौत उस बकरी को खाने से हुई है। जहर देने का संदेह करते हुए, वन अधिकारियों ने बिल्लियों से नमूने निकाले हैं और मौत के कारण का पता लगाने के लिए उन्हें बेंगलुरु के हेब्बल में पशु स्वास्थ्य और पशु चिकित्सा जैविक संस्थान में भेजने की प्रक्रिया में हैं।

सिकंदराबाद-वैजाग के लिए विशेष ट्रेन

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, सिकंदराबाद और विशाखापत्तनम के बीच एक तरफा विशेष ट्रेन चलाई जाएगी। ट्रेन नंबर 07055 (सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम) 18 अगस्त को रात 9 बजे प्रस्थान करेगी और 19 अगस्त सुबह 9.45 बजे (शनिवार) पहुंचेगी। विशेष ट्रेन जनगांव, काजीपेट, वारंगल, महबूबाबाद, खम्मम, रायनपाडु, एलुरु, ताडेपल्लीगुडेम, राजमंड्री, समालकोट, अन्नवरम, तुनी, अनाकापल्ली और दुव्वाडा स्टेशन पर रूकेगी।

मतदाता सूची में त्रुटियों को ठीक करें : रोनाल्ड रोज़

मोबाइल पर वोटर हेल्पलाइन ऐप डाउनलोड करने की सलाह

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने आगामी चुनावों के मद्देनजर जिले में त्रुटि मुक्त मतदाता सूची तैयार करने के उद्देश्य से शहर के निवासियों से मतदाता सूची में गलतियों को सुधारने के लिए कहा है। अगर वोटर लिस्ट में नाम है, लिस्ट में कोई गलती है तो आप ईसीआई की वेबसाइट https:/votes.eci.gov.in पर जाकर चेक कर सकते हैं या अपने मोबाइल फोन पर वोटर हेल्प लाइन डाउनलोड कर सुधार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में जहां परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर हों, मिस मैच तस्वीरें (पुरुष फोटो के स्थान पर महिला फोटो, इसके विपरीत), मतदाता सूची में अनियमित तस्वीरें (आधार कार्ड, एसएससी प्रमाणपत्र, राशन कार्ड, उल्टी तस्वीर, धुंधली तस्वीरें आदि), मतदाता सूची में गलतियों के मामले में घर का नंबर, पता, नाम में वर्तनी की गलती, जन्म तिथि, परिवार के सदस्यों के संबंध (माता, पिता, पत्नी, पति, पुत्र, पुत्री) का नाम सही किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में अपना मोबाइल नंबर अपडेट कर सकते है। इसके अलावा अगर आपके पास ईपीआईसी है तो भी अगर आपका नाम मौजूदा वोटर लिस्ट में नहीं है तो आप तुरंत फॉर्म-6 के जरिए आवेदन कर सकते हैं। आपके पास फॉर्म-6 बी के जरिए आधार नंबर को वोटर लिस्ट से लिंक करने की भी सुविधा है।

बजरंग सेना ने किया टीटीडी मंदिर के निदेशक से मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना तेलंगाना ने एनआर लक्ष्मण राव के नेतृत्व में हिमायतनगर में टीटीडी प्रशासन भवन में टीटीडी मंदिर के निदेशक से मुलाकात की। लक्ष्मण राव ने हिंदू तीर्थयात्रियों को पैदल चलने की अनुमति नहीं देने और दोपहिया वाहनों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगाने के लिए टीटीडी द्वारा तीर्थयात्रियों पर हाल ही में लगाए गए सख्त प्रतिबंधों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि बजरंग सेना तेलंगाना तीर्थयात्रियों पर लगाए गए प्रतिबंधों को तत्काल हटाने और उन्हें उचित सुविधाएं प्रदान करने की मांग करती है।

बजरंग सेना तेलंगाना टीटीडी अधिकारियों से अनुरोध करती है कि वे तीर्थयात्रियों की भावनाओं को आहत न करें, अन्यथा बजरंग सेना और सभी हिंदू संगठन संयुक्त रूप से राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेंगे।

इलाज के दौरान नौ वर्षीय बालक की मौत, माता-पिता का बुरा हाल

कुमराम भीम आसिफाबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर में इलाज के दौरान मरने वाले नौ वर्षीय लड़के के माता-पिता और रिश्तेदारों ने गुरुवार को एक निजी अस्पताल के प्रबंधन पर गुस्सा जताया। दहेगांव मंडल के लाग्गम गांव के साकेत के माता-पिता ओडेलू और श्रीदेवी ने आरोप लगाया कि शहर में स्थित अस्पताल के डॉक्टरों की लापरवाही के कारण लड़के की मौत हो गई। उन्होंने अस्पताल के सामने धरना दिया, लेकिन पुलिस द्वारा नर्सिंग होम प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज कर न्याय का आश्वासन देने के बाद उन्होंने धरना वापस ले लिया।

रिश्तेदारों ने कहा कि बच्चे को सुबह बुखार होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था और दोपहर तक जब डॉक्टरों ने दवा दी तो उसने अंतिम सांस ली। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने उचित दवा नहीं दी जिसके कारण उनके इकलौते बेटे की मौत हो गई। उन्होंने साकेत की मौत के लिए डॉक्टरों को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। ओडेलू से मिली शिकायत के आधार पर अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. जांच की गई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.